THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 214 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन शु.8 2080 रविवार, 22 अक्टूबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

ये दिवाली
10 लाख
के फायदे वाली

FIXED PRICE

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	दिवाली बाद की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

एससी ने मोहम्मद फैजल की लोकसभा सदस्यता को चुनौती देने वाली याचिका की खारिज

याचिकाकर्ता पर 1 लाख का जुर्माना लगा

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल की लोकसभा सदस्यता की बहाली को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 9 अक्टूबर को मोहम्मद फैजल को बड़ी राहत देते हुए उनकी सदस्यता बरकरार रखी थी और दोष सिद्धि पर मुहर लगाने वाले केरल हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने वकील अशोक पांडे की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि यह याचिका कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। याचिकाकर्ता के किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है। इसी के साथ कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने पांडे को राशि का 50 प्रतिशत सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और बाकी सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड कल्याण कोष में जमा करने का निर्देश दिया। अशोक पांडे ने कोर्ट को बताया कि वो एक वकील हैं और उन्होंने पहले भी कई जरूरी याचिकाएं दायर की हैं। इस पर बोलते हुए बेंच ने कहा कि अगर आप वकील हैं तो आपको ऐसी फालतू याचिकाएं दाखिल करने से पहले दो बार सोचना चाहिए। कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि यदि चार हफ्ते के अंदर राशि का भुगतान नहीं किया गया, तो उनकी संपत्ति कुर्क कर ली जाएगी। जनप्रतिनिधि कानून के तहत अगर 2 साल की सजा होती है तो संसद सदस्य या विधानसभा सदस्य की सजा रद्द हो जाती है। 11 जनवरी 2023 को अदालत ने मोहम्मद फैजल को हत्या का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। इसके बाद 13 जनवरी को लोकसभा सचिवालय ने नोटिफिकेशन जारी कर उन्हें संसद सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था, जिसके बाद मोहम्मद फैजल ने इसको लेकर अपील दायर की थी।

हैवानियत! कुत्ता भौंका तो प्राइवेट पार्ट में घुसा दी रॉड, मालकिन को भी पीटा

भुवनेश्वर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा में एक शख्स ने पड़ोस में रह रही एक महिला के साथ सिर्फ इस बात पर छेड़छाड़ कर दी क्योंकि उसका पालतू डॉग लगातार भौंक रहा था। महिला ने शख्स और उसके पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने कहा कि आरोपी शख्स ने उसे बाल पकड़ कर रोड तक घसीटा और इसके बाद उसके कपड़े फाड़ दिए। वहीं महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी शख्स ने उसके पालतू डॉग के प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला ओडिशा के भुवनेश्वर के कैपिटल पुलिस स्टेशन का है। रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी का नाम चंदन नायक है जिसने पालतू डॉग पर तेज नुकीले हथियार से हमला किया।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव की मांग करते हुए भाजपा पर बरसे उमर अब्दुल्ला, कहा- दफन हो रहा लोकतंत्र

जम्मू, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर के विपक्षी दल लगातार केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर उनके निशाने पर भाजपा है। आज एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि लोग पीड़ित हैं क्योंकि उन्हें निर्वाचित सरकार के उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जनता का गुस्सा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज जब हमें लगभग हर रोज बताया जाता है कि स्थिति में काफी सुधार हुआ है। यह सामान्य के करीब है। मेरा मानना है कि, दुर्भाग्य से, जम्मू और कश्मीर वह जगह है जहां भारत में लोकतंत्र दफन होने जा रहा है। इस बीच जम्मू-कश्मीर में चुनाव के मुद्दे पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने भी कहा कि हमने हर जगह यही मांग की है कि चुनाव यहां जरूरी हैं। विधानसभा के चुनाव होने चाहिए। वहीं, उमर अब्दुल्ला ने स्मार्ट मीटर की स्थापना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग हर चीज़ लोगों को बाहर आने के लिए उकसाती है क्योंकि 5 अगस्त, 2019 के बाद जिस तरह से चीजें हुई हैं, उसे लेकर एक तरह का आक्रोश है। और यह कश्मीर की तुलना में जम्मू में अधिक दिखाई देता है। पूर्ववर्ती राज्य जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को 5 अगस्त, 2019 को निरस्त कर दिया गया और दो केंद्र शासित प्रदेश - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख - बनाए गए। अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव न कराने का एक कारण यह भी है कि बीजेपी को डर है कि उसे अनुकूल नतीजे नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं केवल अनुमान लगा सकता हूं लेकिन एकमात्र निष्कर्ष जो मैं निकाल सकता हूं वह यह है कि भाजपा डरी हुई है कि नतीजे क्या होंगे। वे संसदीय चुनाव में अपनी संभावनाओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते। अब्दुल्ला ने केंद्र से कहा कि यह कहने का साहस रखें कि स्थिति 2019 से पहले की तुलना में बदतर है।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के आपत्तिजनक पोस्टर लगाने वाले व्यक्ति पर केस दर्ज

बेंगलुरु, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कथित आपत्तिजनक पोस्टर बनाने और उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। कांग्रेस प्रवक्ता सूर्य मुकुंदराज ने इस संबंध में शहर के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस सिलसिले में तुमकुरु निवासी श्रीनिवासमूर्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आरोपी ने हिंदुस्तानी सेना नाम से फेसबुक अकाउंट पर सीएम सिद्धारमैया और मैसूरु दशहरा समारोह के खिलाफ आपत्तिजनक और अपमानजनक पोस्टर बनाए थे। सीएम सिद्धारमैया का चेहरा हिंदू मिथकों के अनुसार एक राक्षस राजा महिषासुर के तौर पर दिखाया। आरोपी ने फोटो एडिट में आपत्तिजनक टैगलाइन का इस्तेमाल किया था। सूर्य मुकुंदराज, जो कानूनी प्रकोष्ठ के महासचिव भी हैं, ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एक अलग मामले में, दक्षिण कन्नड़ जिले के बंटवाल सिटी पुलिस स्टेशन में सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट बनाने के संबंध में शिकायत दर्ज की गई है।

पुणे से दिल्ली जा रही थी अकासा एयर फ़्लाइट

तभी यात्री बोला- मेरे बैग में बम है; फिर आया एक ट्विस्ट

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीती रात पुणे से दिल्ली जाने वाली अकासा एयर फ़्लाइट की मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह लैंडिंग तब कराई गई जब एक यात्री ने उड़ती फ्लाइट में ये कहा कि उसके बैग में बम है। इसके बाद उस फ़्लाइट को तुरंत मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड कराया गया। इसकी जानकारी पुलिस मिली तो यात्री की और उसक सामान की जांच की गई। इसके बाद पुलिस के सामने यात्री ने बम वाली बात का असली कारण बताया तो सभी हैरान रह गए।

चेकिंग के दौरान यात्री ने बताई असलियत

एक अधिकारी ने बताया कि बीती रात क़रीबन 2.130 बजे सीआईएसएफ़ के अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने मुंबई पुलिस कंट्रोल के हॉट लाइन पर इसकी जानकारी दी। जिसके बाद फ़्लाइट के उस यात्री के सामान की तलाशी ली गई और उस समय वहां पर बीडीडीएस की टीम के साथ-साथ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। संदिग्ध यात्री के सामान की सघन जांच के दौरान पुलिस को किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। एक अधिकारी ने बताया कि जिस शख़्स ने उसके बैग में बम होने की बात कही थी, उसके सीने में दर्द हो रहा था। जिसके बाद उसे तुरंत एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया।

सुबह 6 बजे मुंबई एयरपोर्ट से रवाना हुई फ्लाइट

एक अधिकारी ने आगे बताया कि उसके साथ उस फ़्लाइट में उसका एक रिश्तेदार भी यात्रा कर रहा था। रिश्तेदार ने पुलिस को बताया कि उसके साथी ने छाती में दर्द होने की वजह से दवाई ली थी और वो कुछ भी बोले जा रहा था। सभी तरह की जांच करने के बाद पुलिस ने क्लीयरेंस दिया और फिर अकासा एयर फ़्लाइट सुबह 6 बजे के क़रीब मुंबई एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुई। पुलिस इस मामले की आगे की जांच कर रही है।

बेंगलुरु हवाईअड्डे से सोने की तस्करी करने के प्रयास में 3 गिरफ्तार

तस्करी का तरीका देख उड़े अधिकारियों के होश

केम्पेगौड़ा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दो दिनों के भीतर सीमा शुल्क विभाग ने एक मलेशियाई नागरिक सहित तीन यात्रियों से एक किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है। अधिकारियों के मुताबिक, तीनों यात्रियों को शुक्रवार और शनिवार को पकड़ा गया। एक वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी ने कहा कि कुआलालंपुर से आ रही एक भारतीय मूल की महिला यात्री ने अपने ब्लाउज के अंदर पेस्ट के रूप में 17.9 लाख रुपये मूल्य के 300.95 ग्राम सोने की तस्करी करने का प्रयास किया,जिसे पकड़ लिया गया। कुआलालंपुर से आ रही एक अन्य मलेशियाई मूल की महिला यात्री ने भी पेस्ट के रूप में 34.4 लाख रुपये मूल्य का 578.27 ग्राम सोना छिपाकर तस्करी करने का प्रयास किया। अधिकारी ने कहा कि कुवैत से आ रहे एक भारतीय मूल के व्यक्ति को 15,26,565 रुपये मूल्य के 254 ग्राम सोने के 40 टुकड़ों की तस्करी का प्रयास करते हुए पकड़ा गया और 1,49,900 रुपये की कीमत का एक आईफोन 14 प्रो मैक्स भी बरामद किया गया। सोने के कटे हुए टुकड़े सूखे मेवों के पैकेट में छिपाए गए थे।

अंडरवर्ल्ड डॉन का शकील से किनारा

आतंकी दाऊद ने छोटे भाई अनीस को सौंपी डी-कंपनी की जिम्मेदारी

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय खुफिया एजेंसियों के सूत्रों ने ये दावा किया है कि पाकिस्तान के कराची में छिपे बैठे आतंकी दाऊद इब्राहिम ने डी-कंपनी का काम छोटे भाई अनीस कासकर को सौंप दिया है। ये जिम्मेदारी अब तक आतंकी और दाऊद का सबसे भरोसेमंद छोटा शकील संभाल रहा था। लेकिन, दो साल से दाऊद और शकील में मनमुटाव होने से काम प्रभावित हो रहा था, इसलिए दाऊद ने शकील को रिप्लेस कर दिया। एजेंसी सूत्रों का ये भी दावा है कि अनीस ही कराची से मुंबई में गिरोह के साथियों को ऑर्डर दे रहा है। वही भारत-अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी, तंबाकू व्यवसाय, नकली भारतीय मुद्रा का काम संभाल रहा है। दाऊद, अनीस और शकील तीनों अभी कराची में ही हैं।

बेटे मोईन को सौंपना चाहता था डी-कंपनी, लेकिन वो हाफिज बन गया

दाऊद ने डी-कंपनी के फैसलों में सीधा दखल कम कर दिया था। वो हायपर डायबिटीज भी है। इसलिए साम्राज्य चलाने में दिक्कतें आ रही थीं। दाऊद चाहता था कि उसका बड़ा बेटा मोईन डी-कंपनी संभाले, लेकिन मोईन हाफिज बन गया। शकील की भी तबीयत खराब रहने लगी, इसलिए अनीस को जिम्मेदारी देना दाऊद की मजबूरी हो गया। अनीस अब तक नंबर-3 की पोजिशन पर था।

अनीस ने डी कंपनी के सीईओ के तौर पर फैसले लिए

एजेंसी सूत्रों ने बताया कि डी-कंपनी के उत्तराधिकार में बदलाव की रूपरेखा दाऊद के 60वें जन्मदिन से बनने लगी थी। कुछ साल से शकील की अनीस से नहीं बन रही है। कई बैठकों में दोनों साथ नहीं रहे, इसलिए अनीस ने डी-कंपनी के सीईओ के रूप में फैसले लिए। अनीस ने नशीले पदार्थों के कारोबार में बहुत गहराई तक अपना जाल फैला रखा है।

सलीम फ्रूट की गिरफ्तारी से मिले थे संकेत

मुंबई में शकील का राइट हैंड रहा सलीम फ्रूट जेल में है। मई 2022 में उसे एनआईए ने गिरफ्तार किया था। फ्रूट छोटा शकील का साला है। पिछले महीने ही उसकी जमानत एनआईए कोर्ट ने खारिज की थी। इस गिरफ्तारी से संकेत मिले थे कि दाऊद-शकील में रिश्ते बिगड़ चुके हैं।

ड्रग्स के कारोबार से अनीस को मौका

ऐसा कहा जाता है कि 2020 के बाद से मुंबई नारकोटिक्स ब्यूरो ने ड्रग्स माफिया के खिलाफ जो भी कार्रवाई की, उसकी लीड गैंग में फूट पड़ने से ही मिली थी। ड्रग्स का कारोबार बड़ी समस्या बन रहा था, जिसके चलते अनीस इस पूरे खेल में आगे आया और शकील की पोजिशन पीछे हो गई। इसके बाद फ्रूट की गिरफ्तारी हुई, जिसमें ये साफ हो गया कि शकील अब कमजोर हो गया है।

मुंबई धमाकों का आरोपी है अनीस

अनीस पर 1993 के मुंबई बम धमाकों में भी शामिल होने का आरोप है। इस मामले को लेकर उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस भी जारी हुआ है। इन धमाकों में 257 लोग मारे गए थे।

मुंबई में प्रदूषण ने उड़ाई बीएमसी की नींद, एंटी स्मॉग गन लगाने सहित जारी किए गाइडलाइन

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले एक हफ्ते से महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। यह लगातार दूसरा साल है, जब मुंबई में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में जाती नजर आ रही है। इसका मुख्य कारण यहां हो रहे निर्माण कार्य हैं। मुंबई शहर में लगातार ब्रिज, मेट्रो फ्लाईओवर बन रहे हैं। कंस्ट्रक्शन से निकलने वाली धूल शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ा रहे हैं। मुंबई में फिलहाल 6,000 स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा है। इस बीच शहर में बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए बीएमसी ने एंटी स्मॉग गन खरीदने का विचार किया है। वहीं, बढ़ते प्रदूषण के साथ मुंबई के लोगों का स्वस्थ्य भी खतरे में है। जेजे हॉस्पिटल के मेडिसिन एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर विनायक सवारडेकर ने बताया, फिलहाल मुंबई में प्रदूषण के कारण आम लोगों को ज्यादा परेशानी नहीं हो रही है, लेकिन जो लोग अस्थमा से पीड़ित हैं

नरोत्तम मिश्रा का राहुल गांधी पर विवादित बयान, बोले- 'तो सर तन से जुदा हो जाएगा'

भोपाल, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ। नरोत्तम मिश्रा ने शिवपुरी जिले में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी राजस्थान में गए तो हिंदू व हिंदुत्व पर सवाल उठा दिया।' नरोत्तम मिश्रा ने सवालिया लहजे में कहा, 'तुमने (राहुल गांधी) कभी किसी दूसरे धर्म पर सवाल क्यों नहीं उठाया? हमारी जनगणना की बात की। दूसरे की क्यों नहीं कही? क्योंकि अगर दूसरे की बात की तो सर तन से जुदा हो जाएगा। आखिर ये सारे प्रहार हमारे धर्म पर ही क्यों हो रहे हैं?' दरअसल, शिवपुरी के पिछोर में ब्राह्मण समाज के सम्मेलन में पहुंचे नरोत्तम मिश्रा ने कहा, 'राहुल गांधी राजस्थान गए तो हिंदू व हिंदुत्व पर सवाल उठाया। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इन्होंने दूसरे धर्म पर सवाल क्यों नहीं उठाया? आपने हमारी जनगणना की बात की, हमारी कैटेगरी क्या है, जातियों के अंदर से उपजातियां क्या हैं। यह हमारी जनगणना की बात करते हैं, अगर दूसरे की बात की तो सिर तन से जुदा हो जाएगा, यह विचार करो।

ये यहां आए तो भगवा को आतंकवाद बताया।' नरोत्तम मिश्रा ने डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन का नाम लिए बिना आगे कहा कि एक इनके घटिया गठबंधन का व्यक्ति है। वह बोल रहा है कि सनातन तो डेंगू है, मच्छर है। आखिर ये सारे प्रहार हमारे ही धर्म पर क्यों हो रहे हैं? राज्य के गृहमंत्री ने आगे कहा कि विचार करना एक तरफ तो वह दल है, जो आपको जातियों में बांटकर देश को तोड़ना चाहता है, यह मुसलमान को भाजपा का डर दिखाकर संगठित रखना चाहता है।उन्होंने कहा कि,आप सिर्फ कमल के फूल को देखो, मैं वादा करता हूं कि अगर आधी रात को भी आप मेरे घर का दरवाजा खटखटाओगे तो मैं आपके लिए सदैव तैयार रहूंगा।

कांग्रेस नेताओं पर जुबानी हमला करते हुए गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सोनिया गांधी, दिग्विजय, कमलनाथ को आमजन से कोई लेना-देना नहीं है। यह सिर्फ अपने पुत्रों को सेट करना चाहते हैं। सोनिया चाहती है कि राहुल स्थापित हो जाए।कमलनाथ चाहते हैं उनका पुत्र नकुलनाथ, दिग्विजय चाहते हैं कि उनका पुत्र जयवर्धन स्थापित हो जाए। सब अपने-अपने पुत्रों को स्थापित करना चाहते हैं।अगर देश के बारे में कोई सोच रखता है तो वह सिर्फ मोदी जी ही रखते हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा एक बार फिर दतिया विधानसभा सीट से बीजेपी की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने पुराने चेहरे राजेंद्र भारती को एक बार फिर मैदान में उतारा है।

गगनयान के सफल परीक्षण पर सीएम खट्टर ने इसरो को दी बधाई

कहा- अंतरिक्ष में लिख रहे नित नए अध्याय

चंडीगढ़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सभी बाधाओं और चुनौतियों को दूर करते हुए शनिवार को 'गगनयान मिशन' का सफल ट्रायल पूरा कर इतिहास रच दिया। गगनयान के सफल लॉन्च के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की प्रतिक्रिया सामने आई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसरो की पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही, सीएम खट्टर ने कहा, हमारे भारतीय वैज्ञानिक देश का गौरव बढ़ाते हुए अन्तरिक्ष के क्षेत्र में नित नए अध्याय लिख रहे हैं। गगनयान की पहली टेस्ट फ्लाइट का सफल परीक्षण करने पर इसरो की पूरी टीम को बधाई। इतना ही नहीं, सीएम खट्टर ने आगे कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। भारत द्वारा पहले मानव अंतरिक्ष मिशन को पूरा करने की दिशा में यह एक

बड़ा कदम है। आपको बता दें कि, इसरो ने मानव को अंतरिक्ष में भेजने के अपने महत्वाकांक्षी मिशन 'गगनयान मिशन' के लिए पहला सफल ट्रायल पूरा कर लिया है। गगनयान का पहला उड़ान परीक्षण वाहन एबॉर्ट मिशन -1 यानी टीवी-डी1 रॉकेट सुबह 10 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है। लॉन्चिंग के बाद के बाद इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने वैज्ञानिकों को बधाई दी है। हालांकि, इससे पहले आठ बजे मिशन को होल्ड पर रखा गया था।

इजरायल के जालिमों फिलिस्तीन खाली करो

बेगुनाहों की मौत का तमाशा देखती दुनिया; सड़क पर उतरीं महबूबा मुफ्ती

जम्मू, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमास की ओर से अचानक किए गए हमले के जवाब में इजरायल ने गाजा में जोरदार पलटवार किया है। इजरायली सेना की ओर से गोलीबारी और बमबारी के चलते गाजा का बड़ा हिस्सा पूरी तरह से तबाह नजर आ रहा है। इस बीच दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से यह मांग उठ रही है कि इजरायल को अब अपने हमले रोक देने चाहिए। इसी कड़ी में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने 'इजरायल गो बैक' के नारे लगाए हैं। उन्होंने शनिवार को श्रीनगर में फिलिस्तीन के समर्थन में आयोजित प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'फिलिस्तीन में 15,00 बच्चे मारे गए हैं। हजारों बेगुनाह लोगों की मौत हुई है। सारी दुनिया तमाशा देख रही है।' महबूबा मुफ्ती ने रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा, 'जब यूक्रेन में 2 साल

के अंदर 500 बच्चे मारे गए तो पूरा विश्व चीखने लगा था। आज फिलिस्तीन में हजारों की संख्या में लोग मारे जा रहे हैं तो कोई बात तक नहीं कर रहा है।' उन्होंने कहा कि हम दुनिया भर के देशों से कहते हैं कि आप इजरायल पर दबाव बनाकर सीजफायर कराओ। पीडीपी चीफ ने कहा, 'फिलिस्तीन में अत्याचार हो रहा है। वहां दवाएं बंद हैं, वहां खाना बंद हैं और वहां लोगों को पीने के लिए पानी तक नहीं है। फिलिस्तान में लोगों के ऊपर गोलियां चल रही हैं, बमबारी हो रही है।'

इजरायल जो कर रहा उसके नतीजे खतरनाकः महबूबा मुफ्ती

पूर्वी मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि इजरायल फिलिस्तीन में जो कर रहा है उसके नतीजे बहुत खतरनाक हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया में पहले से ही बहुत ज्यादा दहशतगर्दी है। ऐसे में नाइंसाफ किया होगा तो और भी ज्यादा लोग बंदूकें उठाएंगे। इससे दुनिया में और भी अधिक हालात खराब होंगे। इसलिए हम कहते हैं कि इजरायल के जालिमों फिलिस्तीन को खाली करो।' महबूबा मुफ्ती ने 'इजरायल गो बैक' के नारे भी लगाए। इस दौरान उनकी पार्टी के कई समर्थक मौजूद रहे और उन्होंने भी इजरायल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इजरायली हवाई हमलों के खिलाफ कई देशों में प्रदर्शन

गौरतलब है कि गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने और इजरायल की नाकाबंदी को समाप्त करने को लेकर मुस्लिम देशों समेत कई जगहों पर हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया।

इराक में जॉर्डन से लगी सीमा पर, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में, मिस्र में, तुर्किये की राजधानी अंकारा में और उसके सबसे अधिक आबादी वाले शहर इस्तांबुल में, मलेशिया और दक्षिण कोरिया में कई जगहों पर प्रदर्शनकारी जमा हुए। प्रदर्शनकारी घायल फिलिस्तीनियों और आश्रय चाहने वाले निवासियों की देखभाल करने वाले गाजा के अस्पताल में मंगलवार की रात हुए विस्फोट के मुद्दे को भी उठा रहे थे। अल-अहली अस्पताल में विस्फोट का कारण साफ नहीं हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों का आकलन है कि विस्फोट इजरायली हमले में नहीं हुआ जैसा कि हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुरू में कहा था।

बंगाल पहुंचे जेपी नड्डा ने दुर्गापूजा पंडाल में की पूजा-अर्चना

कोलकाता, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। देवी दुर्गा की भव्य आराधना में डूबे पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शनिवार को पहुंचे। कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरे नड्डा का पारंपरिक ढाक की थाप पर स्वागत किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से वे हावड़ा के एक पूजा पंडाल में पहुंचे। उन्होंने पार्टी नेताओं सुकांत मजूमदार, शुभेंदु अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल के पूजा पंडाल में देवी दुर्गा की आरती की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग दुनिया को एक दृष्टिकोण देने में सबसे आगे हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस भूमि में अच्छी शक्तियों को और अधिक ताकत मिले ताकि समाज का मंगल हो, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास सफल कर सके। यहां से वे न्यू मार्केट सर्वजनिन और शोभा बाजार दुर्गा पूजा मंडप में भी पहुंचे। प्रदेश भाजपा की ओर से बताया गया है कि जनसंपर्क के तहत पार्टी अध्यक्ष अभी सूबे में कई अन्य दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा करने वाले हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 214 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.8 2080 रविवार, 22 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

गगनयान के क्रू एस्केप सिस्टम की टेस्टिंग सफल

रॉकेट से 17 किमी ऊपर भेजा गया, 8 मिनट बाद पैराशूट से बंगाल की खाड़ी में लैंडिंग

श्रीहरिकोटा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने शनिवार को गगनयान मिशन के क्रू एस्केप सिस्टम की सक्सेसफुल टेस्टिंग की। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 10 बजे इसे लॉन्च किया गया था। इसे टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) नाम दिया गया।

ये मिशन 8.8 मिनट का था। इस मिशन में 17 किमी ऊपर जाने के बाद सतीश धवन स्पेस सेंटर से 10 किमी दूर बंगाल की खाड़ी में क्रू मॉड्यूल को उतारा गया। रॉकेट में गड़बड़ी होने पर अंदर मौजूद एस्ट्रोनॉट को पृथ्वी पर सुरक्षित लाने वाले सिस्टम की टेस्टिंग की ग। टेस्ट फ्लाइट में तीन हिस्से थे- अबॉर्ट मिशन के लिए बनाया सिंगल स्टेज लिक्विड रॉकेट, क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम। विकास इंजन को मॉडिफाई कर ये रॉकेट बनाया गया था। वहीं क्रू मॉड्यूल के अंदर का वातावरण अभी वैसा नहीं था जैसा मैन्ड मिशन में होगा।

पहले दो बार टला था मिशन : इससे पहले आज ही दो बार मिशन को टाला गया था। इसे 8 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन मौसम ठीक नहीं होने कारण इसका टाइम बदलकर 8.45 किया गया।

फिर लॉन्चिंग से 5 सेकेंड पहले इंजन फायर नहीं हो पाए और मिशन टल गया। इसरो ने कुछ देर बाद गड़बड़ी ठीक कर ली।

टेस्टिंग में अबॉर्ट जैसी सिचुएशन बनाई गई : टेस्ट व्हीकल क्रू मॉड्यूल को ऊपर ले गया। जब रॉकेट साउंड की स्पीड से 1.2 गुना था तो अबॉर्ट जैसी सिचुएशन बनाई गई। लगभग 17 किमी की ऊंचाई पर क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम अलग हो गए। क्रू मॉड्यूल को यहां से लगभग 2 किमी दूर ले जाया गया और श्रीहरिकोटा से 10 किमी दूर समुद्र में लैंड कराया गया।

इस मिशन में वैज्ञानिकों ने यह टेस्ट किया कि अबॉर्ट ट्रैजेक्टरी क्या ठीक तरह से काम किया। असल मिशन के दौरान रॉकेट में खराबी आने पर एस्ट्रोनॉट कैसे सुरक्षित रूप से लैंड करेंगे इसकी टेस्टिंग की गई। मिशन टेस्टिंग के लिए कुल चार टेस्ट फ्लाइट भेजी जानी हैं। टीवी-डी1 के बाद टीवी-डी2, डी3 और डी4 को भेजा जाएगा।

अगले साल की शुरूआत में गगनयान मिशन का पहला अनमैन्ड मिशन प्लान किया गया है। अनमैन्ड मिशन यानी इसमें किसी भी मानव को स्पेस में नहीं भेजा जाएगा। अनमैन्ड मिशन के सफल होने के बाद मैन्ड मिशन होगा, जिसमें इंसान स्पेस में जाएंगे।

हमने फिर रचा इतिहास : सफल लॉन्चिंग पर बोले इसरो प्रमुख

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। गगनयान मिशन की पहली टेस्ट फ्लाइट का सफलता पूर्वक परीक्षण कर लिया गया है। इसके साथ ही भारत ने अंतरिक्ष जगत में एक बार फिर इतिहास रचन दिया है। इस मौके पर इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा कि मुझे गगनयान टीवी-डी1 मिशन की सफल परीक्षण की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमने इस

लॉन्चिंग के साथ एक बार फिर इतिहास रच दिया है। इस मिशन का उद्देश्य क्रू एस्केप सिस्टम का प्रदर्शन करना है।

एस सोमनाथ ने कहा कि हमने टेस्ट फ्लाइट को सुबह 8 बजे लॉन्च की योजना बनाई थी, लेकिन मौसम की खराबी के चलते से इसे 45 मिनट बढ़ाकर 8.45 किया गया। इस दौरान नॉमिनल लिफ्ट ऑफ प्रोसेस न होने के चलते हमें होल्ड करना पड़ा। यह मॉनिटरिंग एनोमली की वजह से हुआ। मॉनिटरिंग में गड़बड़ी के कारण परीक्षण रोक दिया गया था। इसके बाद हमने इसका पता लगाया और तुरंत ठीक कर दिया गया। इसरो चीफ ने बताया कि क्रू एस्केप सिस्टम की जांच ट्रायल फ्लाइट के आसमान में जाने के बाद उसका क्रू एस्केप सिस्टम एक्टिव हुआ। जिसकी वजह से क्रू मॉड्यूल और रॉकेट अलग हुआ।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बाबासाहेब की गिनाईं उपलब्धियां

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि देश के लिए बीआर आंबेडकर का योगदान केवल संविधान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जल और बिजली जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के फैसले लेने में भी शामिल है।

पवार अपनी पुस्तक 'द प्रॉब्लम ऑफ द रुपी: इट्स ओरिजिन एंड इट्स सॉल्यूशन' के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने इस दौरान कहा कि देश में संसदीय लोकतंत्र को संरक्षित करने के लिए आंबेडकर श्रेय के पात्र हैं। वह 1942 से 1946 तक वायसराय की कार्यकारी परिषद के सदस्य थे, जो श्रम, पानी और बिजली के लिए जिम्मेदार थी।

एनसीपी प्रमुख ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी केवल संविधान के प्रति आंबेडकर के योगदान से अवगत है। जबकि उन्होंने पानी के उपयोग और इसके बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए। महाराष्ट्र के चार बार के मुख्यमंत्री ने कहा कि सतलज नदी पर बने भाखड़ा नांगल बांध, पश्चिम बंगाल और झारखंड में संचालित सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली जनरेटर कंपनी दामोदर वैली कॉरपोरेशन के निर्माण का महत्वपूर्ण निर्णय आंबेडकर के कार्यकाल के दौरान लिया गया था।

पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा, भाखड़ा नांगल बांध ने पंजाब और हरियाणा के लिए सिंचाई क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे दोनों राज्यों में कृषि विकास को बढ़ावा मिला।

ग्वालियर से मेरा दोतरफा नाता : पीएम मोदी

काशी में सिंधिया परिवार ने घाट बनवाए, ज्योतिरादित्य गुजरात के दामाद

ग्वालियर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्वालियर में शनिवार शाम सिंधिया स्कूल के 125वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्वालियर से मेरा दो तरह से नाता है।

पहला- काशी को डेवलप करने में सिंधिया परिवार की बड़ी भूमिका रही है। यहां कई घाट बनवाए। आज काशी का विकास हो रहा है, उसे देखकर महाराज माधवरावजी की आत्मा प्रसन्न होगी। दूसरा- ज्योतिरादित्य गुजरात के दामाद हैं। इस नाते भी ग्वालियर से मेरी रिश्तेदारी है।

मोदी बोले, आउट ऑफ द बॉक्स सोचिए : मोदी ने बच्चों से कहा कि फ्यूचर को लेकर आउट ऑफ द बॉक्स सोचिए। सपने और संकल्प दोनों बड़े होने चाहिए। मोदी ने बच्चों से ठिठोली करते हुए कहा कि आप अपने आइडिया नमो ऐप पर शेयर कर सकते हैं। अपने सीक्रेट भी वॉट्सऐप पर मुझसे शेयर कर सकते हैं। मैं किसी को नहीं बताऊंगा।

आपकी जनरेशन का बोझ हल्का किया : मोदी ने कहा कि तात्कालिक स्वार्थ के लिए किए गए काम से समाज को नुकसान होता है। साल 2014 में जब देश ने मुझे प्रधान सेवक का दायित्व दिया, तो मेरे सामने दो ऑप्शन थे। पहला- मैं तात्कालिक के लिए काम करूं। दूसरा- लॉन्ग टर्म एप्रोच अपनाऊं। मैंने दूसरा ऑप्शन चुना। इन 10 साल में देश ने लॉन्ग टर्म प्लानिंग के जो फैसले लिए, वो अभूतपूर्व हैं। मेरे पास कामों की इतनी लंबी लिस्ट है कि उनका उल्लेख करते हुए पूरी रात बीत जाएगी। मैंने आपकी जनरेशन का बोझ हल्का किया है।

शताब्दी का सोचने के लिए शिक्षा से जुड़िए : पीएम ने कहा कि कहावत है कि यदि एक साल का सोच रहे हैं, तो अनाज बोइए। एक दशक का सोच रहे हैं, तो फल वाले पेड़ लगाइए। यदि एक शताब्दी का सोच रहे हैं, तो शिक्षा से जुड़ी संस्थाएं बनाइए।

10 साल में एक लाख स्टार्टअप बने : मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने स्पेस, डिफेंस सेक्टर को भी युवाओं के लिए ओपन किया है। आपको मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बढ़ाना है। साल 2014 में गिनती के स्टार्टअप थे। आज देश में करीब एक लाख स्टार्टअप हैं। 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न बने हैं।

बच्चों को दिलाया विकसित भारत का संकल्प : मोदी ने बच्चों को संकल्प दिलाया कि अगले 25 साल में देश को विकसित बनाकर दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि ये जिम्मेदारी यंग जनरेशन की है। मेरा विश्वास कि आप इन सपनों को संजोकर काम करेंगे। संकल्प को सिद्धि में बदलेंगे। इसे हासिल करने तक रुकेंगे नहीं। अगले 25 साल आपके और भारत के लिए जरूरी हैं। संकल्प लीजिए कि मैं विकसित भारत बनाउंगा। नेशन फर्स्ट की सोच के साथ काम करूंगा। इनोवेशन करूंगा। भारत को विकसित बनाकर ही रहूंगा। इससे पहले, मंच पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मोदी का स्वागत किया। स्कूल के बच्चों ने मोदी द्वारा लिखे गए गरबा गीत 'माड़ी' की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

नवरात्रि की शुरूआत में जारी किया था 'माड़ी' : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवरात्रि की शुरूआत 'माड़ी' नाम से गाना जारी किया था। पीएम मोदी ने एक्स पर किए पोस्ट में बताया कि उन्होंने इस गीत के बोल लिखे हैं, जिसे दिव्य कुमार ने आवाज दी है। मीत ब्रदर्स ने कम्पोज किया है। यह गाना गुजराती में गाया गया है। 'माड़ी' दूसरा गाना है, जिसे पीएम मोदी ने इस साल नवरात्रि के लिए लिखा है।

सिंधिया बोले, भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : सिंधिया ने कहा कि 18वीं सदी के बाद दोबारा विश्व में भारत को परचम लहराने का अवसर मिला है। पीएम की सोच से भारत ने चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा।

शाह बोले, नॉर्थ-ईस्ट में आतंकी घटनाएं 65 प्रतिशत घटीं

आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति, हमने सख्त कानून बनाए

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को दिल्ली स्थित नेशनल पुलिस मेमोरियल पहुंचे। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर उन्होंने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, पुलिस के जवानों की ड्यूटी सबसे कठिन है। किसी भी देश की सीमा और आंतरिक सुरक्षा पुलिस के बिना संभव नहीं है। शाह ने कहा, नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और उग्रवाद की घटनाओं में 65 प्रतिशत की गिरावट आई है। नरेंद्र मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कानून बनाए हैं। शाह ने पुलिस फोर्स के मॉडर्नाइजेशन को लेकर कहा, हमारी सरकार ने

मॉडर्नाइजेशन के लिए पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन की स्थापना करके दुनिया की सबसे बेहतर एंटी टेररिज्म फोर्स बनाने की दिशा में काम किया है। पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए गृह मंत्री ने कहा, आतंकियों से लड़ना हो, अपराध रोकना हो, भीड़ के सामने कानून व्यवस्था कायम रखना हो या आपदा के समय ढाल बनकर लोगों को बचाना हो, पुलिस ने हर स्थिति में खुद को साबित किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर आज शहीद पुलिसकर्मियों को याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, पुलिस स्मृति दिवस पर हम पुलिसकर्मियों के समर्पण की सराहना करते हैं। सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी कर्मियों को श्रद्धांजलि। देश के अलग-अलग राज्यों में पुलिस स्मृति दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे शामिल हुए।

सभी को क्रांतिकारियों के बारे में पता होना चाहिए

भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव में बोले रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मानेकशॉ सेंटर में भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने पहली बार भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव आयोजित करने का प्रयास किया। मैंने अपने कुछ सुझाव भी दिए हैं और मैं समझता हूं कि देश के युवाओं को क्रांतिकारियों और जवानों की भूमिका के बारे में पता होना चाहिए।

निशिकांत का दावा, दुबई से खोली गई संसद की आईडी

उस समय सांसद महुआ मोइत्रा भारत में थीं, उन्होंने देश की सुरक्षा गिरवी रखी

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोप में घिरीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक और गंभीर आरोप लगाया है। निशिकांत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में लिखा, कुछ पैसे के लिए एक सांसद ने देश की सुरक्षा को गिरवी रख दिया।

दुबे ने लिखा, दुबई से संसद के आईडी खोले गए, जबकि उस वक्त वो कथित सांसद भारत में ही थीं। इस नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) पर पूरी भारत सरकार है। देश के प्रधानमंत्री, वित्त विभाग, केन्द्रीय एजेंसी यहां हैं। क्या अब भी टीएमसी व विपक्षी दलों को राजनीति करना है। निर्णय जनता का है। एनआईसी ने यह जानकारी जांच एजेंसी को दे दी है। निशिकांत दुबे ने महुआ पर आरोप लगाते हुए जिस बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी का नाम लिया है, उन्होंने 19 अक्टूबर को एक लेटर लिखकर महुआ की संसद आईडी का लॉगइन खोलने की बात कबूली थी।

संघर्ष के बाद पहली बार राहत सामग्री से भरे 20 ट्रकों का गाजा में प्रवेश

गाजा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच 7 अक्टूबर को भड़के संघर्ष के बाद दो सप्ताह की नाकेबंदी में शनिवार को पहली बार ढील दी गई और मानवीय सहायता से भरे 20 ट्रक राफा क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा में दाखिल हुए, जो तटीय एंक्लेव और मिस्र के बीच एकमात्र सीमा क्रॉसिंग है।

लाइफ मेकर्स फाउंडेशन के जनसंपर्क अधिकारी अया अहमद ने समाचार एजेंसी को बताया कि ट्रकों में मिस्र की संस्थाओं नेशनल अलायंस फॉर सिविल डेवलपमेंट वर्क और इजिप्शियन रेड क्रिसेंट द्वारा दान की गई चिकित्सा सहायता भरी हुई थी। इससे पहले इजराइल राफा क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा में सहायता ले जाने वाले 20 ट्रकों को अनुमति देने पर सहमत हुआ। हालांकि उसने ईंधन की मदद को जाने की अनुमति नहीं दी। इससे पहले दिन में, इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने कहा कि उसे जानकारी मिली है कि रफ़ा क्रॉसिंग शनिवार सुबह 10 बजे (स्थानीय समय के अनुसार) खुलेगी।

इजराइल-हमास के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच गाजा में गहराते मानवीय संकट के कारण मिस्र में कई दिनों से मानवीय सहायता रुकी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने शनिवार को चेतावनी दी कि गाजा में भोजन, पानी, ईंधन और चिकित्सा आपूर्ति तेजी से खत्म हो रही है, जबकि बिजली कटौती और ईंधन आयात पर प्रतिबंध के कारण स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली और स्वच्छ पानी तक पहुंच पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है। इसमें कहा गया है कि गाजा में लगभग 14 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जो पूरी पट्टी की 20 लाख की आबादी का 70 प्रतिशत है।

बेगूसराय में युवक का मर्डर; घर में सो रहा था,अपराधियों ने गोली मारकर उतारा मौत के घाट

बेगूसराय, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में अपराधियों ने युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। वह अपने घर में सो रहा था, इसी दौरान अपराधी घर घुसे और गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना एफसीआई थाना क्षेत्र के बीहट गुरदासपुर वार्ड नंबर 21 की है। मृत युवक की पहचान एफसीआई थाना क्षेत्र के बिहट गुरदासपुर वार्ड नंबर 21 के रहने वाले भूषण महत्व का पुत्र छोटू कुमार महतो के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि छोटू कुमार महतो खाना पीना खाने के बाद पिता के साथ डेरा पर सोने के लिए चला गया। इस दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने वहां पहुंचा और छोटू कुमार महतो को गोली मारकर हत्या कर दिया। उन्होंने बताया कि आज 3:00 बजे अहले सुबह पता चला कि किसी ने छोटू कुमार महतो को गोली मारकर हत्या कर दी।

'लालू को डरा रहे सीएम नीतीश'

बीजेपी से दोस्ती वाले बयान पर तेज़ हुई संभावनाओं की सियासत

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इसके साथ ही नेताओं के बयान भी नोटिस किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा नेताओं से ज़िंदगी भर दोस्ता वाले बयान ने बिहार की सियासत में एक अलग ही बहस छेड़ दी है। सीएम नीतीश कुमार के बयान पर राजद नेता शक्ति सिंह यादव की प्रतिक्रिया आई थी, वहीं अब भाजपा नेताओं ने भी नीतीश कुमार पर कटाक्ष शुरू कर दिया है। भाजपा के फ़ायर ब्रांड नेता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा नीतीश कुमार राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को डराने के लिए ऐसी बात कह रहे हैं।

लालू यादव से मुखातिब होते हुए, गिरिराज सिंह ने कहा कि वह नीतीश से बिलकुल भी नहीं डरें। उन्हें धक्के मारकर बाहर निकालें। अपने बेटे तेजस्वी यादव को सीएम की कुर्सी पर बैठाएं। नीतीश कुमार के लिए अब भाजपा में कोई जगह नहीं है, उनके लिए भाजपा के सारे खिड़की और दरवाज़े बंद हो चुके हैं। भाजपा से बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि यह नीतीश कुमार को भाजपा से प्रेम नहीं छलका है। यह तो छक्का और पंजा की लड़ाई हो रही है। लालू प्रसाद यादव जब भी नीतीश कुमार पर लगाम लगाते हैं, वह भाजपा में जाने की बात करते हैं। 'मैं मायके चली जाऊंगी, तुम देखते रहियो' बोलकर नीतीश कुमार, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को डराते हैं। नीतीश कुमार के पास अब कुछ नहीं बचा, भाजपा के दरवाज़े उनके लिए बंद हो चुके है। अटल जी की मौत को कई साल गुज़र गए, इतने सालों में वह समाधि पर श्रद्धांजलि देने नहीं गए। इस बार श्रद्धांजलि देने गए। इसी तरह लालू प्रसाद यादव को डराने के लिए नीतीश कुमार को दीनदयाल उपाध्याय इस साल याद आए। गिरिराज सिंह ने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव में लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पा रही है।

इसलिए ही नीतीश कुमार भाजपा के प्रति प्रेम दिखाते हुए पलटी मारने के संकेत देकर, लालू यादव को को डरा रहे हैं। लालू प्रसाद यादव को डर सता रहा है कि, तेजस्वी सीएम बनते-बनते आधे रास्ते में न रह जाएं। गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव अगर उन्हें बुलाएंगे तो, लालू यादव को समझाएंगे कि धक्का देकर सीएम नीतीश कुमार को बाहर कर दीजिए और अपने बेटे को सीएम की कुर्सी पर बैठाइए। नीतीश कुमार कुर्सी देने वाले नहीं हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हदसा

तेज रफ्तार वाहन ने वैन को मारी टक्कर, पांच की मौत, तीन घायल

ग्रेटर नोएडा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक्सप्रेस-वे पर एक भीषड़ हादसा हुआ है। यहां एक्सप्रेस-वे पर एक बेकाबू वैन अनियंत्रित होकर पलट गई है। इस भीषड़ हादसे में वैन में सवार पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल भी हो गए हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी वैन सवार दिल्ली से झारखंड जा रहे थे। इसी दौरान ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने इस वैन को टक्कर मार दी। ये पूरा मामला रबूपुरा थाना क्षेत्र का है।

साक्षी महाराज की राहुल-प्रियंका को चुनौती, कहा- 'हिम्मत हो तो उन्नाव से लड़ें चुनाव'

उन्नाव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 'सरैया वाटिका' जनता को समर्पित कर दिया गया. इस खास मौके पर उन्नाव के सांसद साक्षी महाराज, विधायक पंकज गुप्ता और [डीएम अपूर्वा दुबे मौजूद रहे. उन्नाव में लगभग 62.49 लाख की लागत से सरैया वाटिका बनकर तैयार की गई है. जिसे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है. सरैया वाटिका का शुभारंभ करके जनता को समर्पित करते समय सांसद साक्षी महाराज ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है. बीजेपी के फायरब्रांड नेता साक्षी महाराज अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं. उन्नाव के सांसद साक्षी महाराज अक्सर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी को लेकर विवादित बयान देते रहे हैं. इस बार उन्होंने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी को खुली चुनौती दे डाली है. दरअसल एक ओर जहां लोकसभा चुनाव शुरू में अब ज्यादा समय नहीं रह गया है. वहीं एनडीए गठबंधन को हराने के लिए देश की तमाम विपक्षी पार्टियों ने इंडिया गठबंधन बनाया है. इंडिया गठबंधन के गठन के साथ ही बीजेपी नेताओं ने इसमें दरार पड़ने की बात कही थी. फिलहाल मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में दिख रही अनबन इसका मुख्य कारण बन सकती है. फिलहाल उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने हाल ही में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी को बड़ी चुनौती पेश कर दी है. उनका कहना है कि 'प्रियंका गांधी या फिर राहुल गांधी किसी में भी हिम्मत हो, तो वह मुझसे उन्नाव में आकर चुनाव लड़ले.' उनका साफ तौर पर कहना है कि उन्नाव की जनता उनके साथ है ऐसे में कांग्रेस के जिस भी बड़े से बड़े नेता चाहे वह प्रियंका गांधी या राहुल गांधी ही हों,

रॉन्ग नंबर से शुरू हुआ इश्क, बंगाल की लड़की आ पहुंची बिहार

मुजफ्फरपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में रेल पुलिस ने एक युवक- युवती को पकड़ा है। लड़की बंगाल से भाग कर आई थी जबकि लड़का बिहार के दरभंगा जिले का रहने वाला है। दोनों भाग कर पंजाब जाने वाले थे लेकिन इससे पहले पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। दरअसल पश्चिम बंगाल की एक युवती की बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले युवक से प्यार हो गया। दोनों के बीत बातचीत की शुरुआत रॉन्ग नंबर से शुरू हुई थी। रॉन्ग नंबर से शुरू हुई बात धीरे-धीरे राइट नंबर में बदल गया और दोनों के बीच पहले दोस्ती, और दोस्ती कुछ दिनों में ही प्यार में बदल गया। दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाई। कुछ दिनों के बाद दोनों ने बिहार और बंगाल से दूर किसी और जगह अपनी दुनिया बसाने का निर्णय लिया। एक महीने पहले दोनों कोलकाता में मिले थे। मुलाकात के बाद लड़की ने उसे भगा ले जाने की बात कही तो लड़का राजी हो गया और घर से एक हजार रुपए लेकर हावड़ा बंगाल पहुंच गया।लड़की पहले से वहां मौजूद थी। इसके बाद दोनों वहां से समस्तीपुर पहुंचे यहां से मुजफ्फरपुर।]

मुजफ्फरपुर से पंजाब भागने की तैयारी थी लेकिन उससे पहले पुलिस ने पकड़ लिया और थाने ले गई। जहां पूछताछ में दोनों ने प्यार करने और पंजाब जाने की बात कही। इसके बाद पुलिस ने दोनों के परिवार के लोगों से संपर्क साधा और उन्हें मुजफ्फरपुर पहुंचने के लिए कहा।

प्रधानपति को बंधक बनाकर पीटा, छुड़ाने के लिए ग्रामीणों ने जमकर किया पथराव, पहुंची कई थानों की फोर्स

कौशांबी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंझनपुर थाना क्षेत्र के सेलराहा गांव में देव स्थल के पुजारी ने ग्राम प्रधान पति को सुबह छह बजे बंधक बना लिया। इस दौरान उसकी जमकर पिटाई की गई। वारदात की भनक लगने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने जमकर बवाल काटा। इस दौरान हुए दोनों पक्षों की तरफ से करीब दो घंटे तक जमकर ईंट पत्थर चले। इससे पूरा इलाका सहम गया। मौके पर कई थानों की फोर्स पहुंच गई। घटना के चलते सिराथू-मंझनपुर मार्ग पर करीब दो घंटे तक आवागमन ठप रहा। अंततः ग्रामीण प्रधानपति को आजाद कराने में सफल रहे। शनिवार को सुबह सात बजे मंझनपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पश्चिम सेलरहा में कुछ लोगों के बीच विवाद हो गया है।

बालगृहों की हालत जेलों से भी बदतर

पौष्टिक भोजन भी नहीं; हाईकोर्ट ने कहा- ताजी हवा और रोशनी की भी दरकार

प्रयागराज, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बालगृहों की स्थिति पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है कि यूपी के बाल गृहों में रह रहे बच्चों को पौष्टिक आहार ही नहीं, बल्कि उन्हें सूरज की रोशनी, ताजी हवा की भी दरकार है। यहां की स्थिति जेलों से भी बदतर है। यह मौलिक अधिकारों का हनन है। कोर्ट ने कमियों को तुरंत दूर करने के लिए निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि मामले की अगली सुनवाई पर महिला एवं बाल विकास विभाग यूपी के प्रमुख सचिव अवलोकन कर बच्चों की संख्या, बालगृहों की संख्या बताएं। साथ ही सुधार के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी व्यक्तिगत हलफनामा

पर प्रस्तुत करें। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति अजय भनोट की खंडपीठ ने दिया है। कोर्ट ने सुधार के लिए कुल नौ बिंदुओं पर सुझाव दिए हैं। कहा है कि इनपर तुरंत अमल किया जाए। कोर्ट ने आदेश में बालगृहों का निरीक्षण करने वाले न्यायमूर्ति अजय भनोट का नाम भी दर्ज किया है। कोर्ट ने कहा है कि न्यायमूर्ति के निरीक्षण में कई कर्मियों का पता चला। इस उदासीनता को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कोर्ट कहा कि जब तक बालगृहों के लिए एक मानक नहीं बनाया जाता तब तक इनको ऐसी जगह स्थानांतरित किया जाए, जहां खेल के मैदान समेत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों।

कर्मचारियों की कुशलता पर सवाल

कोर्ट ने कहा कि बालगृहों में तैनात पर्यवेक्षक या कर्मचारी प्रशिक्षित नहीं हैं। इससे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। बच्चों के खाद्य पदार्थ सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए कई वर्षों से बजट आवंटन में संशोधन नहीं किया गया है। इसका भी बच्चों के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि बालगृहों में शैक्षिक सुविधाएं बढ़ाई जाएं। व्यावसायिक प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की जाए। बच्चों को आसपास के स्कूलों में दाखिला कराया जाए।

'जो अपने बाप का सम्मान नहीं कर पाया

वह मेरा क्या करेगा', अजय राय ने अखिलेश यादव पर किया पलटवार

वाराणसी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार किया और कहा कि जो अपने बाप का सम्मान नहीं कर पाया, वह मेरा क्या करेगा? सपा के छोटे कार्यकर्ताओं का सम्मान क्या करेगा? वह दूसरों के ऊपर आरोप लगा हैं, उनको अपने अंदर झांककर देखने की जरूरत है। हम लोगों ने तो आगे बढ़कर घोसी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में समर्थन किया था। इसी का परिणाम था कि सपा ने भारी मतों से जीत दर्ज की थी। प्रदेश अध्यक्ष ने शुक्रवार यहां कहा कि इंडिया गठबंधन रहेगा या टूटेगा, यह अखिलेश यादव को तय करना है।

हम लोगों ने उनके पिता मुलायम सिंह यादव का सदैव सम्मान किया है। लेकिन, उन्होंने अपने पिताजी का सम्मान नहीं किया। जो व्यक्ति अपने पिता का सम्मान नहीं कर सका, वह हम जैसे छोटे कांग्रेस और सपा कार्यकर्ताओं का सम्मान क्या करेगा? मैं अखिलेश यादव से यही कहना चाहूंगा कि आप इतने बड़े परिवार से जुड़े हुए हैं। आस्ट्रेलिया से पढ़कर आए हैं। मुलायम यादव जैसे कद्दावर नेता के आप सुपुत्र हैं। आपको इस तरह की भाषा का उपयोग नहीं करना चाहिए। मैं तो एक अदना सा कार्यकर्ता हूं।

बीजेपी से 'दोस्ती' वाली बात का मतलब कुछ और था?

सीएम नीतीश ने अब समझाया मामला, सुशील कुमार मोदी का भी लिया नाम

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मोतिहारी में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कुछ ऐसी बात कही थी कि उसका मतलब बीजेपी से दोस्ती को जोड़कर देखा जाने लगा था। शनिवार को इस पर मीडिया से बातचीत में नीतीश कुमार मीडिया पर भड़क उठे। कहा कि मोतिहारी में जो उन्होंने कहा उसका गलत मतलब निकाल लिया गया है। मोतिहारी में विश्वविद्यालय बनाने की चर्चा थी। मोतिहारी में विश्वविद्यालय बनाने को लेकर हमने दबाव बनाया।

मेरे कहने का मतलब बीजेपी के साथ का बिल्कुल नहीं था। मेरे कहने का मतलब था कि जो काम हुआ है उसे याद रखिए। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि वहां तो सभी दलों के नेता मौजूद थे लेकिन मीडिया ने जो लिखा और दिखाया है उससे मुझे दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे ही गलत छापा जाएगा और दिखाया जाएगा तो आज अंतिम दिन है। ऐसा बयान छपेगा तो बोलना बंद कर दूंगा।

सुशील कुमार मोदी पर जमकर साधा निशाना

दरअसल, नीतीश कुमार शनिवार की सुबह बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री बाबू की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करने मुख्य सचिवालय पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बीजेपी से दोस्ती वाली बात के साथ-साथ सुशील मोदी के बयान पर भी जमकर भड़ास निकाली। कहा कि सुशील मोदी कहां और क्या थे उनको याद नहीं रहता है क्या? जब विश्वविद्यालय में थे तो छात्र नेता के चुनाव मैंने कई वोट उनको दिलवाए थे। विपक्ष चाहे जितना अटैक करे मुझे कोई उससे मतलब नहीं है। मैं अपना काम करता रहता हूं।

संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों के सामने किसान ने खाया जहर, तहसील में मचा हड़कंप

शाहजहांपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर की पुवायां तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में गांव बिलंदापुर निवासी किसान बलजीत सिंह बग्गा ने जहर खा लिया। इससे तहसील में हड़कंप मच गया। उनको उपचार के लिए सीएचसी पर ले जाया गया। बाद में किसान को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। अभी यह पता नहीं चल सका है कि बलजीत सिंह ने जहर क्यों खाया है ? शनिवार को सीडीओ एसबी सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस में लोगों की शिकायतें सुनी जा रही थीं। मौके पर एसपी ग्रामीण संजीव कुमार वाजपेयी, एसडीएम संजय कुमार पांडे, सीओ पंकज पंत, इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार राय भी मौजूद थे।

जातीय जनगणना के मुद्दे पर अखिलेश यादव ने कांग्रेस को घेरा, उठाए सवाल, कहा- ये वही हैं

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले जातीय जनगणना को लेकर सियासत भी तेज होती जा रही है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जातीय जनगणना कराए जाने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी खुलकर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं, जिसे लेकर अब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस पर तंज कसा है। अखिलेश ने कहा कि ये चमत्कार है कि आज कांग्रेस भी इसकी मांग कर रही है। अखिलेश यादव वे कहा कि, जातीय जनगणना को लेकर तो कांग्रेस पार्टी अब मुखर हुई है, ये वहीं कांग्रेस पार्टी है, जिसने जातीय जनगणना के आंकड़े नहीं दिए। जातीय जनगणना नहीं होने दी, ये चमत्कार है, क्योंकि सबको एहसास हो गया है जब तक पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक भाईयों को साथ नहीं लिया तो आप कामयाब नहीं होगे। प्रधानमंत्री खुद यही कहते हैं, हम पिछड़े हैं। अखिलेश यादव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि अब अगर पिछड़े, दलित और आदिवासी कुछ अगड़े भी कुछ जातीय जनगणना मांग रहे हैं तो इसमें क्या बात है। ये तो चमत्कार इसलिए है कि कांग्रेस पार्टी भी इस चमत्कार में आ गई है। कि उन्हें भी जातीय जनगणना चाहिए। क्योंकि उन्हें पता है कि जो वोट वो ढूंढते रहे थे वो तो अब उनके साथ ही नहीं है।

सपा-कांग्रेस के बीच बयानबाजी तेज

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच ये तल्खी मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद से बढ़ी हुई हैं। कांग्रेस ने एमपी में सपा को एक भी सीट नहीं दी है, जिसके बाद दोनों तरफ से एक दूसरे के खिलाफ खुलकर बयानबाजी हो रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो कांग्रेस पर उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया है।

रेप और 3 तलाक पीड़िता से दारोगा ने व्हाट्सऐप कॉल पर की गंदी बात, ऑडियो आया सामने

बिजनौर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस हमेशा अपने 'गुड वर्क' के कारण चर्चाओं में बनी रहती है। मगर कभी-कभी यूपी पुलिस के कुछ पुलिसकर्मी वर्दी के साथ-साथ यूपी पुलिस को भी बदनाम करने का काम करते हैं। कुछ ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के बिजनौर से सामने आया है। यहां रेप, दहेज और तीन तलाक पीड़िता ने मामले की जांच कर रहे दारोगा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि मामले की जांच कर रहा दारोगा उससे संबंध स्थापित करने का दबाव बना रहा है। पीड़िता के मुताबिक, दारोगा का कहना है कि अगर वह उसके साथ संबंध स्थापित करती है, तभी तुम्हारे मामले में गंभीर धाराएं रहेगी। वरना वह केस में धारा-376 समेत सभी गंभीर धाराएं खत्म कर देगा। बता दें कि इस मामले को लेकर एक ऑडियो भी वायरल हो रहा है। ये ऑडियो आरोपी दारोगा का बताया जा रहा है। मामले को लेकर पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। एसपी ने ऑडियो को कब्जे में लेकर आरोपी दारोगा को सस्पेंड कर दिया है और मामले की जांच की जा रही है। दरअसल बिजनौर के कस्बा झाल के रहने वाली पीड़िता ने 12 सितंबर 2023 को अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ धारा- 498, 376, 313, 504 और 506 के तहत केस दर्ज करवाया। मामला ल्दौर थाने में दर्ज किया गया। पीड़िता का आरोप था कि दिल्ली निवासी शोएब अहमद उसे देहरादून में मिला था। वह उसे अपने साथ मसूरी ले गया और वहां होटल में उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के मुताबिक, जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने शादी का वादा किया और कुछ दिनों बाद उससे निकाह भी कर लिया। इसके बाद पीड़िता दिल्ली में स्थित अपने ससुराल में रहने लगी। मगर वहां जाकर उसे पता चला कि उसके पति की शादी दूसरी जगह भी तय की गई है। आरोप है कि कुछ समय बाद आरोपी पति नौकरी करने के लिए विदेश चला गया। वहां जाकर उसने फोन पर पीड़िता को तीन तलाक दे दिया।

बलिया थाना क्षेत्र से फरार लड़का-लड़की ने थाना में किया आत्मसमर्पण

बेगूसराय, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। बलिया थाना क्षेत्र के कसबा गांव में पड़ोस के ही मुस्लिम लड़के द्वारा हिंदू लड़की को बहला-फुसला कर भगाकर ले जाने के मामले का उद्भेदन हो गया है। लड़का एवं लड़की दोनों ने शनिवार की सुबह बलिया थाना में आकर आत्म समर्पण कर दिया है। एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि बलिया थाना क्षेत्र के कसबा गांव का मामला महज चार दिन में सुलझ गया। लड़का और लड़की ने आज सुबह बलिया थाना में सरेंडर कर दिया है। कल बलिया पुलिस ने सभी आरोपियों का एनबीडब्ल्यू निकाला था। लगातार पुलिस छापेमारी करती रही, इसके बाद आज सरेंडर कर गया है। मेडिकल और मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज होगा। एसपी ने शनिवार को बताया कि रेखा देवी द्वारा थाना में सूचना दी गई थी कि 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली उनकी 17 वर्षीय पुत्री को घर के बगल के ही मो। खुर्शिद एवं उसके परिजनों ने अपहरण कर लिया गया है। घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों एवं लड़की की बरामदगी के लिए बलिया डीएसपी विनय कुमार राय के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। जिसमें पु।नि। सुरेन्द्र कुमार सिंह, पु।अ।नि। विनीत कुमार, सशस्त्र बल एवं जिला आसूचना इकाई को शामिल किया गया था। गठित टीम के जांच में यह मामला प्रथम दृष्टया प्रेम-प्रसंग का सामने आया। पुलिस टीम द्वारा लड़के के परिजनों को थाना पर लाकर पुछताछ तथा लगातार छापेमारी की जा रही थी।

छात्र ने मंच पर लगाया 'जय श्री राम' का नारा तो भड़कीं महिला प्रोफेसर, डांट कर मंच से उतारा

गाजियाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के एक कॉलेज का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में गाजियाबाद के एबीईएस कॉलेज में आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम में परफॉर्मेंस देने गए छात्र ने मंच से जय श्री राम का नारा लगाया। इस दौरान कालेज की टीचर उसे रोक देती और छात्र को मंच से जाने को कहती है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने महिला टीचर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि गाजियाबाद के एक प्राइवेट कॉलेज में सांस्कृतिक प्रोग्राम आयोजित किया गया था। एक छात्र को परफॉर्मेंस के लिए मंच पर बुलाया गया।

यूपी पुलिस के बाबू ने नियम रखे ताक पर; 'रिवाल्वर गर्ल' प्रियंका मिश्रा को फिर बनाया आरक्षी, दो दिन में बर्खास्त

आगरा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो वर्ष पूर्व वर्दी में सरकारी रिवाल्वर के साथ वीडियो बनाकर चर्चा में आई महिला आरक्षी प्रियंका मिश्रा को बाबू ने नियमों से खिलवाड़ कर दोबारा नौकरी दिला दी थी। 18 अक्टूबर को नौकरी मिलने के 48 घंटे बाद ही धोखाधड़ी का खुलासा हो गया और उसकी नौकरी दोबारा चली गई। उसका इस्तीफा मंजूर होने के बाद दोबारा नौकरी पर रखने के आवेदन पर जांच के बाद बिना पुलिस मुख्यालय सूचना दिए दोबारा नौकरी में नियोजित करने का आदेश जारी करने वाले लिपिक जितेंद्र को निलंबित कर मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। कानपुर की रहने वाली प्रियंका मिश्रा 2020 में यूपी पुलिस में आरक्षी के पद पर तैनात हुई थी। ट्रेनिंग के बाद उन्हें आगरा के मदन मोहन गेट थाने पर तैनाती मिली थी। महिला आरक्षी प्रियंका मिश्रा द्वारा अगस्त 2021 माह में वर्दी पहनकर नौकरी के समय में थाने के एक दारोगा की रिवाल्वर हाथों में लेकर फिल्मी संवाद पर एक वीडियो बनाकर इंटरनेट पर प्रसारित किया गया था। वीडियो चर्चा में आने के बाद तत्कालीन एसएसपी मुनिराज जी के द्वारा लाइन हाजिर के आदेश के बाद विभागीय जांच के आदेश दिए थे। इंटरनेट पर जबरदस्त ट्रोल होने के बाद उनके फालोअर काफी संख्या में बढ़ गए थे। निजी जीवन पर टिप्पणियों से आहत होकर उन्होंने सितंबर माह में नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। एसएसपी ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया था। शादी के बाद प्रियंका ने आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए जीवन यापन में कठिनाई की बात लिखकर पुनः नौकरी दिए जाने का आवेदन किया था। नियमानुसार एसीपी को जांच दी गई थी। कार्यालय से संयुक्त निदेशक अभियोजन से भी विधिक राय ली गई थी। इस्तीफे के बाद सेवा में लिए जाने संबंधित रिपोर्ट और अन्य कागजातों को नियमानुसार पुलिस मुख्यालय लखनऊ भेजा जाना था और वहां से स्वीकृति के बाद आदेश पारित किया जाना था।बाबू जितेंद्र कुमार ने नियमों को दरकिनार कर बिना मुख्यालय की स्वीकृति के दोबारा नौकरी पर बहाल करवा दिया था। मामला सामने आने पर अब पुलिस कमिश्नर प्रीतिंदर सिंह ने पुनः बहाली के आदेश जारी करते हुए लिपिक जितेंद्र को निलंबित कर दिया है। प्रियंका मिश्रा के पुलिस की नौकरी छोड़ने के दौरान उनके फॉलोअर की संख्या एक हजार से बढ़कर अस्सी हजार के ऊपर पहुंच गई थी। रोजाना तरह-तरह के वीडियो बनाने वाली प्रियंका ने नौकरी के आवेदन के बाद से इंटरनेट से दूरी बना ली थी। अप्रैल माह के बाद इंस्टाग्राम पर कोई पोस्ट नहीं डाली थी।

मेरे साथ संबंध बनाओ

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुडंबा थाना इलाके की रहने वाली एक युवती पर मंगेतर ने शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। मना करने पर मंगेतर ने उसे पीट दिया। युवती की शादी हुसैनगंज निवासी दीपक शुक्ल से तय हुई थी। एक दिन मंगेतर ने युवती को कॉल कर घूमने के लिए चलने को कहा मगर उसने मना कर दिया। इस बीच युवती के भाई के पास दीपक के पिता वीके शुक्ल फोन कर तिलक में कार और छह लाख रुपये की मांग करने लगे। इतनी बड़ी मांग पूरी करने में परिवार असमर्थ था। इस पर रिश्ता तोड़ने की धमकी दी गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 22 अक्टूबर, 2023 5

युविचार

अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना, चाहते हो तो मेहनत से दोस्ती कर लो !

तेलंगाना में 118 में से 72 विधायकों पर आपराधिक आरोप !

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के 118 विधायकों में से 72 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 46 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले हैं। शनिवार को जारी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति के 101 विधायकों में से 59 यानी 58 प्रतिशत पर आपराधिक मामले चल रहे हैं।

रिपोर्ट एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और तेलंगाना इलेक्शन वॉच ने प्रकाशित की। जिसमें 119 मौजूदा विधायकों में से 118 के आपराधिक, वित्तीय और अन्य पृष्ठभूमि विवरणों का विश्लेषण किया गया था। वर्तमान विधानसभा में एक निर्वाचन क्षेत्र सिकंदराबाद कैंट रिक्त है। यह विश्लेषण 2018 के विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए उप-चुनावों से पहले उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए गए हलफनामों पर आधारित है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विश्लेषण किए गए 118 मौजूदा विधायकों में से 72 (61 प्रतिशत) मौजूदा विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 46 (39 प्रतिशत) मौजूदा विधायकों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। सात विधायकों ने आईपीसी की धारा 307 के तहत हत्या के प्रयास से संबंधित मामले घोषित किए हैं और चार विधायकों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले घोषित किए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, चार मौजूदा विधायकों में से एक विधायक ने आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार से संबंधित मामला घोषित किया था। इसके अलावा सत्तारूढ़ बीआरएस के 101 विधायकों में से 59 (58 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। जबकि, एआईएमआईएम के 7 में से 6 (86 प्रतिशत), कांग्रेस के 6 में से 4 (67 प्रतिशत), बीजेपी के 2 विधायक और 2 निर्दलीय विधायकों में से 1 ने अपने हलफनामे में अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी दी है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि सत्तारूढ़ बीआरएस के 101 विधायकों में से 38 (38 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। जबकि, एआईएमआईएम के 7 विधायकों में से 2 (29 प्रतिशत), कांग्रेस के 6 विधायकों में से 3 (50 प्रतिशत), भाजपा के 2 विधायकों और 2 निर्दलीय विधायकों में से 1 ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 30 नवंबर को होना है। वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने पर ध्यान दे रही है। जबकि, कांग्रेस भी राज्य में सत्ता में आने के लिए आक्रामक तरीके से प्रचार कर रही है।

दशहरा उत्सव के मद्देनजर नगर में रहने वाले लागों ने अपने-अपने निजी स्थान पर लौटना शुरू कर दिया है। लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए आरटीसी व रेलवे ने कई अधिक बसें व ट्रेन चलाना शुरू किया है, फिर भी बसों में भयंकर भीड़ दिख रही है। इसी के कारण बस स्टेशन व रेलवे स्टेशनों पर आशातीत यात्रियों की संख्या दिख रही है।

कांग्रेस ने सिकंदराबाद छावनी से टिकट का आश्वासन दिया था : विमला

गद्दर की पत्नी ने राज्य कांग्रेस से टिकट के मुद्दे पर स्पष्टता देने की मांग की

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रांतिकारी गीतकार गद्दर की पत्नी विमला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने परिवार को सिकंदराबाद छावनी से चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब चुप्पी साधे हुए हैं। यह कहते हुए कि स्थानीय निवासी निर्वाचन क्षेत्र से गद्दार की बेटी वेनेला की उम्मीदवारी का समर्थन कर रहे थे, विमला ने राज्य कांग्रेस से टिकट के मुद्दे पर स्पष्टता देने की मांग की। वेनेला ने शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मेरे पिता गद्दर चुनाव लड़ना चाहते थे। अगर कांग्रेस पार्टी हमें टिकट देती है, तो हम चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं, अन्यथा हम जल्द ही अपनी भविष्य की योजनाओं की घोषणा करेंगे। गौरतलब है कि गद्दार का संक्षिप्त बीमारी के बाद 6 अगस्त को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के मौके पर, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने गद्दार के घर का दौरा किया और उनके परिवार को सांत्वना दी। कवि और गायक की आखिरी प्रमुख सार्वजनिक उपस्थिति 2 जुलाई को खम्मम में थी। बैठक के दौरान गद्दार ने मंच पर राहुल गांधी को गले लगा लिया था। सिकंदराबाद छावनी एक एससी आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है। पूर्व सांसद सर्वे सत्यनारायण सहित कुछ नेता इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस के टिकट की उम्मीद कर रहे हैं।

बिजली विभाग कर्मचारी पर हमला करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिजली आपूर्ति बंद करने को लेकर हुए विवाद के बाद टीएसपीडीसीएल के एक ठेका कर्मचारी पर हमला करने और धमकी देने के आरोप में मीरचौक पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुरानी हवेली के निवासी मोहम्मद ओमर चौधरी के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति ने बिजली विभाग के कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार किया जब कर्मचारी ने लगभग रुपये का भुगतान न करने पर बिजली की आपूर्ति काट दी। एक शिकायत पर, पुलिस ने चौधरी पर आईपीसी की धारा 353, 307 और 506 और भारतीय शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया।

चेरला में तीन माओवादी आरपीसी सदस्य गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेरला पुलिस और विशेष पार्टी के जवानों ने शुक्रवार को जिले के चेरला मंडल के वेंकटचेरुवु गांव के वन क्षेत्र में सीपीआई (माओवादी) पार्टी रिवोल्यूशनरी पीपुल्स कमेटी (आरपीसी) के तीन मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया। भद्राचलम के एएसपी परितोष पंकज ने शनिवार को बयान में बताया कि आरपीसी सदस्य, चिन्ना उत्लापल्ली के मादिवी गंगा मुदा, रामपुर के मादिवी अंडा और छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिले के भीमाराम के कोववासी मंगू को वाहन जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया।

वे पुजारी कांकेर आरपीसी के मिलिशिया सदस्य हैं। वे आदिवासी गांवों से लोगों को माओवादी पार्टी द्वारा आयोजित बैठकों और सभाओं में जबरन इकट्ठा करते रहे हैं और माओवादियों को आवश्यक सामान की आपूर्ति करते थे। छत्तीसगढ़ राज्य माओवादी बटालियन कमांडर हिडमा, पामेड़ क्षेत्र समिति के सदस्य, तेलंगाना राज्य के नेता दामोदर, आज़ाद, मधु, अरुणा, लचन्ना, मंगथु और अर्जुन ने उन्हें तेलंगाना में विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने के संदेश के साथ पर्चे वितरित करने के लिए कहा।

मिलिशिया सदस्यों को यह भी कहा गया कि वे चेरला और आसपास के इलाकों में जनता को यह संदेश दें कि चुनाव के बहिष्कार को लेकर जल्द ही एक बैठक होगी और इसके लिए तैयार रहें. पुलिस को देखते ही तीनों ने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। एएसपी ने बताया कि मिलिशिया सदस्यों के पास से 60 पर्चे जब्त किये गये हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी प्रतिबंधित माओवादी पार्टी का सहयोग करेगा और असामाजिक गतिविधियां करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी. चेरला सीआई, बी राजगोपाल, एसआई, टीवीआर सूरी और आर नरसी रेड्डी उपस्थित थे।

जीएचएमसी से अवरोध-मुक्त फुटपाथ सुनिश्चित करने का आग्रह

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस के सचिव सोमा श्रीनिवास रेड्डी ने जीएचएमसी आयुक्त डी रोनाल्ड रॉस, आईएएस को एक पत्र लिखा और उनसे पैदल चलने वालों के लिए बाधा मुक्त फुटपाथ की सुविधा प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी ने पूरे शहर में फुटपाथ बनाने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से ये प्रयास अक्सर कम पड़ जाते हैं। फुटपाथों पर विभिन्न सामान बेचने वाले छोटे व्यापारियों, दुकानदारों द्वारा अपने वाहन पार्क करने, असुविधाजनक रूप से रखे गए ट्रांसफार्मर, और फूलों के गमलों और एवेन्यू वृक्षारोपण जैसे सजावटी तत्वों का कब्जा हो गया है जो पैदल चलने वालों के मार्गों को बाधित करते हैं। पैदल यात्री, छोटी दूरी की यात्रा के लिए, इन फुटपाथों का उपयोग करना पसंद करते हैं, लेकिन बाधाएं उन्हें सड़क पर आने के लिए मजबूर करती हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा, फोरम फॉर गुड गवर्नेंस पैदल चलने वालों के लिए अवरोध मुक्त फुटपाथ की सुविधा प्रदान करने की सिफारिश करता है, जिससे वाहन यातायात पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित हो सके।

इसलिए, हम फुटपाथों और छोटी सड़कों के बीच चौराहों पर सुरक्षित सड़क क्रॉसिंग सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक सिग्नल लगाने का सुझाव देते हैं। हम इस मामले पर आपके ध्यान की सराहना करते हैं और पैदल यात्री बुनियादी ढांचे में सुधार की आशा करते हैं जो हैदराबाद के निवासियों की भलाई को बढ़ाएगा।

तेलंगाना में पांच और पुलिस अधिकारियों का तबादला

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चुनाव आयोग ने चुनावी राज्य तेलंगाना में पांच और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का तबादला कर दिया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर, तेलंगाना के मुख्य सचिव ने शुक्रवार को अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए।

ग्रे हाउंड्स के ग्रुप कमांडर बिरुदराजू रोहित राजू को स्थानांतरित कर पुलिस उपायुक्त, दक्षिण पूर्व जोन, हैदराबाद के पद पर तैनात किया गया है। बी.बालास्वामी, डीसीपी, एसबी, रचाकोंडा को भी स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें हैदराबाद शहर के दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त के रूप में तैनात किया गया है। नितिका पंत, डीसीपी, महिला सुरक्षा, साइबराबाद, अब पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर होंगी। एंटी करप्शन ब्यूरो, हैदराबाद की संयुक्त निदेशक डॉ. चेतना माइलाभट्टुला को पुलिस उपायुक्त, पेद्दापल्ली, रामागुंडम कमिश्नरेट के रूप में तैनात किया गया है, जबकि डॉ. तरूण जोशी, आईजीपी, प्रशिक्षण, अब संयुक्त पुलिस आयुक्त, राचाकोंडा होंगे।

चुनाव आयोग ने हैदराबाद शहर के टास्क फोर्स के ओएसडी पी. राधाकृष्ण का भी तबादला कर दिया। उन्हें तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर दिया गया है और हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त द्वारा तय किए गए अधिकारी को पद का प्रभार सौंपने का निर्देश दिया गया है। राधाकृष्ण को 2020 में उनकी सेवानिवृत्ति के बाद राज्य सरकार द्वारा ओएसडी नियुक्त किया गया था। पिछले हफ्ते, चुनाव आयोग ने चार जिला कलेक्टरों, तीन पुलिस आयुक्तों, 10 जिला पुलिस अधीक्षकों और कुछ अन्य आईएएस अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश दिया था।

तेलंगाना हाईकोर्ट 1 नवंबर से पेपरलेस मोड में काम करेगा

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य न्यायाधीश के निर्देश के अनुसार, तेलंगाना उच्च न्यायालय 1 नवंबर से पेपरलेस मोड में परिचालन शुरू करेगा। इस संबंध में एक औपचारिक नोटिस जारी किया गया है।

नोटिस में कहा गया है कि इसके द्वारा सभी विद्वान अधिवक्ताओं और व्यक्तिगत रूप से पक्षकारों को सूचित किया जाता है कि तेलंगाना राज्य के लिए उच्च न्यायालय की प्रतिष्ठित पहली अदालत 1 नवंबर से प्रभावी रूप से पेपरलेस मोड में कार्य करेगी। सभी विद्वान अधिवक्ता और पक्षकार व्यक्तिगत रूप से कृपया नए फाइलिंग सेक्शन में हार्ड कॉपी जमा करने से पहले सभी मामलों या आवेदनों की एक डिजिटल कॉपी ईमेल tshc.th1@gmail.com. करने का अनुरोध करें।

वास्तव में तेलंगाना के विकास के लिए काम करने वालों को समर्थन दें : केटीआर

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामा राव ने लोगों से के. चंद्रशेखर राव को हैट्रिक मुख्यमंत्री बनने का मौका देने का आग्रह किया है। तेलंगाना कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता चेरुकु सुधाकर और अलेरु और नाकरेकल विधानसभा क्षेत्रों के कई नेता शनिवार को यहां तेलंगाना भवन में मंत्री केटी रामाराव, हरीश राव और जगदीश रेड्डी की उपस्थिति में बीआरएस पार्टी में शामिल हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए, केटी रामा राव ने लोगों से वोट डालते समय जल्दबाजी में निर्णय न लेने के लिए कहा और कहा कि मताधिकार का प्रयोग उन लोगों को करना चाहिए जो वास्तव में तेलंगाना राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

केटी रामा राव ने कहा कि अगर हम अपनी लड़की से शादी करना चाहते हैं, तो परिवार के लोग शादी की प्रक्रिया में शामिल होने से पहले दस बार सोचते हैं और बहुत अभ्यास करते हैं। उसी तरह, लोगों को राज्य को किसी के हाथ में सौंपने से पहले सोचना चाहिए और अपने वोट का प्रयोग सावधानी से करना चाहिए।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दशहरा उत्सव समारोह के दौरान हर गांव में तेलंगाना राज्य के विकास पर चर्चा होनी चाहिए और लोगों को इस तथ्य के बारे में पता होना चाहिए कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में कैसे प्रगति की है।

केटी रामा राव ने कहा कि चेरुकु सुधाकर के बीआरएस पार्टी में शामिल होने के साथ, नाकरेकल विधानसभा क्षेत्र से बीआरएस विधायक उम्मीदवार लिंगैया और अलेरू विधानसभा क्षेत्र से गोंगिडी सुनीथा की जीत की पुष्टि हो गई है और कहा कि संयुक्त नलगोंडा जिले में 12 में से 12 विधानसभा क्षेत्रों में जीत होनी चाहिए। आगामी चुनावों में बीआरएस पार्टी ने जीत हासिल की।

मंत्री हरीश राव ने टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी दोनों को तेलंगाना का गद्दार करार दिया और कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के विकास के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर दिया है।

विशेष पासपोर्ट अभियान 28 अक्टूबर को

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पासपोर्ट आवेदनों के संग्रह के लिए एक विशेष अभियान शनिवार, 28 अक्टूबर को क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ), हैदराबाद के तहत पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) और पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) में आयोजित किया जाएगा। हैदराबाद के क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी दसारी बलैया ने कहा कि पासपोर्ट सेवा पोर्टल में पूरी संख्या में नियुक्तियां जारी की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इच्छुक आवेदकों (नए आवेदन/पुनर्निर्धारण दोनों) को इस विशेष अभियान का लाभ उठाने की सलाह दी जाती है। आरपीओ, हैदराबाद में सभी पीएसके और पीओपीएसके, कैंप मोड काउंटर और पूछताछ काउंटर सोमवार, 23 अक्टूबर को हमेशा की तरह काम करेंगे और दशहरा उत्सव के कारण मंगलवार, 24 अक्टूबर, 2023 को मूल रूप से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बंद रहेंगे और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। छुट्टियाँ, उन्होंने कहा।

प्रवलिका आत्महत्या मामला : प्रेमी शिवराम राठौड़ अदालत में पेश

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिक्कड़पल्ली पुलिस ने शिवराम राठौड़ को शनिवार को अदालत में पेश किया, जिसे दस दिन पहले अशोकनगर में आत्महत्या करके मरने वाली छात्रा प्रवल्लिका को कथित रूप से परेशान करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने शिवराम को शुक्रवार को नामपल्ली कोर्ट के बाहर से गिरफ्तार किया था। उन्होंने अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का इरादा किया था, लेकिन कानूनी मुद्दों पर उनकी अपील स्वीकार नहीं की गई। महबूबनगर का मूल निवासी शिवराम वारंगल की मूल निवासी प्रवल्लिका के साथ रिश्ते में था, जो पिछले कुछ महीनों से अशोकनगर चिक्कड़पल्ली के एक छात्रावास में रह रही थी। पहले महिला माधापुर में रहकर सरकारी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। पुलिस के अनुसार, शिवराम द्वारा धोखा दिए जाने के बाद प्रवल्लिका ने अपनी जान दे दी थी और चिक्कड़पल्ली पुलिस ने उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 417, 420 और 306 के तहत मामला दर्ज किया है। साथ ही, प्रवल्लिका के परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि शिवराम नियमित रूप से लड़की को परेशान और प्रताड़ित कर रहा था, जिसके कारण वह अवसाद में आ गई और पिछले शुक्रवार को आत्महत्या कर ली। बाद में उन्हें मामले में अदालत ने जमानत दे दी थी।

IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT: HYDERABAD
S.O.P. No. 86 OF 2023
Between:
Patnam Kishore Nand & Others ...Petitioners
AND
1. Canara Bank, Rep. by its Manager,
2. All Concerend ...Respondents
To,
1.Canara Bank, Rep. by its Manager, Gandhi Nagar Branch, Hyderabad. ...Respondent No.1
2. All Concerned ...Respondent No.2
PLEASE TAKE NOTICE that the above named Petitioners have filed the above SOP for seeking Succession Certificate U/ Sec.376 of Indian Succession Act, 1925 against the Respondents and the case stands posted to 07-11-2023 at 10:30 a.m. for your appearance either in person or through your counsel, failing which the matter will be decided in your absence as per law.
//BY ORDER OF THE HON'BLE COURT//
Sd/- B.ROJA RAMANI, Advocate,
Office # 12-8-254/7/201,
Ramana Sree Enclave Methuguda,
Secunderabad, Hyderabad-500 017.
Cell No. 72074 67855

वर-वधू चाहिए

Rajput girl 30 years mbbs Hyderabad based family looking for a suitable match Please contact (080-69070643)

28 years Jain educated beautiful girl Hyderabad based family looking for a suitable match Please contact (080-69070643)

28 years , Marathi SC, graduated ,5'10, Central government employee , Hyderabad based family (caste no bar) looking for a suitable match Please contact (080-69070643)

26 वर्षीय ब्राह्मण शिक्षित सुन्दर कन्या हैदराबाद निवासी, शिक्षित परिवार हेतू वर चाहिए। संपर्क करे (जाति बंधन नहीं। (080-69072069)

28 वर्षीय मारवाड़ी, शिक्षित, कार्यरत् , सुंदर कन्या, हैदराबाद निवासी (जाति बंधन नहीं। कृपया संपर्क करें (080-69072069)

अंबरपेट में पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर, पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज (पीटीसी), अंबरपेट, लायंस क्लब ग्रीनलैंड्स और रैमकी फाउंडेशन द्वारा पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, अंबरपेट के परिसर में एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 150 से अधिक पुलिस अधिकारी, कर्मी और नागरिक जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए रक्तदान करने के लिए आगे आए। विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन मधुकर स्वामी (एसपी), प्रिंसिपल, पीटीसी, अंबरपेट, एम पिचैया (डीएसपी), जी जगन (डीएसपी), पी लक्ष्मीकांत (डीएसपी), टी लक्ष्मी (डीएसपी), केवी विजय कुमार (डीएसपी) द्वारा किया गया था। , ए श्रीधर रेड्डी (डीएसपी), जी रामा राव (एओ), रामकी फाउंडेशन, राम रेड्डी, सुमति, लायंस क्लब ग्रीनलैंड्स, जोन चेयरपर्सन, लक्ष्मी कुमारी, उपाध्यक्ष, प्रोफेसर राज कुमार, अध्यक्ष, डॉ रूपा रेड्डी अन्य पुलिस के साथ अधिकारी उपस्थित रहे।

पलोंचा नगर पालिका डंपिंग यार्ड स्वास्थ्य के लिए खतरा बना

कोत्तागुडेम, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पलोंचा शहर के बाहरी इलाके में कई कॉलोनियों के निवासियों को कथित तौर पर शहर के शिव नगर इलाके में एक डंपिंग यार्ड के कारण गंभीर स्वास्थ्य खतरों का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों के लिए परेशानी पैदा करने के अलावा, डंपिंग यार्ड पर्यावरण के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है क्योंकि कर्मचारी लगभग 10 फीट ऊंचे कचरे के ढेर में आग लगा देते हैं, जिससे आसपास के निवासियों के लिए स्थिति बेहद अस्वच्छ हो जाती है।

पलोंचा और मुलकलापल्ली मुख्य सड़क पर स्थित डंपिंग यार्ड भी सड़क से गुजरने वाले यात्रियों के लिए असुविधा का कारण बन रहा है। जलते कूड़े के ढेर से निकलने वाले धुएं से अक्सर दृश्यता कम हो रही है। कनागाला अनत रामुलु निवासी ने शिकायत की कि चौबीसों घंटे कचरा जलने के कारण धुएं का एक घना गुब्बार कॉलोनियों में फैल रहा है। उन्होंने कहा कि यह कूड़ा निस्तारण का बेहद अवैज्ञानिक तरीका है। पलोंचा नगर पालिका के अधिकारियों से कई बार अपील की गई और डंपिंग यार्ड को स्थानांतरित करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। स्थिति बुजुर्गों और बच्चों के लिए बहुत परेशानी वाली है क्योंकि कूड़े में प्लास्टिक कचरा होता है और प्लास्टिक जलाने के जहरीले धुएं से उनका दम घुट रहा है। उन्होंने अफसोस जताया कि स्थानीय लोगों में सांस संबंधी बीमारियाँ बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि धुएं के कारण वनमा नगर, इंदिरा नगर, जयम्मा कॉलोनी, विकलंगुला कॉलोनी, श्रीनिवास कॉलोनी और तेलंगाना कॉलोनी के निवासियों में सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि डंपिंग यार्ड वन कानूनों के विपरीत आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित था। जलता हुआ डंपिंग यार्ड वन क्षेत्र और आसपास की पहाड़ियों में हरियाली को नुकसान पहुंचा रहा था।

साइबराबाद सीपी ने सीएपीएफ अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 30 नवंबर को होने वाले साइबराबाद सीमा में विधानसभा के लिए स्वतंत्र, निष्पक्ष, सहभागी, सुलभ, समावेशी और सुरक्षित चुनाव कराने के मद्देनजर, साइबराबाद के पुलिस आयुक्त स्टीफन रवीन्द्र ने आज साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के साथ एक समन्वय बैठक की। उन्होंने स्वतंत्र रूप से वोट डालने के लिए लोगों के बीच विश्वास बहाली के उपाय करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयुक्त ने साइबराबाद सीमा में महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों और स्थानों के बारे में जानकारी दी और पांच क्षेत्रों के बीच सीएपी बलों को वितरित किया। इन बलों को स्थानीय पुलिस के अलावा चेक पोस्टों पर तैनात किया जाएगा। सभी क्षेत्रों में, विशेषकर महत्वपूर्ण मतदान वाले स्थानों पर फ्लैग मार्च करने के निर्देश जारी किये गये हैं। उड़न दस्ते और स्थैतिक निगरानी टीमें सीएपीएफ बलों के साथ तैनात रहेंगी और धन, शराब, ड्रग्स, मुफ्त वस्तुओं और कीमती धातुओं के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए जांच करेंगी।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

एम. मेधा
माता : एम. कीर्ति
पिता : एम. नरेन्द्र

सामाजिक सुधारों के मसीहा : राजा राममोहन राय

अतुल कुमार

सामाजिक सुधार आंदोलन के अग्रणी नेताओं में एक प्रमुख नाम राजा राममोहन राय का है ।समाज में व्याप्त कुप्रथाओ , बुराइयों और अमानवीय व्यवहारों का जम कर विरोध किया तथा उनको उखाड फेंकने के लिये जन जागृति को बढावा दिया । 19वीं सदी में भारतीय समाज अंधविश्वासों और सामाजिक रूढिवाद के दुष्चक्र में फंसा था सती प्रथा ,जन्म के समय कन्या शिशुओं की हत्या तथा बाल विवाह की प्रथा ज़ोरों पर थी जिसके विरुद्ध बिगुल फूंका छूआछूत ,नशीले पदार्थों और अंध विश्वासों के विरुद्ध अभियान चलाया इसके लिये एक बंगाली साप्ताहिक समाचार पत्र " संबद कौमुदी " प्रकाशित किया जो नियमित रूप से कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज़ उठाती ।सामाजिक , धार्मिक , आर्थिक शैक्षणिक और आर्थिक क्षेत्रों में राजा राममोहन राय के योगदान के कारण उनको " आधुनिक भारत और पुनर्जागरण के पिता " के रूप में याद किया जाता है ।

देश में यह पहला बौद्धिक सुधार आंदोलन था जहां सामाजिक बुराइयों की निंदा की गयी और उन्हें समाज से दूर करने के प्रयास किये गये इससे तर्कवाद और ज्ञानोदय का उदय हुआ जिसने राष्ट्रवाद के सिद्धांतों को स्थापित किया । यह कोई साधारण आंदोलन नहीं था इसने इतिहास में बडे बदलाव की आधार शिला रखी। राजा राममोहन राय ने आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया उनकी मान्यता थी कि रूढिवादिता aसामाजिक परिस्थितियों को सुधारने के बजाए परेशानी और बेचैनी का कारण बन गयी है कहा कि बलिदान और कर्मकांड लोगों के पापों की भरपाई नहीं कर सकते यह आत्म शुद्धि और पश्चाताप से किया जा सकता है । सामाजिक समानता मे विश्वास करते और ज़ोर दे कहते कि कोई भी समाज जब तक महिलाओं को अमानवीय उत्पीडन जैसे अशिक्षा , सती ,पर्दा , बाल विवाह आदि से मुक्त नहीं करेगा तब तक विकसित नहीं होगा ।

राजा राममोहन राय ने सामाजिक परिस्थितियों पर चेतना को जागृत किया ऐसे मसीहा बन उभरे जिन्होंने असंभव लगने वाले सामाजिक सुधारों को कडे विरोधों का सामना कर स्थापित किया नोबल पुरस्कार विजेता रविंद्र नाथ टैगोर ने उनको " भारत में आधुनिक युग के उद्घाटनकर्ता के रूप में भारतीय इतिहास का एक चमकदार सितारा कहा " बताया जाता है कि वह किसी काम से विदेश गये थे और इसी बीच उनके भाई की मृत्यु हो गयी भाई की मौत के बाद सती प्रथा के नाम पर उनकी भाभी को ज़िंदा जला दिया गया जिससे वह बहुत अंदर तक आहत हुए और इस अमानवीय प्रथा को खत्म करने का संकल्प लिया ।

जैसा उनकी भाभी के साथ हुआ ,वैसा अब किसी और महिला के साथ नहीं होने देंगे कि प्रतिज्ञा ली " घूम घूम कर लोगों को सती प्रथा के खिलाफ जागरूक किया लोगों की सोच बदलना कोई आसान काम नहीं था ! लेकिन उनके अथक प्रयासों ,संबोधनों और लेखन ने इस नामुमकिन लगने वाली प्रथा को समाज से उखाड फेंकने में सफलता पायी ।महिलाओं के फिर से शादी करने ,संपत्ति में हक समेत महिला अधिकारों के लिये अभियान चलाया । महिला शिक्षा पर बल देते हुए उन्हें शिक्षित होने के लिये उस समय प्रेरित किया जब कन्या शिक्षा को कोई मानता नहीं था ।

सोचिये ! कैसा अंधेरा समाज में पसरा पडा था तब इस तमस को हटाने के लिये राजा राम मोहन राय ने स्कूल स्थापित कर कन्याओं को शिक्षित करने का बीडा उठाया इसके लिये अपनी पैतृक संपत्ती के भाग़ को बेचा और कहा कि कन्या पढेगी तभी सामाजिक बदलाव और कल्याण संभव होगा ।वही हुआ और हो रहा है । आज ऐसे कितने लोग हैं जो ऐसा सोचते या करते भी हैं ।सोचिये !

वह अंग्रेज़ी शासन का दौर था तब अंग्रेज़ों को उन्हीं की भाषा में पस्त करने के लिये लोगों को अंग्रेज़ी सिखायी जिससे अंग्रेज़ों के हौसले टूट गये लोग अंग्रेज़ों को उन्हीं की भाषा में मुंह तोड जवाब दे उनको मात देने लगे जिससे अंग्रेज़ी शासकों में घबराहट फैल गयी ।

राम मोहन राय ने अंग्रेज़ी ,विज्ञान , पश्चिमी चिकित्सा , और प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर बल दिया शत्रु को उसी की शक्ति से परास्त कर उसे हतोत्साहित किया जिससे इन विषयों में इतने एक्स्पर्ट्स पैदा हो गये कि वह उनको शिक्षा दे घुटने टेकने पर मजबूर हो गये । मेडिकल फील्ड में ऐसे विशेषज्ञ डाक्टर खडे हो गये जिनसे इलाज करवाने स्वयं अंग्रेज़ उनकी शरण में आते । जो उनकी बौद्धिक और मानसिक पराजय का प्रतीक बना ।राजा राममोहन राय ने लोगों के सोचने समझने के ढंग को बदल दिया देश में आधुनिक युग का सूत्र पात किया सामाजिक समरसता को बढावा दिया और इसी में उन्नति करने की भावना को मज़बूत किया। अशिक्षा के विरुद्ध जनमानस में रुचि जगायी तथा उनसे शिक्षित होने का आव्हान किया आज शिक्षा पाने के प्रति जो बडी जागरूकता सोसायटी में है उसके मूल प्रणेता राम मोहन राय थे ।

ब्रह्म समाज की स्थापना की जिसका उद्देश्य समाज में फैली हुईं कुरीतियों को दूर करना था अंग्रेज़ों के शासन में सती प्रथा पर रोक लगाने के लिये कानून बनवाया जिसका श्रेय उन्हीं को है वेदों और उपनिषदों का बांग्ला ,हिंदी और अंग्रेज़ी में अनुवाद किया ।और उनका सारांश तथा ग्रंथ लिखे ।पत्रकारिता के क्षेत्र में सकृय योगदान दिया ।

इसलिये उन्हें भारतीय भाषायी प्रेस प्रवर्तक कहा गया इससे स्वतंत्रता आंदोलन को नयी दिशा और तेवर मिले । 22 मई 1772 में जन्मे इस महान समाज सुधारक ने पहली बार स्त्री पुरुष के समान अधिकारों की वकालत की ।

बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे अपनी उम्र से कहीं आगे तक उनकी सोच थी जिसमें समाज की बेहतरी के लिये बदलने की तडप थी । उनके नाम के आगे लगे शीर्षक से कुछ लोग उन्हें राजघराने का समझते लेकिन ऐसा नहीं है उनसे प्रभावित हो मुगल शासकों ने उन्हें " राजा " की उपाधि दी । वास्तव में वह विद्वान व्यक्ति थे और सभी धर्मों के शास्त्रों का गहन अध्ययन किया था ।

वह कितने महान थे इसे उनके जीवन से जुडी इस प्रेरक घटना से समझा जा सकता है बंगाल में अकाल पडा था उसी समय उनका विवाह भी था परिजनों ने विवाह संस्कार के भव्य आयोजन की योजना बनायी लेकिन राम मोहन राय को यह बात पसंद नहीं थी एक तरफ लाखों लोग भूख से मर रहे हैं और दूसरी तरफ हम अपने धन की शान दिखायें उन्होंने विवाह करने से ही इंकार कर दिया जिससे परिजन दुखी हुए बहुत मनाया लेकिन नहीं माने ।

अंत में इस शर्त पर विवाह करने को तैयार हुए कि विवाह पर खर्च होने वाला सारा धन अकाल पीडितों को दिया जाएगा अंत में दोनों पक्षों को इसे मानना पडा ।यही गुण उनको विशिष्ट और आदरणीय बनाते हैं ।

राजा राममोहन राय ने 27 सितंबर 1833 को संसार त्यागा लेकिन अपनी विरासत के रूप में जिन अद्भुत सामाजिक योगदानों को छोडा वह उन्हें सामाजिक सुधारों का मसीहा बनाती हैं ।

काव्य कुंज

दशहरा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

बुराई पर अच्छाई की जीत
का त्यौहार दशहरा।
आदर्श,शक्ति,
संपन्नता से समृद्ध त्यौहार दशहरा।।
राम ने वानर सेना लक्ष्मण संग, हराई लंका,
मानव जीवन नहीं सरल, सबकी मिटाई शंका,
ऋषियों को सम्मान दिला, बजा सच्चाई डंका
श्रीराम चरण पूजन को आ गया त्यौहार दशहरा।
बुराई पर अच्छाई की जीत का त्यौहार दशहरा।।
अनेक कष्ट से सहकर , मानव को जीना सिखाया ,
राम समाजवाद अद्भुत मिसाल,सीते त्याग समझाया,
पिता वचन निभाने को 14 वर्ष वनवास बिताया
स्वयं अंदर के रावण को मारें,आ गया त्यौहार दशहरा।
बुराई पर अच्छाई की जीत का त्यौहार दशहरा।।
इंसान बुराई का कुनबा, बुराई को छोड़ो अब तो,
नशीले पदार्थों से बिगड़े स्वास्थ्य,कुछ समझो अब तो,
क्रोध खुद का घातक दुश्मन, क्रोध छोड़ो अब तो
आज रावण ये ही हैं सब,राम बनो आ गया दशहरा।
बुराई पर अच्छाई की जीत का त्यौहार दशहरा।।

आई है मां भक्तों के द्वारे

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

पावन महोत्सव है नवरात्रि का,
आई माता भक्तों के द्वारे।
नवदुर्गा भांति भांति के
स्वरूप ले कर आई।
भक्तों के कष्ट दूर करने,
मां लाल चुनरिया ओढ़ कर आई।
प्रथम दिवस माता शैल पुत्री का
स्वरूप ले कर आई।
द्वितीय दिवस माता ब्रह्मचारिणी का
स्वरूप ले कर आई।
तृतीय दिवस माता चंद्रघंटा का स्वरूप ले कर आई।
चतुर्थ दिवस माता कूष्मांडा का स्वरूप ले कर आई।
पांचवे दिवस माता स्कंदमाता का स्वरूप ले कर आई।
षष्ठी दिवस माता कात्यायनी का स्वरूप ले कर आई।
सप्तमी दिवस कालरात्रि का स्वरूप ले कर आई।
अष्टमी दिवस माता महागौरी का स्वरूप ले कर आई।
नवमी दिवस माता सिद्धिदात्री कास्वरूप ले कर आई।
घर ,मंदिर में गूंजे जयकारे,
मां खुशियों के पैगाम ले कर आई।

अंतस का रावण

मुनीश भाटिया
कुरुक्षेत्र

रावण अंदर सभी के इक रहता है,
प्रेम जिस से करता हर कोई शख्स है,
ना मार पाता है कभी अपने जीवन की
अंतहीन चाहतों की खातिर कभी उसे,
तभी तो पुतला जलाकर किसी का,
वो ताली खूब बजाता है...।
राह उनकी थी अधर्मी जो परस्त्री को
हर लाया था धोखा नजरों का देकर,
किन्तु इंसान धोखा देता है हरपल,
अपने परायों को ही हर कदम पर,
और पुतला किसी का जलाकर हर वर्ष
वो ताली खूब बजाता है...।
मानव है बनाता रिश्ते सोच कर यही कि
कब किस से क्या काम पड़ जाए कभी,
वफ़ादारी की खाकर झूठी कसमें,
दग़ा अपनों को ही देता है और
पुतला जलाकर रावण का हर साल,
वो ताली खूब बजाता है...।

रावण

डॉ डी डी देसाई

विशालकाय रावण की प्रतिमा बनाते
कई दिनों से देख रहा हूँ।
रंगबिरंगी कपड़ों से सजा,
धार-धार हथियार हाथ में लिए,
दस मुखौटों के साथ खडा,
विशालकाय रावण,
दहन होने के लिए तैयार है।
बुराई पर अच्छाई की जीत
क्या सच में हो रही है ?
अग्निबाण छोड़ने वाले सारे
हाथ क्या राम के है ?
महाज्ञानी, महापराक्रमी रावण
किसके हाथों से दहन हो रहा है ?
प्रतिमा दहन से क्या रावण मिटेगा ?
न जाने कितने रावण
बेखौफ घूम रहे होंगे
यदि दहन करना ही है तो –
अपनी अंदर के अवगुणों का दहन करो,
बुरी सोच का दहन करों।
रावण के कैद में होते हुए भी
सीता पवित्र लौटी थी
आज हर सड़क पर एक सीता
प्रताड़ित हो रही है ।
कभी चलते फिरते उठाई जाती है
तो कहीं लहुलुहान पाइ जाती है।
इतने रावण आए कहाँ से ?
पहले इनका दहन होना जरूरी है
रावण दहन की प्रतिमा का निर्माण
न जाने कितने रावण कर रहे हैं
और हम हसी खुशी
ऐसे रावणों का साथ दे रहे हैं ।

मुद्दत

हेमंत सुराना

मुद्दत हो गई,
मुस्कान देखे हुए,
पैगाम दिये हुए,
महफिल में दीदार हुए,
हमसे बिछड़े हुए
फुर्सत के दो पल,
साथ निभाए हुए
मुद्दत से आरजू थी
साँसे ठहर सी गई थी
महल सजाए ये सपनों के
अरसे से वही वहम था,
वो हम याद करते होंगे,
मनाने एक दिन आएंगे,
लेकिन कोई आया नहीं
सुनसान पड़ी है घर की फ़िज़ा,
क्षमा जलाऊ किसके लिए
आज वह घड़ी आ ही गई
बड़ी मुद्दत से पाया है,
बड़ी दुआओं से पाया है
दिल आज फिर धड़का है,
दिल आज फिर धड़का है।।

सुनहरी विहान

दर्शन सिंह
हैदराबाद

पता नहीं, जाने क्यूँ
कानून को अपने हाथ में लेते हैं
हर समस्या का समाधान
शमशीर से चाहते हैं
चंगेजखां,हिटलर..ने यही रणनीति बनायी
ताउम्र दिन ए इलाही बनना चाहते..
अनगिनत जीवित दबाए गए
बेहिसाब विस्थापित बनाए गए
मान्यवर गर्त उठाकर देख लें कराहते मिलेंगे
माफ़ी के लिए तरसते मिलेंगे
थे गांधी जी,मंडेला जी,मार्टिन.. अति सम्मानीय
वर्षों सलाखों के पीछे रहे,फिर भी आदरणीय
सत्य अहिंसा थे इनके अनमोल अस्त्र शस्त्र
सदियां बीती,जय जयकार
फूल मालाओं से लदे वंदनीय
ठीक है गलतियां किसी पक्ष से हुई होंगी
क्या रेत निचोड़ने से समाधान होंगी
आयुष्मान, बीती ताहि बिसार दे आगे की ..
दर्शन हसे हसायें, सुनहरी विहान होगी।।

अभिनंदनम

त्रिनेत्र सुभाल शोभिता, रक्त मुंड भयंकरी
गलेर मुंड भूषिता , सुशोभिता चरा चरी
निशा समूल नाशिनी , त्रिशूल हस्ते धारिणी
मुंडमाल भस्म भूषणा , जिहवा रक्त चंडिनी
मम हृदय निवास कुरु , माँ जगतनन्दिनी
श्यामिता-शोभना-श्यामला माँ
वैजयंती अंग भूषिता, त्रिलोक मातृका

कुमुद बाला,
हैदराबाद

व्याघ्र वाहन रंजीता, विकराल देविका
आकुल-व्याकुल-यांत्रिका-तरंगिता-तांत्रिका
शास्त्रा-सुगंधा-शास्त्रिका-वेदिका-वंशिका
मम हृदय निवास कुरु माँ अनुरंजिनी
आयुषी-आनंदी-वत्सला माँ
त्रिमूर्ति-त्रिमुखी-तृषा-त्रिनेत्रा त्रिशूलवंदिनी
मनवासिनी-भुजपाशिनी-मृगया- मृदुभाषिणी
कामिनी- मनभाविनी- हर्षवन्दिनी-मृदुहासिनी
सहगामिनी-मनमोहिनी-मधुरा-हर्षनन्दिनी
मम हृदय निवास कुरु माँ मधुनंदिनी
बहुला-स्वरूपा-महामाया माँ।।

बगल में छुरी,मुंह में राम

संजीव ठाकुर,
रायपुर

बगल में छुरी,मुंह में राम,
कितनी हुई, बात ये आम।
रात में जाम,फिर काम तमाम,
अल्प वस्त्र नारी,बेशर्मी आम।
निक्कमे लाडले,नशे का आलम,
कमाऊ पिता मात्र,मचा संग्राम।
स्खलित संवेदनाएं,मृत समाज,
मर्यादाये कुंठित,सब सरे आम।
कलयुगी परिदृश्य,भ्राता विद्वेषी,
भाइयों में द्वन्द,घर में कोहराम।
पाश्चात्य से प्रभावित हालात,
क्या होगा जग का अंजाम।
युवा घूमते सड़कों पर बिना काम,
अबला की लुटती इज्जत सरेआम।

विजय पर्व में आओ मां!!

पद्मा मिश्रा

मन के आंगन सजा रंगोली
भाव पुष्प, ले करु अर्चना
मां ममता का आंचल दे दो,
नेह- स्वरो में करूं वंदना,,
अपनी पावन करुणा, लेकर
विजय पर्व में आओ मां !
घोर तिमिर छाया है जग में,
मन प्राणों में घिरा अंधेरा,,
सुख का सूरज कहीं खो गया,
आज प्रतीक्षित सहज सबेरा,,
बुद्धिरुपिणी,विमल शारदे!!
ज्ञान ज्योति ले आओ मां,
विजय पर्व में आओ मां!!
अब सपनों के मुक्त गगन में,
रंगों का वैभव बिखरा दो,
आलोकित हो जीवन का पथ,,
संकल्पों के दीप जला दो,,
आशीषो के हों गान- गुंजरित,
मातृमूर्ति ,बन आओ मां!!
विजय पर्व में आओ मां!!

दशहरा

एक बच्चे ने अध्यापक से पूछा
सर हम दशहरा क्यूं मानते हैं?
हर साल रावण को क्यूं जलाते हैं,?
अध्यापक ने बच्चों को समझाया
रावण जलाने का कारण बताया
क्योंकि रावण ने
सीता का हरण किया था
इसीलिए राम ने
रावण का वध किया था
इस परम्परा को हम
हर साल निभाते हैं
इसीलिए हम दशहरा मनाते हैं
लेकिन अब तो एक नहीं
अनेकों रावण घूमते हैं
दिन दहाड़े सीताओं की
इज्जत लुटते है
बच्चों!मेरे सामने आज कसम खाओ
इस बात का आज बीड़ा उठायो
तुम कभी रावण नहीं राम बनोगे
बलात्कारी रावण का संहार करोगे

पूजा महेश
हैदराबाद

पाप और भ्रष्टाचार की
लंका को जलाओगे
इस देश को अयोध्या बनाकर
राम राज्य लाओगे
असली दशहरा हम सब
उसी दिन मनायेंगे।

जय माता की

रेणुका अग्रवाल

रात नींद में गुजर गई।
सुबह पूजा करने लगी।
दिन भर काम करके भी
आरती का दीपजलाने लगी।
घर में भी काम किया।
बाहर भी काम किया।
शाम बच्चों को पढ़ा कर।
आरती का दीपजलाने लगी।
मां घर की लक्ष्मी।
मां में ब्रमाण्ड समाया,
नवरात्र आई है,
करो दूर कष्ट काया।
दिया सुबह का जलाया,
माता के नवरुपों पर,
जग न्योछावर पाया।
आरती बिन, पूजा सम्पन्न नहीं होती।
कितने भी भजन करो,
आरती से माता प्रसन्न होती।
आरती ज़रूरी है ,आरती से पूजा पूरी है।
माता बिन जिंदगी अधूरी है।
मां बिन कोई जिया,ये उसकी मजबूरी है।
मां की माया से ही,संसार पूरा चलता है,
फूल पत्ते वनस्पतियों से,जग पूरा निखरता है।
माया से ममता उपजी है। तो माता कहलाई।
माता के नौ रूपों में,मैने जिंदगी है पाई।

माता रानी

टी तारासिंह
हैदराबाद

तेरे घर आये है तेरे द्वार आये है
हमरी छोटी अरज सून लेना
अंबे मां तेरे दरबार आये है
तेरा आशिर्वाद लेने आये है
हाथ जोडे खड़े है
आंख बंद कर नमन कर रहे है
तेरा नाम ही न्यारा तेरा दर्शन ही प्यारा
तेरी उपासना करेंगे 9 दिन नवरात्रि मे
हरी चुड़ियाँ, सिंदूर, काजल, बिछुवा ओर आईना
कुमकुम, मंगलसूत्र, लालचुनरी से तेरा श्रृंगार करेगे
फल, फूल ओर मेवों से पुजा अर्चना करेंगे
हलवा पुरी ओर चने तेरे भोग मे लगायेंगे
झोली भर देना मुरादें पूरी कर देना
भक्तों के दु:ख दर्द सब मिटा देना
घर हमारा धन धान्य से सदा भरा रखना
माता रानी की कृपा प्यार हमारे घर हमेशा रखना ।।

बंटी की जिद

एक सड़क पर रम्मन काका बेच रहे गुब्बारे।
दो रुपये में एक मिलेगा , लेलो बंटी प्यारे।
काले ,पीले, हरे ,गुलाबी,और नारंगी लाल।
भिन्न रंग के हैं गुब्बारे, ये हैं खूब कमाल।
जिद पकड़ कर बैठ गया नन्हा अपना बंटी प्यारा।
मुझे चाहिए सब गुब्बारे,रंग बहुत है न्यारा।
पापा ने समझाया उसको, बहुत नहीं हैं पैसे।
बाँह डाल मम्मी के बोला, खेलूँगा मैं कैसे?
मम्मी ने अपने पल्लू सेएक गांठ है खोली।
चार लिये गुब्बारे सुन्दर,हँस करके रह बोली।
होम वर्क भी नहीं हुआ है,उसको करके जाना।
खेलो कूंदो मौज मनाओ,गाना खूब तराना।
डॉ कमलेंद्र कुमार, जालौन

विश्वास

भूखे प्यासे ही क्यों नहीं
प्यार के योगी बनेंगे
आंधी तूफान ही क्यों नहीं
विश्वास के चट्टान बनेंगे
विरह वेदना ही क्यों नहीं
नवहर्ष के अस्तित्व बनेंगे
शिथिल खंडर ही क्यों नहीं
फिर फिर नीड का निर्माण बनेंगे
पतझड़ सावन ही क्यों नहीं
बसंत बहारों का नूर बनेंगे।।

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

अभयदान

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

हसरतों के घेरों में,
चाहतों के फेरों में,
कब तक ये मन भटकेगा,
अनजान रास्तों- डेरों में !
अपने लिए तो सभी माँगते हैं
माँग के देख दूसरों के हिस्से में,
अपने लिए ख़्वाब खूब बुने,
अब सपने गुन दूसरों की अंखियों में !!
दु:खते दिल पर मरहम बन,
दर्द के काले बादल हटाके,
इंसानियत की दरकार बन,
राह का दीपक बन ।
जश्ने तरन्नुम का तार बन,
वीणा के गीतों का राग बन,
हमदर्दी की तारिफ़-ए-मिसाल बन !!!
ज़िंदगी से कुछ लम्हे चुराकर,
बेबसों की झोली भर,
ज़िंदगी भर माँगा ही माँगा,
अब एक नया 'अभयदान ' कर !!!!

हमसे अच्छे होंगे हमारे बच्चे

डॉ. चक्रपाल सिंह

मेरे बच्चे, तेरे बच्चे, उसके बच्चे
क्यों नहीं ये सब हमारे बच्चे
कहीं लिबास,कहीं रंग से
पसंद ना पसंद किए जाते बच्चे
छुआछूत और भेदभाव का
आज भी क्यों हैं शिकार बच्चे
अपनी मासूम दुनियाँ में
कहीं फूल तो कहीं गुलाब बच्चे
दीन, हीन और कौन है श्रेष्ठ
ये नहीं जानते नाज़ुक बच्चे
कौन लिखता है भेदभाव की इबारत
अपने आप में कोरा काग़ज़ बच्चे
रूढ़ियों और परंपराओं की बलिवेदी पर
आज भी क्यों हो रहे कुर्बान बच्चे
ये मेरा, ये तेरा,ये उसका, के-
जाल में उलझा दिए बच्चे
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई में
बाँट दिए गए मासूम बच्चे
धर्म-जाति और नफ़रत की
जंजीरों में क्यों जकड़े जा रहे बच्चे
इन्हे बचाओ कथित रहनुमाओं से
जिनके उपदेशों से बेज़ार हैं बच्चे
भेदभाव के लिए नहीं जमीं पर
ईश्वर और ख़ुदा ने भेजे बच्चे
ख़ुदा की रहमत, ईश्वर का वरदान
अपनी दुनियाँ में बहुत पाक बच्चे
कहीं आफ़ताब, कहीं सूरज
कहीं चाँद और चाँदनी बच्चे
कितनी ख़ूबसूरत वो दुनियाँ होगी
अपनी मौलिकता में बड़े होंगे जब बच्चे
काश ! इन्हे हम बढ़ने दें
मानवता का अंकुर हमारे बच्चे
ख़ुदा महफ़ूज़ रखे हैवानी नज़र से
पाकीज़गी की मिसाल हमारे बच्चे
पल भर में बदल देते गमों की दुनियाँ
अपने आप में हसीं इंकलाब बच्चे
इंसान की औलाद , इंसान हैं इंसानियत का हैं
पैगाम बच्चेखूबसूरत मुस्कराती दुनिया होगी
हमसे अच्छे होंगे हमारे बच्चे ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

चौतरफा घिर गई महुआ मोइत्रा

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार (20 अक्टूबर) को कहा कि वह अपने खिलाफ 'कैश फॉर क्वेरी' आरोपों से संबंधित सीबीआई और लोकसभा आचार समिति के सवालों के जवाब देने का स्वागत करती हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, मोइत्रा ने कहाः "अगर वे मुझे बुलाते हैं, तो मैं सीबीआई और एथिक्स कमेटी (जिसमें अधिकतर बीजेपी सदस्य हैं) के सवालों का जवाब देने का स्वागत करूंगी।" उनकी टिप्पणी हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी द्वारा एथिक्स कमेटी को दिए एक हलफनामे में यह दावा किए जाने के एक दिन बाद आई है कि सांसद महुआ ने उन्हें अपना संसद लॉगिन और पासवर्ड दिया था ताकि वह आवश्यकता पड़ने पर उनकी ओर से सीधे "प्रश्न पोस्ट" कर सकें।

पश्चिम बंगाल में कृष्णानगर का प्रतिनिधित्व करने वाली लोकसभा सांसद मोइत्रा ने लोकसभा सत्र के दौरान एक सवाल उठाया था। इसको लेकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मोइत्रा पर संसद में सवाल पूछने के लिए एक व्यवसायी से रिश्वत लेने का आरोप लगाया था और स्पीकर ओम बिरला से उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने का आग्रह किया था। सांसद मोइत्रा ने इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गईं। इसमें उन्होंने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे, वकील जय अनंत देहाद्राई, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, सर्च इंजन गूगल, यूट्यूब और 15 मीडिया हाउसों के खिलाफ उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया झूठे, दुर्भावनापूर्ण, मानहानिकारक बयान देने, प्रकाशित करने, प्रसारित करने से रोक लगाने की मांग की हैं। उन्होंने हर्जाना भी मांगा है। सत्र के दौरान, लोकसभा आम तौर पर प्रश्नकाल से शुरू होती है – सांसदों को मंत्रियों से प्रश्न पूछने और उन्हें अपने मंत्रालयों के कामकाज के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए एक घंटे की समयावधि प्रदान की जाती है। सांसद किस तरह के सवाल उठा सकते हैं, सवाल पूछने की प्रक्रिया क्या है और इस प्रक्रिया का महत्व क्या है, इसको इस तरह समझें।

प्रश्न उठाने की प्रक्रिया क्या है?

प्रश्न उठाने की प्रक्रिया "लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियम" संख्या 32 से 54 और "अध्यक्ष, लोकसभा द्वारा निर्देश" की संख्या 10 से 18 से संचालित होती है। प्रश्न पूछने के लिए एक सांसद को पहले निचले सदन के महासचिव को संबोधित एक नोटिस देना होता है, जिसमें प्रश्न पूछने के अपने इरादे की जानकारी देनी होती है। नोटिस में आमतौर पर प्रश्न का पाठ, जिस मंत्री को प्रश्न संबोधित किया गया है, उसका आधिकारिक पदनाम वह तारीख जिस पर उत्तर वांछित है, और यदि सांसद एक से अधिक प्रश्नों के नोटिस देता है तो उसी दिन वरीयता क्रम आदि शामिल होता है।

एक दिन में पांच से अधिक सवाल पूछने की अनुमति नहीं

सरकारी दस्तावेज़ के मुताबिक लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान "एक सदस्य को किसी भी दिन मौखिक और लिखित उत्तरों के लिए कुल मिलाकर प्रश्नों की पांच से अधिक सूचनाएं देने की अनुमति नहीं है। किसी सदस्य से एक दिन में पांच से अधिक सवालों के मिलने पर केवल उस सत्र की अवधि के दौरान उस मंत्री से संबंधित अगले दिन(दिनों) के लिए विचार किया जाता है।" आमतौर पर, किसी प्रश्न की सूचना की अवधि 15 दिन से कम नहीं होती है। सांसद दो तरीकों

से अपने सवालों के लिए नोटिस दे सकते हैं। पहला एक ऑनलाइन 'मेंबर पोर्टल' के माध्यम से और दूसरा संसदीय सूचना कार्यालय में उपलब्ध प्रिंटेड पेपर के माध्यम से सवाल पूछा जा सकता है। ऑनलाइन माध्यम से सवाल पूछने के लिए अपनी आईडी और पासवर्ड दर्ज कर एक्सेस करना होगा। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष निर्धारित नियमों के तहत सवालों के नोटिस की जांच करते हैं। अध्यक्ष ही निर्णय लेते हैं कि कोई सवाल या उसका कोई भाग स्वीकार्य है या नहीं।

प्रश्नों की स्वीकार्यता की शर्तें क्या हैं?

ऐसे कई नियम हैं जो एक सांसद द्वारा उठाए गए प्रश्न की स्वीकार्यता को नियंत्रित करते हैं। उदाहरण के लिए प्रश्नों में सामान्यतः 150 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए। उनमें तर्क-वितर्क, मानहानिकारक बयान नहीं होने चाहिए, उनकी आधिकारिक या सार्वजनिक क्षमता को छोड़कर किसी भी व्यक्ति के चरित्र या आचरण का उल्लेख नहीं होना चाहिए। नीति के बड़े मुद्दों को उठाने वाले प्रश्नों की अनुमति नहीं है, क्योंकि किसी प्रश्न के उत्तर के सीमित दायरे में नीतियों का वर्णन करना संभव नहीं है। इनके अलावा कोई प्रश्न स्वीकार्य नहीं है यदि उसका विषय किसी अदालत या किसी अन्य ट्रिब्यूनल या कानून के तहत गठित निकाय के समक्ष लंबित है या संसदीय समिति के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी सदस्य उन मामलों पर जानकारी नहीं मांग सकता जो देश की एकता और अखंडता को कमजोर कर सकते हैं।

प्रश्न कितने प्रकार के होते हैं?

प्रश्न चार अलग-अलग प्रकार के होते हैंः तारांकित, अतारांकित, अल्प-सूचना प्रश्न और निजी सदस्यों को संबोधित प्रश्न।

तारांकित प्रश्न एक सांसद द्वारा पूछा जाता है और प्रभारी मंत्री द्वारा मौखिक रूप से उत्तर दिया जाता है। प्रत्येक सांसद को प्रतिदिन एक तारांकित प्रश्न पूछने की अनुमति है। तारांकित प्रश्नों को कम से कम 15 दिन पहले जमा करना होगा (ताकि प्रभारी मंत्री को उत्तर तैयार करने के लिए समय मिल सके) और एक दिन में केवल 20 प्रश्न मौखिक उत्तर के लिए सूचीबद्ध किए जा सकते हैं। जब किसी प्रश्न का उत्तर मौखिक रूप से दिया जाता है, तो उस पर पूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

अतारांकित प्रश्न का मंत्रालय से लिखित उत्तर प्राप्त होता है। इन्हें भी कम से कम 15 दिन पहले जमा करना होगा। एक दिन में केवल 230 प्रश्न ही लिखित उत्तर के लिए सूचीबद्ध किये जा सकते हैं। तारांकित प्रश्नों के विपरीत, अतारांकित प्रश्न से जुड़े दूसरे सवाल पूछने की अनुमति नहीं होती है।

पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, तारांकित प्रश्न मुद्दों पर सरकार के विचारों और उसकी नीतिगत झुकाव के बारे में जानने के लिए बेहतर अनुकूल हैं, वहीं अतारांकित प्रश्न डेटा या सूचना से संबंधित प्रश्नों के उत्तर पाने के लिए अधिक अनुकूल हैं। अल्प सूचना प्रश्न वे होते हैं जो अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के मामले से संबंधित होते हैं। उनसे 10 दिन से कम समय के नोटिस पर, अल्प सूचना की वजह सहित पूछा जा सकता है। तारांकित प्रश्न की तरह उनका उत्तर मौखिक रूप से दिया जाता है, उसके बाद पूरक प्रश्न पूछे जाते हैं।

किसी निजी सदस्य से प्रश्न स्वयं सांसद को संबोधित किया जाता है। यह तब पूछा जाता है जब विषय किसी विधेयक, संकल्प या सदन के व्यवसाय से संबंधित किसी मामले से संबंधित होता है जिसके लिए वह सांसद जिम्मेदार होता है। सरकारी दस्तावेज़ में कहा गया है, "ऐसे प्रश्नों के लिए, उसी प्रक्रिया का पालन किया जाता है जैसे किसी मंत्री को संबोधित प्रश्नों के मामले में होती है। या फिर ऐसे बदलावों के साथ जिन्हें अध्यक्ष आवश्यक या सुविधाजनक समझें।"

प्रश्न उठाने का महत्व क्या है?

'लोकसभा में प्रश्नकाल' दस्तावेज़ के अनुसार, प्रश्न पूछना एक सांसद का "निहित और बेरोकटोक" संसदीय अधिकार है। इसका उद्देश्य कार्यकारी कार्यों पर विधायी नियंत्रण का अभ्यास करने के लिए एक संसदीय उपकरण के रूप में कार्य करना है। इसका उपयोग प्रशासन और सरकारी गतिविधि के पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने, सरकारी नीतियों और योजनाओं की आलोचना करने, सरकारी खामियों पर प्रकाश डालने और मंत्रियों को जनहित के लिए ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है।

वसुंधरा युग से आगे बढ़ी भाजपा

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की पहली लिस्ट आ चुकी है। 41 उम्मीदवारों की घोषणा भी हो चुकी है, जिनमें लोकसभा के 6 सांसदों को टिकट दिया गया है और राज्यसभा से एक सांसद को मैदान में उतारा गया है। इन 41 सीटों में से केवल एक सीट विद्याधर नगर पर वर्ष 2018 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीती थी। विद्याधर नगर सीट पर भी पार्टी ने मौजूदा विधायक का टिकट काट राजसमंद से सांसद दीया कुमारी को मैदान में उतार दिया है। पिछले कुछ महीनो से पार्टी इसी कवायद में लगी है कि किस तरह नए चेहरों को मौका मिले और पार्टी संदेश दे कि वो सत्ता में वापसी के लिए गंभीर है।

वर्ष 2018 में राजस्थान में एक नारा जोर-शोर से चला था कि मोदी तुझसे बैर नहीं, वसुंधरा तेरी खैर नहीं... तो पार्टी की यही कोशिश है कि किसी भी तरह वो यह संदेश भी दे कि वसुंधरा राजे को इस बार पार्टी नेतृत्व नहीं देने जा रही है। शायद यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार राजस्थान आ रहे हैं व खुद की गारंटी दे रहे हैं और उन्हीं के चेहरे पर राजस्थान में चुनाव भी लड़ा जा रहा है। फिर भी कई ऐसे दिग्गज नेता हैं, जिनको भावी मुख्यमंत्री की दौड़ में माना जा रहा है, यानी साफ है कि राजस्थान में इस बार यदि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आती है तो एक नए चेहरे को नेतृत्व दिया जाएगा।वसुंधरा राजे वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। प्रदेश की दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। उनकी फैन फॉलोइंग राजस्थान में जबरदस्त है। पूर्व राजघराने से आने वाली वसुंधरा के नेतृत्व में दो बार भारतीय जनता पार्टी सत्ता से कुछ दूर रह चुकी है। वर्ष 2008 और 2018, दोनों बार पार्टी वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री रहते हुए चुनाव हारी थी।

इस बार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पार्टी वसुंधरा की छाया से दूर जा चुकी है। जो 41 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट आई है, उसमें वसुंधरा राजे के खास लोगों का भी टिकट काट दिया गया है। पहली लिस्ट के बाद कुछ जगहों पर विरोध-प्रदर्शन हो रहा है, लेकिन पार्टी इसे भी एक सुखद संदेश के रूप में ले रही है, क्योंकि जितना विरोध होगा, उतना

पार्टी के प्रति जनता का आकर्षण बढ़ेगा। यह संदेश जाएगा कि पार्टी के प्रति रुझान बढ़ रहा है, इसलिए टिकटों के लिए मारामारी है।

क्या ये हो सकते हैं मुख्यमंत्री के चेहरे?

जहां तक मुख्यमंत्री के चेहरे की बात है तो दौड़ में जोधपुर सांसद व केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय रेल मंत्री व जोधपुर से ही आने वाले अश्विनी वैष्णव का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। विद्याधर नगर से जब दीया कुमारी को टिकट दिया गया तो समर्थक उनका नाम भी मुख्यमंत्री की रेस में चलाने लगे हैं।

अलवर सांसद बाबा बालकनाथ को तिजारा से टिकट दिया गया है और मुख्यमंत्री की रेस में उनका नाम भी चल रहा है। बाबा बालकनाथ उसी नाथ संप्रदाय से आते हैं, जिससे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आते हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया के नाम भी मुख्यमंत्री की रेस में चर्चाओं में हैं।

वहीं, जैसा भारतीय जनता पार्टी में एक सरप्राइज देने का फैक्टर है तो अभी कोई भी इस बात को लेकर 100 प्रतिशत आश्वस्त नहीं है कि पार्टी सत्ता में लौटी तो सेहरा किसके सिर बंधेगा? अधिकांश जानकारी यही मान रहे हैं कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौंकाने वाले निर्णय लेते हैं तो यह भी संभव है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बैकग्राउंड से आने वाले किसी अनजान चेहरे को सत्ता की चाबी सौंप दी जाए, जैसे गुजरात में नरेंद्र मोदी को सत्ता दी गई थी।

मछुआरे का बेटा कैसे बना हमास चीफ

33 हजार करोड़ का मालिक है इस्माइल हानिया कतर में बैठकर चलाता है गाजा

7 अक्टूबर 2023 की सुबह। हमास के लड़ाकों ने इजराइल में कत्लेआम मचा रखा था। उसी वक्त कतर की राजधानी दोहा के एक आलीशान ऑफिस में हमास चीफ इस्माइल हानिया और उनके साथी टीवी चैनल पर सब कुछ देख रहे थे। इस्माइल के चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान थी। उस खूनी मंजर को देखकर उसने अपने साथियों के साथ सजदा करके अल्लाह का शुक्रिया अदा किया। इजराइल-हमास जंग को आज 15 दिन पूरे हो चुके हैं। गाजा पट्टी के लोग बिजली, पानी, राशन और दवाओं को तरस रहे हैं। महज 2 हफ्ते में 4 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है, लेकिन मौजूदा एस्केलेशन की शुरुआत करने वाले हमास चीफ इस्माइल हानिया कतर में सुरक्षित बैठा है।

एक मछुआरे का बेटा इस्माइल हानिया कैसे बना हमास चीफ; उसके पास 33 हजार करोड़ की संपत्ति कहां से आई और कतर में बैठकर गाजा को वो कैसे ऑपरेट कर रहा है? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

29 जनवरी 1962 को गाजा के अल-शती रिफ्यूजी कैंप में एक मछुआरे के घर एक बच्चे का जन्म हुआ। नाम इस्माइल हानिया रखा गया। उसका परिवार 1948 में अरब-इजराइल युद्ध में बेघर हो गया था। हानिया बड़ा हुआ और उसने रिफ्यूजी कैंप में खोले गए संयुक्त राष्ट्र के स्कूल में अपनी बेसिक स्कूलिंग की। हानिया ने बचपन से इजराइल और फिलिस्तीन का संघर्ष देखा था। 1983 में वह गाजा की इस्लामिक यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन करने पहुंचा तो उसकी लीडरशिप स्किल दिखने लगी थी। वह अपने प्रभावी भाषणों से जल्द ही छात्रों का नेता बन गया। उसने यहां हमास के इस्लामिक स्टूडेंट ब्लॉक को ज्वॉइन करने के बाद 1987 में एरेबिक लिटरेचर में ग्रेजुएशन किया।

कॉलेज से निकलते ही हानिया ने 1987 में आधिकारिक रूप से हमास ज्वाइन किया। ये वही साल था, जब गाजा पट्टी में इजराइली कब्जे के खिलाफ पहला इंतिफादा (विद्रोह) शुरू हुआ था। विद्रोह में भाग लेने के लिए इजराइल ने हानिया को गिरफ्तार किया और पहली बार वो 18 दिन के लिए जेल गया। सालभर बाद फिर उसे प्रदर्शन के लिए गिरफ्तार किया गया और इस बार उसे छह महीने की जेल हुई। तीसरी बार हानिया को गिरफ्तार किया गया तो उसे 1989 में तीन साल के लिए जेल भेजा गया। ये तीन साल उसके लिए काफी अहम साबित हुए। जब हानिया को 1992 में छोड़ा गया तो उसे लेबनान में हमास के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ डिपोर्ट कर दिया गया। ये वो समय था जब उसने हमास को और करीब से जाना। सालभर बाद जब यहां से गाजा लौटा तो उसे इस्लामिक यूनिवर्सिटी का डीन बनाया गया। यहां उसने कई छात्रों को हमास में शामिल होने के लिए मोटिवेट किया।

इस्माइल हानिया की लाइफ का सबसे बड़ा टर्निंग पाइंट तब आया, जब उन्हें उस वक्त के हमास चीफ शेख अहमद यासीन का सेक्रेटरी अपॉइंट किया गया। अपने तेज दिमाग से उन्होंने यासीन को प्रभावित किया। यासीन उस पर आंख मूंदकर भरोसा करने लगा।

अल जजीरा की एक खबर के अनुसार वो 6 सितंबर 2003 का दिन था जब गाजा में एक गुप्त जगह पर हमास के सारे बड़े लीडर बैठक कर रहे थे। हमास चीफ शेख अहमद यासीन के साथ इस्माइल हानिया भी था। बैठक चल रही थी और अचानक धमाका हुआ। यह इजराइल का मिसाइल हमला था। सभी नेता इधर-उधर हो गए, लेकिन यासीन व्हील चेयर पर होने की वजह से मूवमेंट नहीं कर सके। हानिया भी उनके साथ ही डटा हुआ था। हानिया ने अपनी सूझबूझ से यासीन को उस जगह से हटा दिया, जहां दीवार गिरने वाली थी। इसके बाद हानिया हमास और फिलिस्तीन के लोगों का हीरो बन गया इसके कुछ महीने बाद ही तब के हमास चीफ यासीन की इजराइली हमले में मौत हो गई।

ये वो दौर था जब हमास की पहचान एक संगठन के रूप में थी। फिलिस्तीन की राजनीति पर एक दशक से 'फतह पार्टी' का कब्जा था। 2006 में हमास ने इस्माइल हानिया की लीडरशिप में चुनाव लड़ा और 'फतह पार्टी' को सत्ता से बेदखल कर दिया। 132 सीटों वाली फिलिस्तीनी संसद में हमास ने 76 सीटें और फतह ने 43 सीटें जीतीं। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति ने इस्माइल हानिया को सरकार बनाने के लिए बुलाया और इस तरह वो प्रधानमंत्री बना।

अलजजीरा की एक अन्य खबर बताती है कि सालभर बाद 2007 में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति ने हानिया की सरकार को बर्खास्त कर दिया, लेकिन हानिया ने इसे मानने से इनकार कर दिया और गाजा पट्टी पर अपनी पकड़ बनाए रखी।

वहीदा जैसी खासियत किसी और में कहां?

जिंदगी के इस दौर में वहीदा जी के लिए आखिरकार वह खुशनुमा पल आया जब उन्हें दादा साहेब फाल्के लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। वहीदा जी 85 साल की हो चुकी हैं। अब भी वैसी ही संजीदा और सादगी से भरी हुई। चेहरे पर वही मुस्कराहट। आप ताज्जुब करेंगे कि इस उम्र में भी वहीदा जी अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखने वाली हैं। संजय लीला भंसाली अपनी सीरीज हीरामंडी में वहीदा रहमान को एक अहम किरदार में लाने वाले हैं।

एक वक्त था जब वहीदा रहमान एक खूबसूरत सपने की तरह हर आंखों में बसती थीं। नए दौर में खूबसूरती की परिभाषा बेशक बदल गई हो, लेकिन 85 साल की वहीदा में जो सादगी और संजीदापन है वो आज भी उन्हें खास बना देता है। उन्हें देख कर, उनसे मिलकर ये एहसास ही नहीं होता कि वो उम्र के इस पड़ाव पर आ पहुंची हैं। अब भी वही ताजगी, वही तहजीब, सहमी सहमी सी आंखें लेकिन बातचीत में बेहद अपनापन।

वहीदा वो आम तौर पर घर में ही रहती हैं, बाहर कम ही निकलती हैं, इंटरव्यू देना उन्हें अच्छा नहीं लगता लेकिन सिनेमा का जो लंबा दौर उन्होंने देखा है वो हर वक्त उनके साथ होता है... उनकी यादों में, उनकी बातों में। खासकर गुरूदत्त और देव आनंद के साथ बीते उनके वो पल जो उन्हें फिर से उसी दुनिया में ले जाते हैं। चाहे वो 'प्यासा' हो, 'कागज के फूल' हो, 'साहब, बीवी और गुलाम' हो, 'मुझे जीने दो', 'रेशमा और शेरा' और 'तीसरी कसम' हो या फिर उनकी सबसे बेहतरीन और पसंदीदा फिल्म 'गाइड'। अपनी फिल्मों की बात करते हुए वो 'खामोशी' का नाम लेना भी नहीं भूलतीं। वो खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतनी सारी क्लासिक फिल्मों में काम करने का मौका मिला।

कुछ साल पहले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में वहीदा का आना एक उपलब्धि की तरह था। वैसे तो साहित्य के इस बड़े मेले में बॉलीवुड की तमाम शख्सियतें हर बार सबकी निगाह खींचती हैं। उस दौरान वहीदा रहमान को देखने सुनने वालों ने जिस खामोशी से उन्हें सुना और खुद को उनके बहुत करीब पाया.. उससे साबित होता है कि बदले हुए सिनेमा, ग्लैमर की बदली हुई परिभाषा और इस नए दौर में भी वहीदा रहमान ताजे हवा के एहसास और सुकून की तरह हैं। आम तौर पर वहीदा रहमान सार्वजनिक समारोहों में जाने से बचती रही हैं। लेकिन जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में जाने के बाद उन्हें जो स्नेह मिला उसके बाद वहीदा ने खुद को फिर से सक्रिय किया, कई टीवी शो में नजर आईं। जिस तरह रेखा एक बार फिर सक्रिय हुईं, वहीदा जी ने भी नए दौर के साथ कुछ चुनिंदा कार्यक्रमों में शिरकत करना शुरु किया।

उस दौरान वहीदा जी से हुई एक संक्षिप्त बातचीत और अपने सत्र में वहीदा जी ने जिस तरह अपनी बात रखी उसके कुछ हिस्से हू ब हू आपको सुनाता हूं। फिल्मों में काम करने जब वो आईं और गुरूदत्त ने उनका नाम वहीदा रहमान से बदलकर कुछ और रखना चाहा तब का वाकया वो कुछ यूं बयान करती हैं। 'जब मैं नई-नई थी और चेन्नई से बॉम्बे बुलाया गया मुझे... गुरूदत्त जी ने बुलाया एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करने के लिए तो उन्होंने स्टिल फोटोग्राफ्स वगैरह लिए और कहा.. हां ठीक है आपका फोटोजेनिक फेस है.. तो हम कांन्ट्रेक्ट साइन करेंगे, मेरी वालिदा मेरे साथ थीं.. गुरूदत्त जी ने कहा कि हम आपका नाम चेंज करना चाहते हैं क्योंकि बहुत लंबा है और अच्छा भी नहीं है।

जब उन्होंने कहा कि, अच्छा नहीं है तो मुझे बहुत बुरा लगा कि ये क्या बात है कि मेरे मां बाप ने मेरा नाम रखा तो आप कौन होते हैं ये बताने वाले कि अच्छा नहीं है। मैंने साफ कह दिया कि नहीं साहब मैं अपना नाम नहीं चेंज करूंगी। तो कहने लगे कि बहुत लंबा है। मैंने कहा.. देखिए.. स्क्रीन पर आएगा वहीदा रहमान लेकिन काम के दौरान या आपस में आप सिर्फ वहीदा बुलाइए.. तो कहने लगे कि ये ट्रेंड है इंडस्ट्री का.. कि लोग अपना नाम चेंज करते हैं।

उन्होंने मिसाल दी– दिलीप कुमार, मधुबाला, मीना कुमारी और कई लोग.. लेकिन उस वक्त मेरे अंदर अकड़ बहुत थी.. तो मैंने कहा कि मेरे मां बाप ने मुझे ये नाम दिया, मैं नहीं चेंज करूंगी.. फिर वो कहने लगे कि इसमें ग्लैमर नहीं है, ये नहीं है.. वो नहीं है.. लेकिन मैंने कह दिया कि आप चाहे जो कह लीजिए, मैं अपना नाम नहीं चेंज करूंगी। तो राज खोसला थे.. सीआईडी के डायरेक्टर.. वो गुरूदत्त जी के बहुत अच्छे दोस्त थे.. वो पंजाबी थे और जरा जोशीले थे...और गुरूदत्त जी बड़े खामोश टाइप के थे। तो कहने लगे कि कोई नया आर्टिस्ट आता है तो हमारी शर्तों पर काम करता है.. एक तो हम तुमको बुलाकर काम दे रहे हैं फिर अपनी कंडीशन्स लगा रही हैं आप.. मैंने कहा कि देखिए गिव एंड टेक होना चाहिए...तो उन्होंने कहा कि अच्छा आप जाइए होटल हम सोचेंगे... तीन

दिन बाद उन्होंने बुलाया और कहा कि ठीक है हम आपका नाम वहीदा रहमान ही रखेंगे...मैंने कहा थैंक्यू वेरी मच..।'

वहीदा जी पूरा किस्सा सुनाते हुए पूरी तरह उन दिनों की यादों में डूब जाती हैं ...कुछ इसी तरह वो देव साहब को याद करती हैं – 'मैं उनसे पहली बार सीआईडी के सेट पर मिली.. मैं उनकी बहुत बड़ी फैन थी... मुझे भरोसा नहीं हो रहा था कि मैं देवानंद के साथ काम कर रही हूं... वो बेहद संजीदा थे, बेहद शर्मीले से भी थे... तो जैसा हमें हमारे बुजुर्गों ने सिखाया कि बड़ों की इज्जत करें, हमेशा उन्हें आदर के साथ बुलाएं.. जैसे देव साहब, राज खोसला साहब या जी.. लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं.. आप हमें सिर्फ देव कहिए... मैंने कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है..

आप बड़े हैं, मेरे सीनियर हैं और आप इतने बड़े स्टार हैं.. मैं भला आपको सिर्फ देव कैसे बुलाऊं... लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं आप मुझे सिर्फ देव बुलाइए.. अगले दिन जब मैंने उन्हें देव साहब बुलाया तो वो इधर-उधर देखने लगे और कहा कि सिर्फ देव... तो वो एक ही मेरे हीरो हैं जिनको मैं सिर्फ देव कहती हूं.. और बाकी तो अमिताभ जी, सुनील जी..वगैरह वगैरह.. जी और साहब.. लेकिन ओनली देव वाज देव..।'

सत्यजीत रे और गुरूदत्त के फिल्म बनाने और शूट करने के अंदाज को भी वहीदा जी ने बहुत बारीकी से पकड़ा –'गुरूदत्त जी जो थे वो बड़े खामोश किस्म के आदमी थे लेकिन हर एक टेक के बाद उनको तसल्ली नहीं होती थी, वो बहुत परफेक्शनिस्ट थे.. और एक शॉट हो जाए.. और एक टेक हो जाए.. ये सिलसिला चलता रहता था...

जबकि, सत्यजीत रे का दिमाग हर शॉट को लेकर एकदम साफ था.. एक बार कह देते थे और कोई भी शॉट तीन – चार मिनट में पूरा हो जाता था.. वो खुद एडिटर भी थे, उन्हें पता था कि उन्हें कितना शॉट इस्तेमाल करना है.. हालांकि गुरूदत्त जी भी एडिटिंग में शामिल होते थे लेकिन वो चाहते थे और हो जाए और हो जाए... उन्हें जल्दी तसल्ली नहीं होती थी.. वो खुद अपने शॉट से खुश नहीं होते थे..।'

वहीदा जी खुद को बेहद लो प्रोफाइल मानती हैं। उन्हें जताने या दिखाने का एकदम शौक नहीं रहा.. उस वक्त एक्टिंग स्कूल नहीं होते थे.. इसलिए एक्टिंग तो कहीं से सीखी नहीं... भरतनाट्यम उन्होंने जरूर सीखा था.. लेकिन स्टेज पर डांस परफॉर्म करने और एक्टिंग करने में फर्क है.. उन्हें हमेशा से नेचुरल चीजें ज्यादा पसंद रही हैं। खुद को 'सिचुएशन' के हिसाब से कल्पना करके.. खुद को 'कैरेक्टर' की तरह महसूस करते हुए उन्होंने एक्टिंग करने की कोशिश की... शायद यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनीं और वो एक बेहतरीन और नैचुरल अदाकारा बन पाईं।

इंडस्ट्री में अपनी सबसे अजीज दोस्त नंदा को वो तहे दिल से याद करती हैं... और ये बताती हैं कि बॉलीवुड से जुड़े लोगों के बारे में मीडिया में जिस तरह की अटकलें लगाई जाती हैं और तरह तरह की अफवाहें उड़ाई जाती हैं, उससे वहीदा जी कुछ खफा रहती हैं।

वो कहती हैं कि 'आज के दौर के कलाकार इतने मसरूफ रहते हैं.. फिर उम्र का भी बड़ा फासला हो जाता है इसलिए अब किसी के पास किसी से मिलने-जुलने का वक्त ही नहीं होता.. हां अभिषेक बच्चन है जो बहुत प्यार से मिलता है... अमिताभ.. जया को मैं उनकी शादी से पहले से जानती हूं.. तो अभिषेक अक्सर आता है.. अपनी फिल्मों के बारे में बताता है.. बाकी और लोग काम में काफी मसरूफ रहते हैं.. शायद इसलिए नहीं मिल पाते...'।

1974 में कमलजीत सिंह से शादी करने के बाद वहीदा जी बैंगलोर चली गईं। उस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ 'कभी कभी' और 'अदालत' जैसी फिल्में कीं... फिर उनके दोनों बच्चे काशवी और सोहैल जब स्कूल जाने लगे तब यश चोपड़ा जी के कहने पर उन्होंने 'लम्हे' की.. फिर दस साल तक कुछ नहीं किया.... उसके बाद 'ओम जय जगदीश', 'रंग दे बसंती' और 'दिल्ली – 6' में काम किया... लेकिन फिलहाल वहीदा घर में रहती हैं...

अपना वक्त खुद को फिट रखने में, योगा करने से लेकर खाना पकाने और घरेलू कामकाज में बिताती हैं... दोपहर तीन बजे के बाद किसी से मिलती नहीं हैं.. खासकर इंटरव्यू नहीं देतीं।

कोल्हापुर के महालक्ष्मी मंदिर में मांगी गयी हर मुराद होती है पूरी

कोल्हापुर में स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर शक्ति पीठों में से एक है जिसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से यहां आकर मां महालक्ष्मी से मन्नत मांगता है वह जरूर पूरी होती है।

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर शक्ति पीठों में से एक है जिसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से यहां आकर मां महालक्ष्मी से मन्नत मांगता है वह जरूर पूरी होती है।

यह माना जाता है कि यहां श्री महालक्ष्मी भगवान विष्णु के साथ निवास करती हैं। मंदिर का निर्माण 700 ईसवीं में कन्नड़ के चालुक्य साम्राज्य के समय में किया गया था। मंदिर में काले पत्थर का एक मंच हैं जिस पर महालक्ष्मीजी की चार हाथों वाली काले पत्थर से बनी प्रतिमा है। देवी चारों हाथों में अमूल्य वस्तुएं धारण किये हुए हैं। उनके सिर पर गहनों से सजा मुकुट है जिसका वजन चालीस किलोग्राम बताया जाता है। इस मुकुट में भगवान विष्णु के शेषनाग नागिन का चित्र भी है। साथ ही मंदिर की दीवार में श्री यंत्र को पत्थर पर खोद कर बनाया गया है। मंदिर की खास बात यह है कि यहां महालक्ष्मी जी के चरणों में खुद सूर्य देवता प्रणाम करते हैं। दरअसल यहां पश्चिमी दीवार पर एक खिड़की बनी हुई है जिसके चलते मार्च और सितंबर में 21 तारीख के आसपास तीन दिनों तक सूर्य की किरणें देवी को रोशनी से सराबोर करते हुए चरणों को प्रणाम करती हैं। यह मंदिर इस मायने में भी दूसरे मंदिरों से अलग है कि जहां अन्य हिंदू मंदिरों में देवी पूरब या उत्तर दिशा की ओर देखते हुए मिलती हैं वहीं इस मंदिर में महालक्ष्मी पश्चिम दिशा की ओर देख रही हैं।

मंदिर में महालक्ष्मी के अलावा नवग्रहों, दुर्गा माता, सूर्य नारायण, भगवान शिव, भगवान विष्णु, विट्ठल रखमाई, तुलजा भवानी आदि देवी देवताओं की मूर्तियां भी हैं। मंदिर परिसर में स्थित मणिकर्णिका कुंड के तट पर विश्वेश्वर महादेव मंदिर की भी काफी प्रसिद्धि है। महालक्ष्मी मंदिर के बारे में एक किवंदती यह भी है कि एक बार तिरुपति यानी भगवान विष्णु से रूठकर उनकी पत्नी कोल्हापुर आ गईं। इस वजह से दीपावली के दिन आज भी तिरुपति देवस्थान से आया शालू उन्हें पहनाया जाता है। यह भी कहा जाता है कि किसी की भी तिरुपति यात्रा तब तक पूरी नहीं मानी जाती जब तक वह यहां आकर महालक्ष्मी का पूजा अर्चन ना कर ले।

यहां महालक्ष्मी को करवीर निवासी अंबाबाई के नाम से भी पुकारा जाता है। कहा जाता है कि दीपावली की रात को होने वाली महाआरती में श्रद्धालु यहां जो भी मुरादे मांगते हैं वह जरूर पूरी होती हैं।

हाल ही में यह मंदिर तब चर्चा के केंद्र में आया जब यहां अकूत खजाने के बारे में पता लगा। 900 साल पुराने इस मंदिर में सोने के बेशुमार गहने निकले जिनकी कीमत का आकलन दो सप्ताह तक चला। इसके बाद सारे खजाने का बीमा कराया गया है। इस बेशकीमती मंदिर की सुरक्षा बेहद कड़ी रहती है और पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरों के नजर में रहता है। माना जाता है कि मंदिर में जो अकूत खजाना मिला है उसे चढ़ाने वालों में कोंकण के राजाओं, चालुक्य राजाओं, आदिल शाह, शिवाजी और उनकी मां जीजाबाई शामिल हैं।

मंदिर में पहले सिर्फ पुरुषों को ही जाने की इजाजत थी लेकिन काफी संघर्ष के बाद आखिरकार इसमें महिलाओं को भी जाने की इजाजत मिली। पहले तो मंदिर के पुजारी इसके विरोध में थे लेकिन महिलाओं के बढ़ते विरोध और राज्य सरकार के दखल के बाद महिलाओं ने गर्भगृह में प्रवेश कर महालक्ष्मी की पूजा कर महिलाओं के मंदिर में प्रवेश का रास्ता साफ कर दिया।

महाराष्ट्र के माहुर की पहाड़ियों में माँ रेणुका का मंदिर

नवरात्रि के पावन पर्व पर माँ रेणुका के दर्शन के लिए लाखों भक्त दर्शन के लिए यहाँ पर आते है। ग़ौरतलब है कि शक्तिपीठों का पौराणिक कथाओं में अलग ही महत्व बताया गया है।

यह मंदिर यवतमाल व नांदेड़ जिले की सीमा पर स्थित माहुर में है। इस मंदिर के बारे में कई किवदंतियां है।

माँ रेणुका हिन्दू धर्म में सप्तर्षि में से एक जमदग्नि ऋषि की पत्नी बतायी गयी हैं। और कहा जाता है की इनके ही पुत्र परशुराम ने इनका वध किया था।

माता रेणुका जमदग्नि ऋषि की पत्नी थी। माँ रेणुका के पांच पुत्र थे – रुमण्वान, सुषेण, वसु, विश्वावसु तथा परशुराम। भगवान परशुराम जग के पालनहार भगवान विष्णु के अवतार माने जाते है।

परशुराम ने क्यों किया था अपनी ही माता का वध माँ रेणुका के बारे में एक कथा प्रचलित है। रेणुका माता रोज़ाना नदी से पानी भरकर लाया करती थी। इसके बाद माता रेणुका के स्वामी जमदग्नि ऋषिमुनि स्नान करने के लिए जाते थे। स्नान हो जाने के बाद भगवान शंकर की पूजा अर्चना किया करते थे। मगर एक दिन माँ रेणुका पानी लाने में लेट हो गई थी। तभी जमदग्नि ऋषि को यह आभास हुआ कि उनका ब्राह्मणत्व खत्म हो गया है। इस बात का आभास होने पर उन्होंने अपने पुत्रो को आदेश दिया कि अपनी माता का सिर काट दो। मगर उन सभी में से उनके चार पुत्रो ने अपने पिता के इस आदेश का आज्ञा का पालन नहीं किया।

मगर भगवान परशुराम ने अपने पिता की आज्ञा का पालन करते हुए अपनी माँ रेणुका का सिर काट दिया था। इस तरह पिता की आज्ञा का पालन करने पर उनके पिता उनसे बहुत ही संतुष्ट हुए और उन्होंने भगवान परशुराम को वरदान मांगने के लिए कहा। उन्होंने अपने पिता से तीन वरदान मांगे –

1. माँ पुनर्जीवित हो जाएँ
2. उन्हें मरने की स्मृति न रहे
3. भाई चेतना-युक्त हो जाए

इन सब वरदान को देते हुए उनके पिता ने उनसे कहा कि एक वरदान पूरा नहीं हो सकता है। में तुम्हारी माता रेणुका को जीवित नहीं कर सकता हुं। यह प्रकृति के नियम के विरुद्ध है। मगर 21 दिन के अंदर तुम्हारी माँ रेणुका दर्शन देंगी।

माँ रेणुका का मंदिर मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के समीप छैगांवदेवी में है। यहाँ पर चतुर्दशी के दिन माँ रेणुका स्वयं प्रकट होती है। इस दिन माँ की प्रतिमा एक फ़ीट हो जाती है। इस दिन माँ रेणुका का दर्शन करने का बड़ा ही उत्तम महत्व है। इस मंदिर में लाखों भक्तगण अपनी मनोकामना को लेकर माँ के दरबार आते है।

इस मंदिर में 500 वर्ष पहले माँ रेणुका की प्रतिमा स्वयं स्थापित हुई थी। माँ रेणुका के साथ ही साथ माँ बिजासनी, माँ हिंगलाज, माँ शीतला और माँ खांखली इन सब की भी प्रतिमा स्थापित है।

ठीक हो जाते है रोगी

इस मंदिर की ऐसी मान्यता है कि माँ रेणुका को जल से स्नान कराने के बाद वह जल किसी भी रोगी इंसान को लगाया जाता है तो वह रोगी इंसान ठीक हो जाता है। इसी आस्था के चलते यह पर अनेक भक्तगण आते है और अपने रोगों से निजात पाते है। इसलिए यह मंदिर लाखों भक्तगण के आस्था का केंद्र बन गया है।

छह देवियां हुई थी प्रकट

यहाँ के लोगों का कहना है कि यहां पर छह देविया प्रकट हुई थी। इसलिए इस गांव का नाम छैगांवदेवी है। अब यहां पर केवल पांच ही देवी की प्रतिमा स्थापित है। माँ भवानी यहां से चली गई है। गांव के लोगों का कहना है कि माँ ने अनके चमत्कार दिखाए है।

कभी पिंडी से निकलता है कुमकुम तो कभी बजती हैं घंटिया

यहां के लोगों का कहना है कि माँ के पिंडी से कुमकुम निकलता है। या फिर कभी मंदिर की घंटी अपने आप ही बजना चालू हो जाती है। गांव के लोगों का ऐसा कहना है की यह सब होना माँ को शुभ संकेत देता है। जो भी इंसान सच्चे दिल से माँ की आराधना करता है। उसकी सभी मनोकामना को माँ पूर्ण कर देती है।

विंध्यवासिनी देवी मंदिर में मिलता है विश्वास और शांति

भारत के उत्तर प्रदेश के मध्य में राजसी विंध्य पर्वतमाला के बीच स्थित, विंध्यवासिनी देवी का पवित्र मंदिर स्थित है। देवी विंध्यवासिनी को समर्पित यह मनमोहक मंदिर दैवीय कृपा, आध्यात्मिकता और अटूट आस्था का प्रतीक है। इस लेख में, हम विंध्यवासिनी देवी की रहस्यमय दुनिया में गहराई से उतरते हैं, मंदिर के महत्व, किंवदंतियों और आध्यात्मिक उत्साह की खोज करते हैं जो अनगिनत भक्तों को इस पवित्र स्थान पर खींचता है।

विंध्याचल क्षेत्र में स्थित यह मंदिर पवित्र नदी गंगा के तट पर स्थित है। विशाल विंध्य पर्वत की पृष्ठभूमि मंदिर के अवास्तविक आकर्षण को बढ़ाती है, जिससे यह आध्यात्मिक साधकों और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक शांत स्थान बन जाता है।

एक आध्यात्मिक वापसी

विंध्यवासिनी देवी मंदिर एक आध्यात्मिक आश्रय स्थल के रूप में कार्य करता है, जहाँ भक्त सांत्वना, आशीर्वाद और आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते हैं। मंदिर के आसपास का शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता ध्यान और आत्मनिरीक्षण के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है।

ऐतिहासिक महत्व

यह मंदिर अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व रखता है। इसे शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां कहा जाता है कि भगवान शिव के विनाश के दिव्य नृत्य, तांडव के दौरान देवी के शरीर के अंग गिरे थे।

देवी की मूर्ति

मंदिर के केंद्र में विंध्यवासिनी देवी की मंत्रमुग्ध कर देने वाली मूर्ति है, जो उत्तम आभूषणों और जीवंत वस्त्रों से सुसज्जित है। उनकी दिव्य आभा शांति और परोपकार का संचार करती है, भक्तों के दिलों को श्रद्धा और भक्ति से भर देती है।

भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने वाले भक्त अपनी आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मंदिर में आते हैं, उनका मानना है कि विंध्यवासिनी देवी में उनकी इच्छाओं को पूरा करने की शक्ति है। देवी अपने भक्तों की प्रार्थनाओं का उत्तर देने में अपनी कृपा के लिए जानी जाती हैं।

विंध्याचल की कथा- किंवदंती है कि विंध्याचल क्षेत्र एक समय राक्षस विंध्यासुर से त्रस्त था। राक्षस के अत्याचारों ने निवासियों को संकट में डाल दिया। अपनी ज़रूरत की घड़ी में, उन्होंने देवी दुर्गा से बहुत प्रार्थना की, जिन्होंने राक्षस को हराने और अपने भक्तों की रक्षा करने के लिए विंध्यवासिनी देवी का रूप धारण किया।

शाश्वत सतर्कता- ऐसा माना जाता है कि विंध्यवासिनी देवी अपने निवास में रहने वाले सभी लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करते हुए, विंध्य पर्वत श्रृंखला पर नजर रखती हैं।

नवरात्रि उत्सव- देवी को समर्पित नौ रातों का त्योहार, नवरात्रि, विंध्यवासिनी देवी मंदिर में अत्यधिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु जीवंत जुलूसों और भक्ति गीतों सहित उत्सव में भाग लेने के लिए एकत्रित होते हैं।

चैत्र और आश्विन पूजा

यह मंदिर अपनी भव्य चैत्र और आश्विन पूजा के लिए भी प्रसिद्ध है, जो इन शुभ अवधियों के दौरान तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है।

तीर्थस्थल- विंध्यवासिनी देवी मंदिर सिर्फ एक पूजा स्थल ही नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल भी है। तीर्थयात्री देवी का आशीर्वाद लेने के लिए साल भर मंदिर में आते हैं।

दर्शन का समय

मंदिर सुबह से देर शाम तक खुला रहता है, जिससे भक्त अपनी सुविधानुसार दिव्य अनुभव का आनंद ले सकते हैं।

अष्टमी पर महागौरी की आराधना से असंभव भी होगा संभव, पापों का होगा नाश

नवरात्रि के आठवें दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की उपासना की जाती है। माता के इस स्वरूप ने भगवान शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनका शरीर काला पड़ गया। प्रसन्न होकर शिव ने उन्हें स्वीकार किया और उन पर गंगाजल डाला। इससे माता का शरीर कांतिवान और वर्ण गौर हो गया तब से उनका नाम गौरी हो गया।

स्वरूप

इनका वाहन वृषभ अर्थात बैल है। उनकी एक भुजा अभयमुद्रा में है, तो दूसरी भुजा में त्रिशूल है। तीसरी भुजा में डमरू है तो चौथी भुजा में वरमुद्रा में है। इनके वस्त्र भी सफेद रंग के हैं और सभी आभूषण भी श्वेत हैं।

नवरात्रि
आठवां दिन

माता गौरी

रंग : सफेद

माँ गौरी की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनके शरीर पर गंगा जल डाला। तब से इनका वर्ण पूर्ण रूप से गौर यानी सफेद हो गया

॥स्तुति मंत्र॥

श्वेते वृषे समारूढा, श्वेताम्बरधरा शुचि:।
महागौरी शुभं दद्यात्, महादेवप्रमोददाद।।
या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:।।

(श्वेत वृषभ पर विराजमान, श्वेत वस्त्रों वाली, महादेव की प्रसन्नता के लिए सदैव ध्यानरत माँ गौरी को नमन)

भोग : माँ गौरी को नारियल का भोग लगाया जाता है, यह माता नि:संतानों की मनोकामना पूरी करती हैं

महत्त्व- महागौरी की आराधना से सोमचक्रजाग्रत होता है। इससे असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। समस्त पापों का नाश होता है। सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। हर मनोकामना पूर्ण होती है।

नवजात की हत्या की आरोपी महिला को उसकी निजता के उल्लंघन के कारण एससी ने बरी किया

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने नवजात शिशु की हत्या के आरोपी एक महिला को बरी कर दिया. हालांकि कोर्ट ने कहा कि यद्यपि कानून के अनुसार किसी आपराधिक मामले में फैसले के लिए आवश्यक पहलुओं का खुलासा करना आवश्यक है, लेकिन इस तरह का कर्तव्य निजता के मौलिक अधिकार पर अनुचित रूप से कदम नहीं उठाया जा सकता है. कोर्ट ने कहा कि एक महिला पर बिना किसी उचित सबूत के एक बच्चे की हत्या करने का दोष थोपना, सिर्फ इसलिए कि वह गांव में अकेली रह रही थी, सांस्कृतिक रूढ़ियों और लैंगिक पहचान को मजबूत करता है जिसके खिलाफ इस अदालत ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है. शीर्ष अदालत अप्रैल 2010 में पारित छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली एक महिला द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी. मामले में जुलाई 2005 में निचली अदालत द्वारा उसकी दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था. न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने इस मामले में विचार किया कि निजता का अधिकार किस हद तक अपराध करने की आरोपी महिला के निजी जीवन से संबंधित मामलों की रक्षा करता है और खासकर जब अभियोजन आरोपमुक्त करने में विफल रहा हो. इसके अलावा दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत बयान देते समय दोषी परिस्थितियों की व्याख्या करने के अभियुक्त के क्या अधिकार और कर्तव्य हैं? कोर्ट ने मौलिक मानवधिकार के रूप में निजता के महत्ता पर जोर दिया. कोर्ट ने अपने निर्णय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निजता का अधिकार अनुल्लंघनीय है. इसके अलावा यह मानवीय गरिमा और मौलिक अधिकारों को बनाए रखने में केंद्रीय अहम भूमिका निभाता है. कोर्ट ने स्वीकार किया कि मानवाधिकारों और व्यक्तिगत स्वायत्तता को हसिल करने के लिए गोपनीयता आवश्यक है. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि महिलाओं को अपने शरीर और प्रजनन विकल्पों के बारे में स्वायत्त निर्णय लेने का अधिकार है. कोर्ट ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि विशेषकर गर्भावस्था और प्रसव जुड़े मामलों में इस अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए. निर्णय में इस बात पर बल दिया कि महिलाओं को गर्भावस्था को खत्म करने को लेकर फैसला लेने अधिकार है और उनकी पसंद को अनुचित हस्तक्षेप से भी बचाया जाना चाहिए.

सरकारी अस्पताल पहुंचकर कलेक्टर ने चखा मरीजों का भोजन

खरगोन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा इन दिनों एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं, जहां वे लगातार स्वास्थ्य और शिक्षा को लेकर अस्पतालों और स्कूलों का निरीक्षण कर रहे हैं। इधर, एक बार फिर कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने जिला अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही अलग-अलग व्यवस्थाओं का हाल जाना है। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने इस दौरान निर्देशित किया कि, मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और सफाई अच्छी रहना चाहिए। इसमें किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने जिला चिकित्सालय खरगोन के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान मरीजों को प्रतिदिन दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता परखी। उन्होंने मरीजों को दिए जा रहे हैं भोजन की जानकारी ली और मरीजों से पूछा कि उन्हें पर्याप्त और अच्छी गुणवत्ता का भोजन मिल रहा है या

दिवाली से पहले दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

राज्य में एक टन से ज्यादा अवैध पटाखे जब्त

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में पटाखे की बिक्री और उन्हें खरीदना गैरक़ानूनी है। राजधानी में पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट, सरकार समेत सभी जिम्मेदार संस्थाएं बेहद ही सख्ती बरते हुए हैं। कोर्ट ने दिल्ली सरकार को साफ़ निर्देश दिए हैं कि राजधानी में किसी भी तरह के पटाखों की बिक्री नहीं होगी। अब दिवाली नजदीक आ चुकी है और दिल्ली पुलिस भी एक्टिव हो गई है। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस ने दो अलग-अलग ऑपरेशन्स में दो आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ, दिल्ली पुलिस ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में बैन पटाखों का कारोबार करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया और 1104 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद करने का दावा किया। पुलिस ने बताया कि इन कार्रवाइयों में उन्होंने रोशनआरा रोड निवासी सौरभ (25) और गोपालपुर निवासी रामप्रकाश (35) की गिरफ्तारी की है। पुलिस के मुताबिक, उन्हें दिल्ली के बुराड़ी के जगतपुर गांव स्थित एक गोदाम में बड़ी मात्रा में अवैध पटाखे रखे जाने की विशेष जानकारी मिली थी। इस खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई, जिसमें रामप्रकाश नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा गया। विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र सिंह यादव ने कहा, गोदाम का निरीक्षण करने पर, पटाखों के कुल 53 कार्टन जब्त किए गए, जिनका वजन लगभग 1000 किलोग्राम था। पूछताछ के दौरान, रामप्रकाश ने पटाखों की बिक्री और भंडारण के अवैध कारोबार में शामिल होने की बात कबूल की। यादव ने कहा, आरोपी ने बताया कि उसने परवेज, जय रावल और मनोज जैन नाम के व्यक्तियों से अवैध पटाखे खरीदे थे। अधिकारी ने कहा, इन लोगों को पकड़ने के लिए फिलहाल छापेमारी चल रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है। वहीं एक अन्य ऑपरेशन में पुलिस ने एक कार को रोका और सौरभ नाम के एक व्यक्ति को पकड़ा। कार की तलाशी लेने पर उन्हें 104 किलोग्राम अवैध पटाखे मिले। उन्होंने आगे कहा, "सौरभ ने स्वीकार किया कि उसने जल्दी ही लाभ कमाने के इरादे से हरियाणा के फारुख नगर के खुले बाजार से अवैध पटाखे खरीदे थे। जब पुलिस टीम ने उसे दिल्ली के क्राउन प्लाजा में रोका तो उसने अपनी अर्टिगा कार में 104 किलोग्राम पटाखे लाद लिए थे।"

विदेशी महिला की हत्या के मामले में एक गिरफ्तार

चेन से बंधे मिले ये हाथ-पैर और उस पर लगा था ताला

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्कूल के पास मृत मिली महिला के मामले में शनिवार को पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान गुरप्रीत के रूप में हुई है। आरोपी को तकनीकी जांच के आधार पर मिली जानकारी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उससे मृत महिला की पहचान और हत्या के कारणों के बारे में पूछताछ कर रही है। महिला स्विट्जरलैंड की नागरिक है 11 अक्तूबर को दिल्ली आई थी, पुलिस सूत्रों के मुताबिक गुरप्रीत की मृत महिला से स्विट्जरलैंड में हुई थी मुलाकात, जिसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई। मृत महिला के हाथ-पैर चेन से बंधे हुए थे और चेन में ताला लगा हुआ था। 30 वर्षीय महिला का शव शुक्रवार सुबह तिलक नगर में बरामद किया गया था। शव का ऊपरी हिस्सा काले रंग की प्लास्टिक से ढका हुआ था। दिल्ली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस को पता चला कि महिला का शव एक कार में वहां लाया गया था। कार नंबर की जांच कर पुलिस उसकी मालकिन के पास पहुंची, उससे पूछताछ करने पर पता चला कि दो महीने पहले कार किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी थी।

जातीय जनगणना पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी का बयान, राहुल गांधी को लेकर कही ये बात

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए इन दिनों जातीय जनगणना का मुद्दा गरमाया हुआ है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तो कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ये तक कह दिया कि कांग्रेस वहीं पार्टी है, जिसने कभी जातीय जनगणना नहीं होने दी और न ही इसके आंकड़े जारी किए। वहीं कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने इस मुद्दे पर बडा.बयान दिया है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने दावा किया है कि राहुल गांधी जातीय जनगणना के मुद्दे को सबसे ज्यादा मजबूती के साथ उठा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने

कहा, राहुल गांधी इस वक्त जातीय जनगणना के सबसे बड़े पैरोकार हैं। पूरी शक्ति के साथ उन्होंने बताया भी है कि हां पहले क्यों नहीं हुआ तो मैं उनकी दोनों बातों से सहमत हूं। मैं कहना चाहता हूं कि जातीय जनगणना इसलिए नहीं है कि किसी का हक दबाकर किसी को दिया जाए, लेकिन जब आप एक बजट बनाते हैं कोई संसाधन लेते हैं तो कोई वर्ग उपेक्षित न रह जाए।

जातीय जनगणना को लेकर कही ये बात

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, आपके सामने देश की एक तस्वीर होनी चाहिए कि किस वर्ग की संख्या क्या है और ये भी कि किसकी क्या समस्या है। इस समय जातीय जनगणना देश की जरुरत है। क्योंकि देश में कुछ वर्ग पिछड़े रहेंगे तो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता है। दूसरा दूर दराज तक किसी का हक लेकर किसी को नहीं दिया जाएगा। इसमें जो वंचित है उनका प्रोत्साहन दिया जाएगा। दरअसल कांग्रेस से चल रही रस्साकशी के बीच अखिलेश यादव ने जातीय जनगणना का लेकर कांग्रेस पर ही सवाल उठाए थे और कहा था कि, कांग्रेस तो अब इसे लेकर मुखर हुई है, लेकिन ये वहीं कांग्रेस पार्टी है, जिसने जातीय जनगणना के आंकड़े नहीं दिए। जातीय जनगणना नहीं होने दी, ये चमत्कार है, क्योंकि सबको एहसास हो गया है जब तक पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक भाईयों को साथ नहीं लिया तो आप कामयाब नहीं होगे। प्रधानमंत्री खुद यही कहते हैं, हम पिछड़े हैं।

केरल में 3 साल की बच्ची बनी यौन उत्पीड़न की शिकार, दो प्रवासी मजदूर हिरासत में

एर्नाकुलम, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल में तीन साल की बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस ने असम के दो प्रवासी श्रमिकों को हिरासत में लिया है। इधर, बच्ची की स्वास्थ्य अवस्था ठीक नहीं होने के कारण उसका अस्पताल में इलाज जारी है। ये घटना एर्नाकुलम जिले के पेरुंबवूर में शुक्रवार शाम की है, जब उसके मजदूर माता-पिता काम पर गए हुए थे। पेरुंबवूर पुलिस इस घटना को लेकर मामला दर्ज कर ली है और हिरासत में लिये गए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, प्लाइवुड कंपनी में काम करने वाले प्रवासी श्रमिक यहां कंपनी परिसर में अपने परिवार के साथ रहते हैं। बच्ची के माता-पिता भी कंपनी में मजदूरी करते हैं और उनकी गैर-मौजूदगी में उनके दो सहकर्मियों ने बच्ची के साथ दुराचार किया। जब पीड़ित बच्ची के माता-पिता घर लौटे, तब उन्होंने बच्ची को बेहोश पाया। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उन्हें बताया कि बच्ची यौन उत्पीड़न की शिकार हुई है। अस्पताल अधिकारियों ने पुलिस को इस बारे में सूचित किया। खबर पाते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और घटना के बारे में जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर कंपनी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की, जिससे संदिग्धों की पहचान की गई।

दिल्ली आबकारी नीति मामला: उच्च न्यायालय ने पिल्लई की याचिका पर ईडी से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में हैदराबाद के व्यवसायी अरुण रामचंद्र पिल्लई की उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से उसका रुख बताने के लिए कहा है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने जांच एजेंसी से याचिका की विचारणीयता के संबंध में जवाब दाखिल करने को कहा। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील नितेश राणा ने तर्क दिया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छह मार्च के गिरफ्तारी आदेश और सुनवाई अदालत द्वारा उनके मुवक्किल को एजेंसी की हिरासत और फिर न्यायिक हिरासत में भेजने संबंधी पारित रिमांड के आदेश धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) प्रावधानों का उल्लंघन थे। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा कि पीएमएलए की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तारी के लिए उसे कभी मौखिक या लिखित रूप से कोई आधार नहीं बताया गया और यह उसके संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि रिमांड के आदेशों में इस बात को लेकर कुछ संतोषजनक नहीं कहा गया है कि क्या ईडी के पास यह विश्वास करने के लिए रिकॉर्ड पर सामग्री थी कि याचिकाकर्ता पीएमएलए के तहत अपराध का दोषी है। याचिका में कहा गया है, "प्रवर्तन निदेशालय ने प्रतिशोधात्मक तरीके से और पूरी तरह से पीछे पड़ने की कवायद के रूप में जानकारी प्राप्त करने के लिए जोर-जबरदस्ती की रणनीति अपनाई है और याचिकाकर्ता/आवेदक के साथ-साथ अन्य आरोपियों पर थर्ड डिग्री उपायों का इस्तेमाल किया है।" इसमें कहा गया है, "ईडी को विवादित गिरफ्तारी आदेश के साथ-साथ विवादित रिमांड आदेशों द्वारा इस तरह के अवैध तरीके से कार्य करने में सक्षम बनाया गया था, जो अपने आप में उक्त गिरफ्तार आदेश और विवादित रिमांड आदेशों को रद्द करने का एक आधार है।"

ईडी के वकील ने दलील दी कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

अदालत ने मामले को तीन नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है जब याचिकाकर्ता की जमानत याचिका भी विचार के लिए निर्धारित है। इस महीने की शुरुआत में याचिकाकर्ता ने मामले में जमानत की मांग करते हुए कहा था कि उसे जेल में रखने के लिए सबूत नहीं है। गत आठ जून को एक सुनवाई अदालत ने जमानत के लिए पिल्लई की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि उनकी भूमिका कुछ अन्य आरोपियों की तुलना में अधिक गंभीर थी, जो अब भी जेल में हैं, और प्रथम दृष्टया ईडी का मामला सही है।

चारधाम यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब,टूटे पुराने सारे रिकॉर्ड; बीस दिन बाद बंद होंगे कपाट

उत्तरकाशी, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोविड के बाद वर्ष 2022 का चारधाम यात्रा का सीजन काफी अच्छा रहा है। परंतु 2023 में तो चारधाम यात्रा ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। खासकर इस बार गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रियों की संख्या का नया रिकॉर्ड बना है। तीर्थ पुरोहितों सहित चारधाम यात्रा से जुड़े व्यापारी और व्यवसायी काफी खुश हैं। चार धाम यात्रा पूरी होने में अभी बीस दिन का समय शेष है। गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रियों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है। इस बार गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुले थे। जिसके बाद चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ी। वर्षा काल के दौरान राजमार्ग अवरुद्ध रहने के दौरान कुछ दिन तीर्थ यात्रा बाधित हुई। परंतु वर्षा काल के बाद चारधाम यात्रा फिर पटरी पर लौटी और नया रिकार्ड तीर्थयात्रा ने बनाया है। गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रियों की संख्या के पुराने सारे रिकॉर्ड टूटे हैं। कोविड से पहले और आपदा के बाद वर्ष 2019 में अच्छी यात्रा चली। जिसमें गंगोत्री धाम में 5.30 लाख और यमुनोत्री धाम में 4.66 लाख यात्री पहुंचे थे। जबकि 2022 में गंगोत्री धाम में इस सीजन में 6.24 लाख तीर्थयात्री व यमुनोत्री धाम में 4.85 लाख तीर्थयात्री पहुंचे। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र मटूड़ा ने कहा कि गंगोत्री यमुनोत्री धाम सहित चार धाम के प्रमुख यात्रा पड़ाव पर पीक सीजन पर तीर्थ यात्रियों की चहल-पहल रही है। अभी कपाट बंद होने बीस दिन का समय है। इस बार चारधाम यात्रा के व्यवसायियों का व्यापार भी पटरी पर लौटा है।

फ्रीज किए लॉकर से करोड़ों की नगदी और सोना गायब

आरोपियों ने कुएं में छिपाया, पुलिस को मिली बड़ी सफलता

नागपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र राज्य के सबसे सनसनीखेज 58 करोड़ की ऑनलाइन गेमिंग धोखाधडी के मामले में नागपुर पुलिस ने बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने भंडारा जिले में और गोंदिया जिले में कई जगहों पर छापेमारी की। यहां पुलिस ने 3 करोड़ रुपए एयर करोड़ों का सोना बरामद किया है। बता दें कि ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी में 58 करोड रुपए की ठगी करने वाले इंटरनेशनल बुकी अनंत उर्फ सोंटू जैन के फ्रीज किए गए लॉकर से यह सब गायब किया गया था।

मुख्य आरोपी क्राइम ब्रांच की हिरासत में है

आरोपी ने इस घटना को गोंदिया के एक बैंक मैनेजर तथा चिकित्सक दंपति की मदद से जाम दिया था। सोंटू के आईफोन की जांच में पूरा मामला सामने आने के बाद पुलिस ने गोंदिया और भंडारा की सात जगहों पर छापा मार कर 3 करोड़ की नगदी तथा 2 करोड़ रुपए की कीमत का 2 किलो 200 ग्राम सोना बरामद किया है। 58 करोड़ रुपए की ठगी में सोंटू क्राइम ब्रांच की हिरासत में है। पुलिस ने उसका लैपटॉप और आईफोन बरामद किया था।

बरामद किए लैपटॉप और फ़ोन से मिली जानकारी

हालांकि उसने दोनों को फॉर्मेट करने के बाद पुलिस को सौपा था। पुलिस ने आधुनिक तरीके का इस्तेमाल कर मोबाइल का डाटा रिकवर कर लिया। इस डाटा से पता लगा कि उसने सोना अपने घर के कुएं में छुपा कर रखा था। पुलिस ने छापे के दौरान कुएं के ऊपर काफी कचरा नजर आया। उसे हटाने पर जाली पर लटकी हुई एक रस्सी दिखाई दी। इस रस्सी में एक बैग था जिसमें सोना रखा हुआ था। रस्सी को खींचते ही पुलिस की आंखें फटी की फटी रह गईं।

सोंटू ने मैनेजर के साथ मिलकर साजिश रची

नागपुर के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने कहा कि नागपुर सिटी पुलिस ने जैन परिवार के नाम पर पंजीकृत लॉकर खोलने के लिए 27 जुलाई को बैंक को नोटिस दिया था। नोटिस मिलने पर मैनेजर ने सोंटू से संपर्क किया और इस बारे में जानकारी दी। सोंटू ने मैनेजर के साथ मिलकर साजिश रची। उन्होंने प्लानिंग के तहत इसी ब्रांच में दूसरे के नाम पर 3 लॉकर लिए ,फिर जैन परिवार के लॉकर में रखी रकम को नए लॉकर में रख गया।

पाकिस्तान ने अब एलओसी पर कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में की गोलीबारी, जवान घायल

श्रीनगर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर अरनिया सेक्टर में सीजफायर का उल्लंघन करने के तीन दिन बाद अब पाकिस्तान ने एलओसी पर उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सीमापार से गोलीबारी की है। स्नाइपर शॉट में सेना का एक जवान घायल हो गया है। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को केरन सेक्टर में एलओसी के करीब पाकिस्तान ने स्नाइपर शॉट से सेना के जवान को निशाना बनाया जिसमें वह घायल हो गया। यह घटना एलओसी पर चांदनी पोस्ट के पास घटी। घायल जवान को विशेष उपचार के लिए श्रीनगर स्थित सेना के 92 बेस अस्पताल में रेफर किया गया है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार घायल सिपाही सेना की 5/11 जीआर के साथ तैनात है। इस बीच घटना को लेकर सेना की ओर से कोई भी औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इससे पहले मंगलवार को आईबी पर अरनिया सेक्टर में पाकिस्तानी रेंजरों की फायरिंग में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए थे। वीरवार को दोनों देशों के बीच हुई फ्लैग मीटिंग में बीएसएफ ने इस पर कड़ा एतराज जताया था।

महादेव ऐप केस: ईडी ने दायर की चार्जशीट, प्रमोटरों समेत 14 लोगों के नाम शामिल, अब रडार पर 19 बॉलीवुड कलाकार

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 44 और 45 के तहत 14 लोगों के खिलाफ महादेव ऐप ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले में अपनी पहली चार्जशीट दायर की है। जांच एजेंसी ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने इसकी पुष्टि की है। ईडी की 197 पन्नों की चार्जशीट में सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, विकास छापरिया, चंद्रभूषण वर्मा, सतीश चंद्राकर, अनिल दम्मानी, सुनील दम्मानी, विशाल आहूजा, धीरज आहूजा, सृजन एसोसिएट्स के जरिये से पुनाराम वर्मा, शिव कुमार वर्मा, यशोदा वर्मा और पवन नैथानी का नाम आरोपियों की लिस्ट में शामिल है।

सबूत के रूप में 8,800 से अधिक पेज के दस्तावेजों का हवाला दिया गया है। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि घोटाला 6,000 करोड़ रुपये का हो सकता है। ईडी ने अपराध की आय के रूप में कुल 41 करोड़ रुपये पहले ही अस्थायी रूप से जब्त किए हैं। घोटाले के कथित किंगपिन और महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल को

ईडी ने मुख्य साजिशकर्ता के रूप में नामित किया है।

एजेंसी ने दोनों पर ऐप के जरिए जुआ खेलने और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया है। आरोपी सतीश चंद्राकर को रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर के दुबई भाग जाने पर महादेव ऐप के संचालन में मदद करने के लिए नामित किया गया है। पांडेय ने बताया कि 'सतीश ने पैसे दिए और महादेव ऐप के लिए आईडी खरीदी। इस आईडी का उपयोग ऐप का उपयोग करके दूसरों को दांव लगाने के लिए किया जाता था। आय को सतीश चंद्राकर और दुबई स्थित प्रमोटरों द्वारा 70-30 फीसदी के हिसाब से बांटा गया था।'

बॉलीवुड के कलाकारों पर नजर

एक पुलिसकर्मी चंद्रभूषण राय को भी ऐप से अपराध की आय को वैध बनाने और संदिग्धों के बचाव के लिए एक पुलिसकर्मी के रूप में अपनी स्थिति का कथित रूप से दुरुपयोग करने के लिए नामित किया गया है। राय के रिश्तेदारों के उद्यमों का इस्तेमाल कथित तौर पर धन शोधन के लिए किया गया था। उसका नाम भोपाल में एक ट्रैवल एजेंसी के मालिक के साथ भी लिया गया है। पांडेय ने बताया कि जांच का अगला चरण बॉलीवुड सितारों, प्रभावशाली लोगों और टीवी अभिनेताओं पर केंद्रित है। जिन्हें कथित तौर पर ऐप को बढ़ावा देने के लिए हवाला के जरिये भुगतान किया गया था। ईडी के अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 19 ए-लिस्टर्स, जिनमें सौरभ चंद्राकर की शादी में प्रोग्राम करने वाले लोग भी शामिल हैं, रडार पर हैं। पांडेय ने अभियोजन शिकायत दर्ज होने के बाद रायपुर जिला अदालत में बताया कि 'इनमें रणबीर कपूर, श्रद्धा कपूर और हुमा कुरेशी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है लेकिन वे सहयोग नहीं कर रहे हैं। हम अपने पास मौजूद कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।' अदालत 25 नवंबर को इस पर फैसला कर सकती है।

राजनीतिक संरक्षण पर बवाल

ईडी के वकील ने कहा कि जांच का अगला चरण महादेव ऐप के प्रमोटरों को राजनीतिक संरक्षण के आरोपों को उजागर करना होगा। उन्होंने कहा कि 'इस बात के सबूत हैं कि छत्तीसगढ़ में कुछ पुलिसकर्मियों ने सक्रिय रूप से आरोपियों के साथ मिलीभगत की और उन्हें सुरक्षा प्रदान की। यह जांच का विषय है कि क्या यह राजनीतिक आकाओं के इशारे पर किया गया था।' गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर में अपनी चुनावी रैलियों के दौरान घोषणा की थी कि घोटाले में शामिल किसी भी शख्स को बख्शा नहीं जाएगा। उनके बयान का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उनकी सरकार की जांच के कारण रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर के खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर जारी किया गया था। उन्होंने पूछा कि केंद्रीय एजेंसियां उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही हैं?

इस बीच पांडेय ने कहा कि जांच एजेंसी

पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी बोले, पंजाब सरकार खुद नहीं कर रही नियमों का पालन

अमृतसर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने के पंजाब सरकार के फैसले पर पंजाब के पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि पंजाब सरकार खुद नियमों का पालन नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर राज्यपाल कह रहे हैं कि विधानसभा सत्र बुलाना अवैध है, तो पंजाब सरकार को एक पत्र लिखना चाहिए और इसे हल करें।

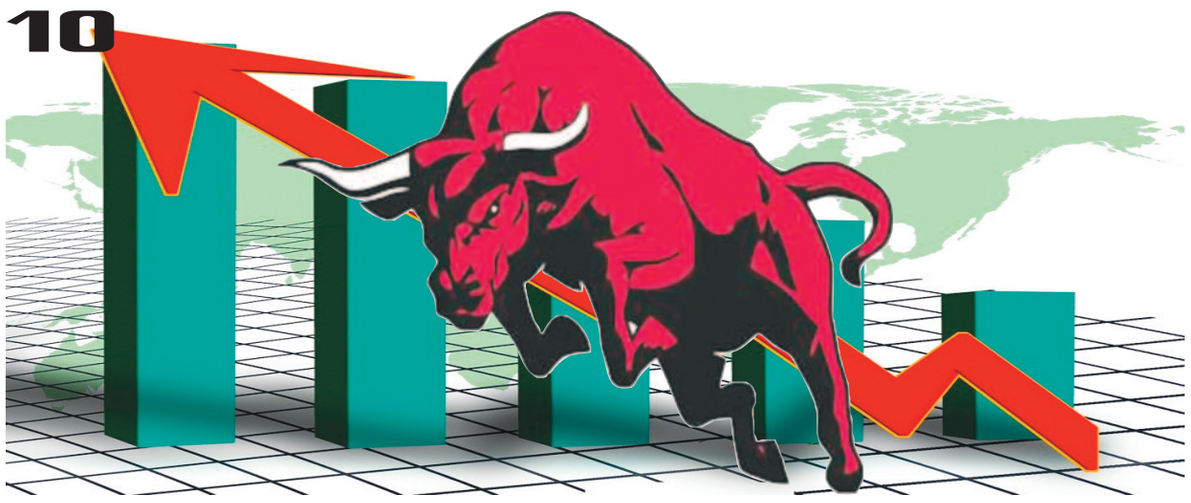

चीन की करेंसी में रूसी तेल क्यों लें? भारत ने जताई आपत्ति, क्या है पूरा मामला

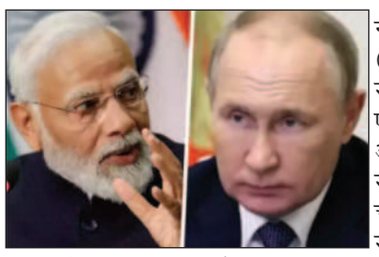

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसिया) चीन और रूस पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के नजदीक आते दिख रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन बीते दिनों चीन पहुंचे थे। लेकिन रूसी राष्ट्रपति ने जी-20 समिट के लिए भारत का दौरा नहीं किया था। चीन और रूस की दोस्ती धीरे-धीरे मजबूत होती दिख रही है। ये भारत सहित पश्चिमी देशों के लिए चिंता का सबब है। इस बीच भारत को क्रूड ऑयल बेच रहे रूस ने चीन की करेंसी में भुगतान करने की मांग की है। लेकिन मोदी सरकार ने क्रूड ऑयल इंपोर्ट के लिए चीन की करेंसी में पेमेंट करने के रूसी ऑयल सप्लायर्स के दबाव को खारिज कर दिया है। भारत ने इसपर आपत्ति जताई है। इसकी वजह दिल्ली और बीजिंग के बीच जारी तनाव है।

रूस को करना पड़ रहा संघर्ष

भारत के साथ कारोबार करके रूस ने अरबों डॉलर रुपये की संपत्ति जमा कर ली है। लेकिन इसका इस्तेमाल करने के लिए उसे संघर्ष करना पड़ रहा है। इस मुद्रा का वह भारत के अलावा किसी अन्य देश के साथ इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। इधर पिछले वर्ष में चीन की करेंसी युआन की मांग तेजी से बढ़ी है। ऐसे में अर्थव्यवस्था इंपोर्ट के लिए चीन पर ज्यादा निर्भर हो गई है। इसके चलते रूस के कारोबारी अपना ज्यादातर बिजनस युआन में ही कर रहे हैं। इस वर्ष रूस में डॉलर की जगह चीनी मुद्रा सबसे ज्यादा कारोबार वाली करेंसी बन गई है।

कच्चे तेल का बड़ा सप्लायर

बता दें की रूस भारत के लिए क्रूड ऑयल का शीर्ष सप्लायर है। भारत इस समय अपनी जरूरत का 60 फीसदी तेल रूस से आयात कर रहा है। भारतीय रिफाइनरी ज्यादातर रूसी तेल इंपोर्ट के लिए दिरहम, अमेरिकी डॉलर और थोड़ी सी रकम में रुपये का भुगतान करती हैं।

आरबीआई गवर्नर बोले- महंगाई को चार फीसदी पर लाने के लिए उठाएंगे हर जरूरी कदम

नई दिल्ली , 21 अक्टूबर (एजेंसिया) इस्राइल-हमास के बीच जारी संघर्ष से महंगाई पर जोखिम बना हुआ है। उच्च ब्याज दरों से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, ब्याज दर फिलहाल ऊंची बनी रहेगी। समय और वैश्विक स्तर पर अभरती स्थिति ही बताएगी कि यह कितने समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहेगी। कीमतों पर उन्होंने कहा, महंगाई में निरंतर कमी लाने के लिए आरबीआई अर्जुन की तरह नजर रखेगा। हमारा उद्देश्य खुदरा महंगाई को 4 फीसदी पर लाना है। इसके लिए हम हर जरूरी प्रयास करेंगे। कौटिल्य इकनॉमिक कॉन्क्लेव-2023 में शुक्रवार को दास ने इस बात पर जोर दिया कि मौद्रिक नीति महंगाई घटाने वाली होनी चाहिए। इसके ऐसा होने से ही जुलाई, 2023 में 7.44 फीसदी के उच्चतम स्तर से खुदरा महंगाई में गिरावट जारी है। सितंबर में यह तीन माह के निचले स्तर 5.02 फीसदी पर आ गई। हालांकि, मौद्रिक नीति हमेशा चुनौतीपूर्ण रहती है और इसमें आत्मसंतुष्ट होने की कोई बात नहीं है। गवर्नर ने कहा, मौजूदा भू-राजनीतिक संकट को देखते हुए दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने प्रमुख नीतिगत दरें बढ़ा दी हैं।

हालांकि, महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई ने इस साल फरवरी से नीतिगत दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। यह 6.5 फीसदी पर स्थिर है। भारतीय मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर दास ने कहा, एक जनवरी, 2023 से अब तक रुपये में 0.6 फीसदी गिरावट आई है। इसी अवधि में अमेरिकी डॉलर 3 फीसदी टूटा है। इसलिए रुपया स्थिर है।

सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपये मूल्य के 2,000 के नोट ही चलन में

दास ने कहा, 2,000 रुपये के नोट वापस आ रहे हैं। अब सिर्फ 10,000 करोड़ रुपये मूल्य के नोट ही लोगों के पास हैं। ये नोट भी वापस आ जाएंगे या जमा करा दिए जाएंगे। गवर्नर बोले, फिर से 1,000 रुपये के नोट नहीं आएंगे। हालांकि, कोई आधिकारिक सूचना नहीं आई है।

भारत वैश्विक वृद्धि का नया इंजन बनने के लिए तैयार

शक्तिकांत दास, गवर्नर, आरबीआई ने कहा कि हमारे आर्थिक बुनियादी सिद्धांत व वित्तीय क्षेत्र दोनों मजबूत हैं। भारत वैश्विक वृद्धि का नया इंजन बनने को तैयार है। चालू वित्त वर्ष में हमारी वृद्धि दर 6.5% रहने की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक जीडीपी में महंगाई, धीमी वृद्धि और वित्तीय स्थिरता के मोर्चे पर जोखिम है।

पश्चिम एशिया संकट व क्रूड में तेजी का होगा असर

पश्चिम एशिया में संकट के प्रभाव पर गवर्नर ने कहा, पिछले एक पखवाड़े में अमेरिकी बॉन्ड के रिटर्न में वृद्धि हुई है। इसका अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर व्यापक असर पड़ता है। क्रूड की कीमतें भी बढ़ी हैं। ये कुछ अनिश्चितताएं हैं, लेकिन वे कुछ मामलों में और अधिक स्पष्ट हुई हैं। हर जगह जो भी हो रहा है, उसका असर हम पर पड़ता है। इसमें कोई संदेह नहीं है।

16,000 गुना बढ़ा इस शेयर से मेरा पैसा'

विजय केडिया बोले- पहले सट्टा समझकर खूब हाथ जलाए, सोच बदली तब कमाया पैसा

नई दिल्ली , 21 अक्टूबर (एजेंसिया) 'पहले सट्टे वाली सोच के साथ शेयर बाजार में काम करता रहा और पैसा गंवाता रहा। फिर मैंने मार्केट को लेकर अपना नजरिया बदला और ट्रेडिंग से इन्वेस्टिंग पर फोकस करने लगा। यही वजह रही कि आज मैं एक सफल निवेशक बन गया।' शेयर बाजार में शॉर्ट कट तरीके से पैसा कमाने वाले लोगों के लिए विजय केडिया की ये बातें आंखें खोलने वाली साबित हो सकती है। अगर आप भी शेयर बाजार में लगातार पैसा गंवा रहे हैं तो विजय केडिया की कुछ सलाह पर गौर करना बिल्कुल न भूलें।

विजय केडिया भारतीय शेयर बाजार में आज के वक्त में एक सफल इन्वेस्टर के रूप में जाने जाते है। ऐसा इसलिए क्योंकि

उन्होंने स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर अपनी पूंजी को 16,000 गुना तक बढ़ा लिया। ये वाकई हैरान करने वाली बात है, लेकिन खुद उन्होंने इसका खुलासा किया कि कैसे उन्होंने एक कंपनी के शेयर में निवेश करके 100-200 गुना नहीं बल्कि 16,000 गुना रिटर्न पाया।

19 साल की उम्र में शुरू किया सफर

सीएनबीसी आवाज के मैनेजिंग एडिटर अनुज सिंघल के साथ एक खास पॉडकास्ट 'माय इन्वेस्टमेंट जर्नी' में विजय केडिया ने शेयर बाजार में अपने निवेश मंत्रों को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। विजय केडिया ने बताया कि उन्होंने महज 19 साल की उम्र में शेयर बाजार में कदम रख दिया था। हालांकि, इससे पहले भी वे अपने दादा जी के साथ ट्रेडिंग किया करते थे।

विजय केडिया ने बताया कि हर नए निवेशक की तरह उन्होंने भी शुरुआत में बाजार से पैसा कमाया। लेकिन, और तेजी से पैसा कमाने के चक्कर में उन्होंने फ्यूचर सेगमेंट में हाथ आजमाया और कमाई हुई रकम गंवा दी। इसके बाद उन्होंने तय किया कि ट्रेडिंग में पैसा तेजी से आता है तो उसी रफ्तार से चला भी जाता है इसलिए वे ट्रेडिंग के बजाय इन्वेस्टिंग करने लगे।

50 गुना से 16,000 गुना रिटर्न मिला

विजय केडिया ने बताया कि इन्वेस्टिंग से ना सिर्फ उनका पैसा बना बल्कि उन्हें मानसिक शांति भी मिली। क्योंकि, इसमें पैसा खोने का ज्यादा डर नहीं था। इन्वेस्टिंग करके उन्होंने कई शेयरों से 5 से 7 गुना तक रिटर्न हासिल किया। हालांकि, एक शेयर ने उन्हें सबसे ज्यादा 16,000 गुना रिटर्न दिया। ये शेयर है सेरा सैनिटरीवेयर का, इस स्टॉक का भाव फिलहाल 8899 रुपये है लेकिन किसी समय विजय केडिया ने इस शेयर को 30 रुपये के भाव पर खरीदा था। विजय केडिया ने बताया कि उन्होंने इस शेयर के जरिए डिविडेंड से भी जमकर पैसा कमाया।

भारत के युग की हो गई शुरुआत, बजने वाला है पूरी दुनिया में डंका

इस दिग्गज कंपनी ने कही ये बात

नई दिल्ली , 21 अक्टूबर (एजेंसिया) वैश्विक विनिर्माण के गढ़ के रूप में भारत तेजी से उभर रहा है। एप्पल और गूगल जैसी कई नामी कंपनियों के उत्पाद अब भारत में बनने लगे हैं। एप्पल के आईफोन की मैन्युफैक्चरिंग पहले ही भारत में शुरू हो चुकी है। अब गूगल ने अपने फ्लैगशिप स्मार्टफोन पिक्सल की मैन्युफैक्चरिंग भारत में शुरू करने का ऐलान किया है।

इस कारण अहम है ये बात

दिग्गज कॉन्ट्रैक्ट इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग फर्म फॉक्सकॉन ने इसे लेकर एक बड़ी महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। फॉक्सकॉन की मानें तो दुनिया में भारत के युग की शुरुआत हो चुकी है और अब पूरी

दुनिया में मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत का डंका बजने वाला है। यह टिप्पणी इस कारण भी खास हो जाती है क्योंकि स्मार्टफोन जैसे डिवाइसेज के बाद भारत में बड़े पैमाने पर सेमीकंडक्टर और ईवी की मैन्युफैक्चरिंग की तैयारियां चल रही हैं।

फॉक्सकॉन के इंडिया रिप्रजेंटेटिव की टिप्पणी

फॉक्सकॉन के इंडिया रिप्रजेंटेटिव वी ली ने प्रोफेशनल सोशल नेटवर्क लिंक्डइन पर इस बारे में एक पोस्ट किया। उन्होंने 18 अक्टूबर को आयोजित हुए कार्यक्रम होन हाई टेक डे 2023 की तस्वीरें साझा की। तस्वीरों के साथ में उन्होंने लिखा, भारत को लेकर बेशुमार आकांक्षाएं लिए शानदार कार्यक्रम, यह भारत के युग की शुरुआत है, जो ईवी और सेमीकंडक्टर को समर्पित है।

चीन से भारत में कर रही है शिफ्ट

होन हाई प्रीसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड ताईवान में मुख्यालय वाली एक बहुराष्ट्रीय कंपनी है। यह फॉक्सकॉन की पैरेंट कंपनी है। फॉक्सकॉन एप्पल के लिए आईफोन समेत अन्य डिवाइसेज को कॉन्ट्रैक्ट पर मैन्युफैक्चर करती है। कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग अभी तक चीन केंद्रित रही है, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। फॉक्सकॉन अपनी मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हिस्सा भारत में शिफ्ट कर रही है।

गूगल ने किया है ये ऐलान

एप्पल के कई अन्य कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर भारत में आईफोन बना रहे हैं। हाल ही में लॉन्च आईफोन 15 का विनिर्माण भारत में हुआ है, जिसे कई अन्य बाजारों में यहां से निर्यात भी किया जा रहा है। गूगल ने इसी सप्ताह एक कार्यक्रम में ऐलान किया है कि उसके फ्लैगशिप पिक्सल फोन की मैन्युफैक्चरिंग भारत में शुरू होगी। फॉक्सकॉन की बात करें तो हाल ही में कई मीडिया रपटों में बताया गया था कि कंपनी तमिलनाडु में ईवी मैन्युफैक्चर शुरू करने की तैयारी कर रही है। उसके अलावा कंपनी सेमीकंडक्टर के लिए लाई गई पीएलआई योजना का लाभ उठाते हुए सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने की भी तैयारी में है।

दिवाली-छठ के चलते आसमान पर पहुंचा हवाई किराया, पटना से सस्ता है दुबई-बैंकॉक जाना

नई दिल्ली , 21 अक्टूबर (एजेंसिया) फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में दिवाली और छठ की छुट्टियों में लोग अपने घर जाते हैं। इस दौरान पटना-बिहार जाने वालों की संख्या ज्यादा होती है। जहां एक तरफ ट्रेन की लगभग सभी सीटें फुल हो चुकी हैं और लोगों को वेटिंग में टिकट लेने में मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं, फ्लाइट टिकट के रेट भी आसमान छूने लगे हैं। दिवाली-छठ के चलते बिहार जाने वाली ज्यादातर फ्लाइट्स के रेट्स भारी डिमांड की वजह से दोगुने हो गए हैं। जबकि इससे सस्ते टिकट दुबई और बैंकाक के लिए मिल रहे हैं। ट्रैवल वेबसाइट मेकमाईट्रिप के मुताबिक, 22 अक्टूबर को दिल्ली से पटना की सबसे सस्ती फ्लाइट टिकट 7,003 रुपए की है। वहीं, दिवाली के करीब यानी 9 नवंबर को सबसे सस्ती टिकट 12173 रुपये में मिल रही है। 10 नंवबर को दिल्ली से पटना जाने के लिए अभी सबसे सस्ती टिकट की कीमत 14878 रुपये है तो 11 नवंबर को इसके लिए आपको 15,823 रुपये चुकाने होंगे।वहीं, स्पाइसजेट 11 नवंबर को नई दिल्ली से बैंकॉक की डायरेक्ट फ्लाइट की टिकट 11,466 रुपये में दे रही है। इसी तरह फिलहाल नई दिल्ली से दुबई के लिए 11 नवंबर की एयर इंडिया की टिकट 13,101 रुपये में मिल रही है। नेपाल की राजधानी काठमांडू हवाई जहाज से जाना भी 11 नवंबर को दिन पटना जाने से सस्ता है। काठमांडू का टिकट एयर इंडिया 7,050 रुपये में दे रही है।

कई रूट्स पर बढ़ा है किराया

दिवाली और छठ पर दिल्ली-पटना ही नहीं कई अन्य रूट्स पर भी किराया बहुत ज्यादा बढ़ चुका है। मुंबई से पटना दिवाली और छठ में जाना चाहता है तो 9 से 17 नवंबर के बीच यात्रा के लिए सबसे सस्ता टिकट के लिए 12934 से लेकर 18,152 रुपये खर्च करने होंगे। मुंबई से जयपुर का किराया भी 9 से 11 नवंबर के बीच 8739 से 9384 रुपये पर जा पहुंचा है। बेंगलुरू से पटना आम दिनों में 9200 रुपये के करीब रहता है। दिवाली पर इस रूट का हवाई किराया 13,800 तक जा पहुंचा है।

सोने-चांदी की कीमतों में रेकॉर्ड तेजी, 750 रुपये महंगा हो गया गोल्ड, क्या हैं लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली , 21 अक्टूबर (एजेंसिया) सोने और चांदी की कीमतों सोने चांदी की कीमत आज में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। पिछले दिनों 56 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच रहे गोल्ड के भाव अब 60 हजार रुपये के ऊपर निकल गए हैं। वहीं चांदी की कीमतों में भी तेजी आई है। बता दें कि वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बीते शुक्रवार को सोना 750 रुपये की बढ़त के साथ 61,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इतनी महंगी हुई चांदी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''विदेशी बाजार में मजबूत बढ़त के बाद शुक्रवार को सोने की कीमत में तेजी आई।''

चांदी की कीमत भी 500 रुपये की मजबूती के साथ 74,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। वैश्विक बाजारों में सोना तेजी के साथ 1,980 डॉलर प्रति औंस हो गया। चांदी की कीमत भी तेजी के साथ 23.20 डॉलर प्रति औंस हो गयी। गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर चिंताओं के कारण जिंस बाजार में हाजिर सोना शुक्रवार को लगभग चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सात साल पहले पनामा पेपर्स में आया जिस शख्स का नाम

अब ईडी ने उसकी अवैध विदेशी संपत्ति को लेकर लगाए आरोप

नई दिल्ली , 21 अक्टूबर (एजेंसिया) अघोषित विदेशी संपत्ति रखने के मामले में पनामा पेपर्स में नामित व्यक्ति की मुश्किलें बढ़ सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मामले में व्यक्ति के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। बता दें आरोपी संजय विजय शिंदे, उनकी पत्नी अपर्णा और वीनस बे ऑफशोर लिमिटेड नाम की कंपनी के खिलाफ अभियोजन शिकायत 18 अक्तूबर को भोपाल में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत में दायर की गई थी और अदालत ने शुक्रवार को आरोप पत्र पर संज्ञान लिया। आयकर विभाग ने पनामा पेपर्स लीक की जांच के तहत व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की। वाशिंगटन स्थित इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इंवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स द्वारा 2016 में पनामा की कानूनी फर्म मोसैक फोंसेका के रिकॉर्ड के भंडार की जांच को 'पनामा पेपर्स' नाम दिया गया था, जिसमें कई विश्व नेताओं और मशहूर हस्तियों के नाम शामिल थे, जिन्होंने कथित तौर पर विदेशों में धन छुपाया था। उनमें से कुछ के पास वैध विदेशी खाते होने की बात कही गई थी। इसमें भारत से जुड़े कुल 426 मामले थे ईडी ने कहा कि शिंदे ने टैक्स हेवन ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) में वीनस बे ऑफशोर लिमिटेड के नाम से एक ऑफशोर कंपनी स्थापित की।

भारत ने रूस से खरीदा करीब 12% ज्यादा कच्चा तेल

सऊदी अरब से आयात लगभग 22 फीसदी घटा

नई दिल्ली , 21 अक्टूबर (एजेंसिया) सितंबर में रूस से भारत का मासिक कच्चा तेल आयात 11.8 फीसदी बढ़कर लगभग 15.4 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) हो गया है। साथ ही, सऊदी अरब से आयात लगभग 22 फीसदी घटकर 5,27,000 बीपीडी हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि भारत के अप्रैल-सितंबर में कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी एक साल पहले के 17 फीसदी से बढ़कर लगभग 40 फीसदी हो गई है। आयात में अफ्रीका की हिस्सेदारी आधी होकर 4 फीसदी हो गई, जबकि अमेरिकी तेल की हिस्सेदारी 2.8% से बढ़कर 3.2 फीसदी हो गई। मध्य पूर्वी देशों की हिस्सेदारी लगभग 60 फीसदी से घटकर 44 फीसदी हो गई। भारत का अप्रैल-सितंबर तेल आयात एक साल पहले से 1.6 फीसदी कम होकर लगभग 45 लाख बीपीडी हो गया है।

ओपेक ने की तेल बाजारों को स्थिर करने में मदद

रूस ने कहा कि प्रमुख तेल उत्पादकों के समूह ओपेक प्लस ने तेल बाजारों को स्थिर करने में मदद की है। रूसी तेल पर मूल्य सीमा के रूप में पश्चिमी हेरफेर के बावजूद बाहरी दबाव का विरोध किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एलेक्सी जैतसेव ने शुक्रवार को साप्ताहिक बैठक में कहा कि रूस वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए एक

जिम्मेदार आपूर्तिकर्ता है और ओपेक प्लस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है।

कई हफ्ते की गिरावट के बाद 1.15 अरब डॉलर बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार

लगातार कई सप्ताह तक गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 1.153 अरब डॉलर बढ़कर 585.895 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 2.166 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। अक्तूबर, 2021 में देश के पास रिकॉर्ड 645 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 13 अक्तूबर वाले सप्ताह में विदेशी मुद्रा संपत्ति 17.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 519.351 अरब डॉलर रह गई। इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 1.26 अरब डॉलर बढ़कर 43.57 अरब डॉलर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास भारत का रिजर्व भंडार 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.97 अरब डॉलर पार पहुंच गया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य- दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-14**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यअस्त - **17-46**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - **19 -59-** तक उपरान्त नवमी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , रविवार **22 October**
नक्षत्र - उत्तराषाढा - **18- 43** - तक उपरान्त श्रवण
योग - धृति - **21 - 52** - तक उपरान्त शूल
करण- विष्टि - **08 -59** - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - दुर्गाअष्टमी सरस्वति विसर्जन

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	05-57 बजे
चंद्र-	मकर में	वृश्चिक.	08-06 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	10-20 बजे
बुध-	तुला में	मकर..	12-27 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	14-17 बजे
शुक्र-	सिंह में	मीन --	15-55 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	17-31 बजे
राहु-	मेष में	वृष--	19-16 बजे
केतु-	तुला में	मिथुन..	21-16 बजे
		कर्क...	23-28 बजे
		सिंह...	01-41 बजे
		कन्या..	03-47 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:22 से 17:49 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:14 - 07:39 अशुभ	शुभ.	17:46 - 19:22 शुभ
चंचल	07:39 - 09:06 शुभ	अमृत	19:22 - 20:55 शुभ
लाभ	09:06 - 10:33 शुभ	चंचल	20:55 - 22:28 शुभ
अमृत	10:33 - 12:00 शुभ	रोग	22:28 - 00:01 अशुभ
काल.	12:00 - 13:28 अशुभ	काल	00:01 - 01:34 अशुभ
शुभ.	13:28 - 14:55 शुभ	लाभ	01:34 - 03:06 शुभ
रोग	14:55 - 16:22 अशुभ	उत्पात	03:06 - 04:39 अशुभ
उत्पात	16:22 - 17:46 अशुभ	शुभ	04:39 - 06:14 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपको मदद की जरुरत है और आप जितनी जल्दी यह बात समझ लेंगे उतना ही अच्छा है । समय रहते किसी दोस्त या मेंटर से मिली मदद से आप फिर से जीवन में आपस आ पायेंगे। जिन बदलावों का आप विरोध करते आ रहे हैं ,उनकी महत्ता आपको अब समझ में आएगी और आप खुद उन्हें करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे । अपनी व्यवहारिक जरूरतों के रास्ते में अपने अहम को न आने दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेहतर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

गृहों की इस स्थिति में आपका परा फोकस फिट रहने पर है । आप खुद को फिट रखने के लिए उत्साहित हैं । आपकी योग में भी रुचि है ।आप अपनी स्वस्थ जीवन जीने की इच्छा को पहचान भी रहे हैं । एक बार में एक ही कदम उठायें । चाहे खाना हो या मजे लेने हों,स्वास्थ्यकर विकल्प ही चुनें ।पार्टी करें या काम,अपनी सेहत का पूरा ध्यान रखें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं । यह समय एक सख्त शारीरिक कार्यक्रम शुरू करने के लिए बिलकुल उपयुक्त है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें ।आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप पुराने विचारों को छोड़कर नए विचारों को अपना रहे हैं । आज कुछ अलग ना सोचें,इसका प्रभाव औरों पर अच्छा न पड़ेगा । कोई भी काम करने से पहले ये मूल्याकंन दुबारा कर लें कि आप वास्तव में चाहते क्या हैं। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नया वाहन और दूसरी चीजें खरीदने हेतु समय उपयुक्त है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे । अंतिम परिणाम अच्छा ही होगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आपको अपने दोस्तों के बीच लोकप्रिय होने के लिए थोडा नम्र बनना होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

निठारी में जिस आरी से बच्चों को काटा, वो गायब

पीड़ित बोले- पुलिसवाले कहते थे, तेरी 8 साल की बेटी का अफेयर था

नोएडा, 21 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 17 साल, 38 गवाह और 439 दिन की सुनवाई। हाईकोर्ट ने निठारी कांड में मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा, 'सीबीआई ने इंवेस्टिगेशन के बेसिक रूल्स का बेशर्मी से उल्लंघन किया, जन आस्था से धोखा किया। एक गरीब नौकर को राक्षस बनाकर फंसाने की साजिश रची।'

हालांकि, जिनके बच्चों की हत्या हुई, वे कह रहे हैं- 'हमें इंसाफ नहीं मिला।' पीड़ित पक्ष के वकील दावा कर रहे हैं कि सीबीआई ने सारे सबूत कोर्ट में ही नहीं रखे, जिससे कोली और पंढेर छूट गए। कोली ने जिस आरी से बच्चों को काटा था, वह भी गायब हो गई। सीबीआई ने चार्जशीट में उसका जिक्र तक नहीं किया।

नोएडा के निठारी गांव में 2006 में यह केस सामने आया था। सेक्टर-20 थाने में एफआईआर हुई, फिर जांच में डी-5 कोठी के पास के नाले से कई नर कंकाल मिले। कोठी के मालिक मोनिंदर सिंह पंढेर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली को अरेस्ट किया गया।

हंगामा बढ़ा तो केस केंद्रीय जांच एजेंसी यानी सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया। गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट ने पंढेर और कोली को दोषी माना और फांसी की सजा दी, लेकिन हाईकोर्ट में केस पहुंचा तो सबूतों के अभाव में दोनों बरी हो गए।

'आज लग रहा है कि बेटी की फिर से हत्या हो गई'

ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी में रहने वाले देवीलाल (बदला हुआ नाम) की 8 साल की बेटी का भी मर्डर हुआ था। वे 2006 में निठारी गांव में किराये पर रहते थे। डी5 कोठी के पास नाले से देवीलाल की 8 साल की बेटी का भी कंकाल मिला था। यूपी सरकार ने उस वक्त निठारी के पीड़ितों को फ्लैट दिए थे। तब देवीलाल ने फ्लैट लेने से इनकार करते हुए, बेटी के लिए सिर्फ न्याय मांगा था।

देवीलाल कहते हैं, '17 साल बाद लग रहा है कि मेरी बेटी की फिर से हत्या हो गई है। स्कूल ड्रेस में बेटी की तस्वीर दिखाते हुए कहते हैं, उस दिन वो स्कूल से लौटी थी। कुछ सामान लेने घर से बाहर गई, फिर नहीं लौटी। हम तो ये भी नहीं जानते कि उन दोनों ने मेरी बेटी के साथ किया क्या था?'

हल्दौनी में देवीलाल ने जो घर बनाया है, उसमें सिर्फ ईंटों का स्ट्रक्चर खड़ा है। दीवार पर एक जगह बेटी की तस्वीर टांगी है। कुछ बोलने वाले थे, तभी तस्वीर को देखते हुए रो पड़े। कुछ देर में संभलते हुए बोले, 'परिवार के साथ बिटिया को कहां नहीं ढूंढा। राजस्थान, पंजाब, एमपी, यूपी जिसने जहां कहा, वहां गया। हमें क्या पता था कि दुनिया में जिसे ढूंढ रहा हूं, वो हमारे घर के पास ही है।'

8 साल की बेटी के लिए पुलिसवाले बोलते थे- अफेयर था, भाग गई होगी

पुलिस ने कितना सपोर्ट किया? इस सवाल पर देवीलाल के चेहरे पर गुस्सा नजर आता है। वे बताते हैं, 'पुलिसवाले थाने में बुलाकर पूरे दिन बैठाए रखते थे। तब एसएसपी के पास गया तो केस दर्ज किया। फिर जांच नहीं कर रहे थे, एक दिन पुलिसवालों ने कहा, क्यों यहां दिनभर बैठे रहते हो। तुम्हारी बेटी का अफेयर था, भाग गई होगी किसी के साथ।'

देवीलाल पूछते हैं, 'बताइए, 8 साल की बच्ची का किसी के साथ अफेयर हो सकता है क्या? कौन बाप होगा इतना बर्दाश्त करेगा? हमने सब कुछ सहा, सब सुनते रहे, इसी आस में कि मेरी बेटी को इंसाफ मिलेगा, लेकिन 17 साल बाद मैं उसी जगह हूं, जहां से ये लड़ाई शुरू की थी।'

देवीलाल ने कहा, 'दरिंदों के लिए रात में 2 बजे जज को उठाया जाता है। कोर्ट लगती है, फिर उनकी फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया जाता है। नोएडा पुलिस ने इतना कुछ रिकवर किया था, सीबीआई के पास भी ये सबूत थे, फिर कोर्ट में क्यों नहीं पेश किए गए। राक्षसों पर इतनी मेहरबानी क्यों हुई। हमारी बेटी की हत्या इन दोनों ने नहीं की है, फिर पुलिस बताए गुनहगार कौन है?'

पुलिस जब डी5 कोठी की तलाशी के लिए पहुंची तो देवीलाल भी मौजूद थे। देवीलाल ने बताया, 'कई बच्चों के कपड़े और चप्पल कोठी में मिले थे। हमारे पड़ोस में नेपाल का एक परिवार रहता था। उसकी पत्नी लोगों के घरों में काम करती थी। कोली ने उसे काम करने के लिए कोठी में बुलाया था। इसके बाद से वह लापता हो गई। जब पुलिस कोठी में पहुंची तो एक बोरे में उसका शव मिला था।'

पीड़ित बोले- सरकार ने भरोसा तोड़ दिया, 17 साल तक हमारे साथ सिर्फ धोखा हुआ

ड्राइवर रामदास (बदला हुआ नाम) की भी 6 साल की बेटी लापता हुई थी। वे सेक्टर-30 में 1995 से रहते थे। सेक्टर-30 निठारी गांव के ठीक सामने है। रामदास बताते हैं, '25 सितंबर 2006 का दिन था। मालिक के बेटे को लेकर दिल्ली गया था, तभी घर से फोन आया कि बेटी नहीं मिल रही है। मुझे लगा कि बच्ची है, आसपास कहीं घूमने चली गई होगी। जब रात तक बेटी नहीं आई तो चिंता हुई।'

रामदास गुस्से में कहते हैं, 'पुलिस की सारी लापरवाही है। बड़े लोग थे, उनके प्रभाव में आकर केस की हत्या कर दी गई। इतने सबूत मिले थे, कोर्ट तक वही पहुंचे जिनसे कोली और पंढेर को सजा न हो। पहले पुलिस ने सबूत गायब किए, बाद में सीबीआई ने भी वैसा ही किया। डी5 की कोठी से बड़ा सा चाकू मिला था, कोई पूछ सकता है सीबीआई से कि उसे कोर्ट में सबूत के रूप में क्यों नहीं पेश किया।'

हाईकोर्ट ने कोली और पंढेर को रिहा कर दिया, इस पर क्या कहेंगे? रामदास बेटी की तस्वीर को देखते हुए कहते हैं- 'हम गरीब लोग हैं साहब, कोर्ट-कचहरी के इतने चक्कर नहीं लगा सकते। सरकार ने हमारा भरोसा तोड़ दिया।'

'अब लग रहा 17 साल से हमारे साथ सिर्फ धोखा हुआ। हमारी उम्मीद तो योगी और मोदी से ही है। वे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की बात करते हैं। मेरी बेटी भी तो उनकी बेटी जैसी ही थी, वे लोग ही अब इंसाफ दिला सकते हैं।'

झाड़ियों से ढंक गई है कोठी, लोग पत्थर फेंककर उतारते हैं गुस्सा

पीड़ितों से बात करने के बाद हम निठारी की डी5 कोठी देखने गए। कोठी के सामने से निकल रहे लोग अब उस तरफ देखना भी नहीं चाहते। कोठी के सामने खड़ा था, तभी एक शख्स आया, कुछ पत्थर उठाए और कोठी की तरफ फेंके और चला गया। आसपास के लोगों ने बताया ये पीड़ित परिवारों के गुस्सा निकालने का तरीका है।

17 साल पहले जो कोठी चमकती थी, वो अब खंडहर हो चुकी है। झाड़ियों के जाल से ढंक गई है। लोग कोठी को नुकसान न पहुंचा दे, इसलिए पुलिस ने मेनगेट के सामने एक दीवार उठा दी है। कोठी के पास ही हमारी मुलाकात एक टेलर से हुई।

उन्होंने बताया, 'कोठी के आसपास लोग रेहड़ी भी नहीं लगाते हैं। इस जगह को भूतिया बोलते हैं।' फिर आपने यहां कैसे काम करते हैं? इस सवाल पर टेलर ने हनुमान जी की फोटो की तरफ इशारा करते हुए कहा, इनकी शरण में बैठा हूं, इसलिए डर नहीं है।

हाईकोर्ट से कोली और पंढेर क्यों रिहा हो गए

निठारी कांड के कानूनी पक्ष को समझने के लिए हम इस केस के 16 पीड़ितों के वकील खालिद खान से मिले। खालिद ने कहा, 'सीबीआई ने कई एविडेंस कोर्ट में पेश नहीं किए। कोठी से नोएडा पुलिस को एक आरी मिली थी, उसी से कोली बच्चों को काटता था। कोली ने नोएडा पुलिस को ये बयान दिया था। पुलिस ने सीबीआई को केस ट्रांसफर किया तो ये आरी और बयान भी ट्रांसफर किया, लेकिन चार्जशीट से ये गायब था। केस को कमजोर करने की ये बड़ी वजह बना।'

हाईकोर्ट में केस कमजोर होने की दूसरी वजह खालिद ने मुल्जिम के मौके पर न होने को बताया। खालिद ने कहा, 'जब भी लड़की गायब होती, तो पंढेर कोठी से दूर हो जाता। कभी मुंबई, चंडीगढ़ या ऑस्ट्रेलिया में होता था। इस पॉइंट को लोअर कोर्ट ने तरजीह नहीं दी, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे अहम मान लिया।'

केस के कमजोर होने की तीसरी वजह गवाह का न होना। वकील खालिद ने बताया, 'किसी ने कोली या पंढेर को लड़कियों को मारते, काटते या अगवा करते नहीं देखा था।'

पंढेर ने कहा था- एक साल में कई बच्चों का यौन शोषण किया, मैं माफी मांगता हूं

वकील खालिद खान मोनिंदर सिंह पंढेर का स्टेटमेंट पढ़कर सुनाते हैं। इसमें उसने कहा था कि जिस रात मुझे लड़की नहीं मिलती, नींद नहीं आती थी। मैं कोली से कहता कि कुछ इंतजाम करो। तब वो दरवाजे पर जाता और जो लड़का या लड़की मिलती, उसे घर में ले आता। इस तरह मैंने एक साल में कई बच्चों का यौन शोषण किया। इसके लिए मैं माफी मांगता हूं।

खालिद खान कहते हैं, 'पंढेर ने नोएडा पुलिस को ये बयान दिया था। सीबीआई ने जो चार्जशीट पेश की, उसमें इस बयान का जिक्र ही नहीं किया।'

खालिद खान कहते हैं, 'सुरेंद्र कोली 7 साल की सजा काट चुका है। उसे एक केस में 7 साल जेल की सजा सुनाई गई है, जो इसमें जुड़ जाएगी। फिर भी अभी उसके रिहा होने की संभावना नहीं है, क्योंकि दूसरे केस में उम्रकैद की सजा मिली है।'

2005 और 2006 में हुए निठारी कांड में 19 बच्चियों, युवतियों और महिलाओं की रेप के बाद हत्या हुई थी। आरोप लगे कि इन्हें मारकर हत्यारों ने खा लिया। इस मामले में 19 एफआईआर दर्ज हुई थी। तीन मुकदमों में पुलिस ने साक्ष्य के अभाव में क्लोजर रिपोर्ट लगा दी। 16 मुकदमों में सीबीआई कोर्ट गाजियाबाद का फैसला आया, जिसमें 13 एफआईआर में सुरेंद्र कोली को सजा-ए-मौत सुनाई और तीन में बरी किया गया।

पंढेर को दो मुकदमों में फांसी, एक मुकदमे में सात साल की सजा सुनाई गई और चार मुकदमों में बरी किया गया था। फांसी की सजा के खिलाफ दोनों दोषियों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर की थी, जहां से उन्हें बरी कर दिया गया।

डी-5 कोठी में जो अंदर गया, नहीं लौटा

नोएडा पुलिस की एफआईआर के मुताबिक, डी-5 कोठी में पंढेर और उसका नौकर कोली रहता था। पंढेर पंजाब में चंडीगढ़ का रहने वाला था। साल 2000 में उसे ये कोठी खरीदी, फिर 3 साल तक उसका परिवार भी भी इसी कोठी में रहा। इसके बाद परिवार वापस पंजाब चला गया और पंढेर नौकर कोली के साथ रहने लगा।

कोली उत्तराखंड के अल्मोड़ा का रहने वाला है। पंढेर कोठी में कॉलगर्ल बुलाता था। एक बार कोली ने कोठी में आई कॉलगर्ल से संबंध बनाना चाहा, उसके इनकार पर हत्या करके शव नाले में फेंक दिया था। कोठी के अंदर यह पहला मर्डर था।

रिक्शेवाला न होता तो शायद केस ही न खुलता

एक रिक्शेवाले की वजह से निठारी कांड का खुलासा हुआ था। 7 मई 2006 को एक लड़की रिक्शे से कोठी में गई थी। रिक्शा चलाने वाला लड़की के पिता को पहचानता था।

काफी देर तक लड़की कोठी से नहीं निकली, तो उसने दरवाजे की घंटी बजाई। कोठी से कोली निकला, उसने बताया कि लड़की अपने घर चली गई है।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 2 माओवादी ढेर

डीआरजी के जवानों को आता देख की फायरिंग दोनों के शव और बंदूक बरामद, सर्चिंग जारी

कांकेर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा इलाके में शनिवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में डीआरजी के जवानों ने 2 नक्सलियों को ढेर कर दिया। मारे गए नक्सलियों की अभी पहचान नहीं हो सकी है। घटनास्थल से दो शव, एक इंसास राइफल और एक भरमार बंदूक बरामद किया गया। एसपी दिव्यांग पटेल ने मुठभेड़ की पुष्टि की। दरअसल कोयलीबेड़ा के चिलपरस और गोमे के पास नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना जवानों को मिली थी। जिसके बाद डीआरजी के जवानों की टुकड़ी मौके पर रवाना की गई। शनिवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे घात लगाए बैठे नक्सलियों ने जवानों को आता देख फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी तत्काल मोर्चा

संभालते हुए जवाबी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के बाद नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग निकले। मुठभेड़ के बाद जवानों की टीम घटनास्थल पर सर्चिंग कर रही है। एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि जवानों की टुकड़ी अभी जंगल में ही मौजूद है। उनके लौटने के बाद पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा। बता दें कि विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही नक्सली एक्टिव मोड पर हैं। दो दिन पहले ही नक्सलियों ने बड़ी संख्या में बैनर पोस्टर लगाकर चुनाव बहिष्कार का एलान किया था। नक्सलियों की गतिविधि बढ़ने से पुलिस भी एलर्ट मोड है और लगातार सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं।

पंडालों में बजाना होगा डेंगू जागरूकता का ऑडियो क्लिप

जमशेदपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम के 300 से अधिक पूजा पंडालों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी डेंगू जागरूकता का ऑडियो क्लिप बजाना अनिवार्य होगा। भक्ति गीत और भजनों के बीच-बीच में उक्त ऑडियो क्लिप प्रचारित किया जाएगा, ताकि पंडालों में देवी के दर्शन को आने वाले श्रद्धालु डेंगू को लेकर जागरूक हो सके।

इसे लेकर डेंगू जागरूकता टीम घूम-घूम कर हर पूजा-पंडालों को उक्त ऑडियो क्लिप बांट रही है। महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ असद और मलेरिया इंस्पेक्टर श्रवण कुमार ने शुक्रवार को बर्मामाइंस, भुइयांडीह और गोलपहाड़ी पूजा-पंडाल में पहुंचकर वहां जलजमाव और डेंगू के लार्वा की जांच की। हर पंडाल में स्वास्थ्य विभाग की ओर से बैनर और फ्लेक्स भी लगाए गए हैं।

भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या

मोहला-मानपुर में अज्ञात लोगों ने घर में घुसकर की फायरिंग, अरुण साव बोले- ये टारगेट किलिंग

मोहला-मानपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मोहला मानपुर जिले में बीजेपी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को बीजेपी नेता बिरजूराम तारम के घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया गया है। मामला औंधी चौकी क्षेत्र के सरखेड़ा गांव का मामला है।

बताया जा रहा है कि 56 साल के भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बिरजूराम के घर हथियारों से लैस कुछ अज्ञात लोग पहुंचे थे। इस वारदात में नक्सलियों का हाथ होने की भी आशंका जताई रही है। हालांकि इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो सकी है। सरखेड़ा वही गांव है जहां जून में अज्ञात लोगों ने मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा को नदी के किनारे ले जाकर आग के हवाले कर दिया था। इसके बाद यहां बवाल भी मचा।

शुक्रवार को मोहला में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह की सभा थी। रमन सिंह मोहला-मानपुर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी संजीव शाह की नामांकन रैली में पहुंचे थे। मोहला की सभा में बिरजू भी शामिल थे। वहां से

लौटने के बाद सरखेड़ा में देर शाम उनकी हत्या की गई।

वारदात पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस शासन में भाजपा कार्यकर्ता की टारगेट किलिंग हो रही है। अरुण साव ने बताया कि पहले भी मोहल-मानपुर में ही भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को मारने-काटने की धमकी दी गई थी। हत्या की वारदात के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कानून की व्यवस्था बद से बदतर हो गई है। लगातार हत्याओं का दौर चल रहा है। आज फिर एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई है। यह चुनाव में हमारे कार्यकर्ताओं को डराने का प्रयास है क्योंकि कांग्रेस विधायक की उपस्थिति में भाजपा कार्यकर्ताओं को काट डालने की धमकी दी गई थी। यह हत्या स्थानीय विधायक के संरक्षण में की गई है।

वहीं मामले में भाजपा के जिला मंत्री राजू टांडिया ने कहा कि कुछ दिनों पहले आदिवासी समाज के नेता सुरजू टेकाम ने भरी सभा में चुनाव के दौरान भाजपा नेताओं के पहुंचने पर काट डालने की धमकी भी दी थी। उनके खिलाफ एफआईआर हुई लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। उस मंच पर स्वयं विधायक इंद्रशाह मंडावी भी मौजूद थे। इसका वीडियो वायरल भी हुआ था।

छत्तीसगढ़ में आचार संहिता लगी हुई है। प्रदेश में पहले चरण का मतदान 7 नवंबर को होगा इसमें मोहला-मानपुर सीट भी शामिल है। वारदात वाले दिन ही यहां नामांकन का भी आखिरी दिन था। प्रदेश में पहले चरण में 20 सीटों पर वोटिंग होनी है।

भाजपा नेता को चार गोलियां लगी

बताया जा रहा है कि सरखेड़ी धुर नक्सल इलाका है। भाजपा नेता को चार गोलियां लगी हैं, जिसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने बताया कि शाम को मर्डर की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है। गोली मारकर हत्या की गई है। घटना को गंभीरता से लेते हुए सभी पहलू पर जांच की जा रही है।

भूपेश बोले- अमित शाह ईश्वर को मानते हैं क्या?

गृहमंत्री के दंतेश्वरी मंदिर जाने पर सीएम का सवाल, कहा- शाह तो जैन हैं

रायपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम भूपेश बघेल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 19 अक्टूबर को बस्तर दौरे के दौरान मां दंतेश्वरी के दर्शन को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि, अमित शाह तो जैन हैं और जैन लोग वैसे भी ईश्वर को कहां मानते हैं। फिर उन्होंने पूछा, मानते हैं क्या? भूपेश बघेल शुक्रवार को बस्तर दौरे से लौटे थे।

दरअसल, ये सारा विवाद सितंबर में अमित शाह के डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी के दर्शन से शुरू हुआ। मंदिर में लगे तिलक को पोछते उनका वीडियो वायरल हुआ था। शाह एक बार फिर 16 अक्टूबर को राजनांदगांव के दौरे पहुंचे तो भूपेश बघेल ने

उन्हें मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने की सलाह दी।

भूपेश बघेल ने इसे लेकर ट्वीट भी किया था। उन्होंने शाह के दौरे के दौरान लिखा था कि नवरात्रि के दिनों में तो दूर-दूर से लोग मां बम्लेश्वरी के दर्शन को आते हैं। प्रदेश के भाजपा नेताओं ने या तो कहा नहीं, या अमित शाह जी ने सुना नहीं, जो भी हो, राजनांदगांव में होते हुए मां बम्लेश्वरी जी के दर्शन करने जरूर जाना चाहिए था। माता सबको आशीर्वाद देती हैं। पिछली बार जब आप गए थे तो आपने और पूर्व मुख्यमंत्री जी ने मां बम्लेश्वरी मंदिर के तिलक को मिनरल वॉटर से साफ किया था। अगर उसका भी प्रायश्चित करना हो तो भी आप जाकर माफी मांग सकते थे, मां माफ कर देती। अगली बार जब आइएगा, तो मंदिर जरूर जाइएगा।

वहीं बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर को लेकर भूपेश ने कटाक्ष किया कि माथुर जी यहीं है क्या? आजकल दिख नहीं रहे हैं। आज कल मैं देख रहा हूं कम दिखाई दे रहे हैं, जैसे हंटर वाली गई, मेघवाल जी गए है वैसे ही माथुर साहब भी नहीं दिख रहे, केवल मांडवीया जी नज़र आ रहे हैं। कहीं प्रथम चरण के बाद दूसरे चरण के लिए कोई दूसरा आ जाए।

सीएम भूपेश बघेल ने कहा कल से दूसरे चरण का नामांकन शुरू होंगे। बीजेपी तेजी से रंग बदल रही है। पहले बोले छग की धान खरीदते है। पांच साल पहले बोले नगरनार किसी के हाथ में नहीं जाएगा। फिर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बनी कमेटी के जरिए इसके निजीकरण की तैयारी की। नगरनार निजी हाथों में नहीं जाएगा, ये बस्तर के लोगों ने तय कर लिया है।

राज्यपाल के जन्मदिन पर बांटीं मिठाइयां

रांची, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के निर्देश पर उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में शुक्रवार को राज भवन के पदाधिकारियों ने वनबंधु परिषद में संचालित करुणा और चेशायर होम में बच्चों व दिव्यांगों के बीच मिठाई व चॉकलेट का वितरण किया।

इधर, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल को उनके जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की कामना की है।

चुनाव के काम में बरती लापरवाही, प्रशिक्षण में नहीं हुए उपस्थित, 14 कर्मचारियों को भेजा गया नोटिस

कबीरधाम, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे के निर्देश पर निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने और प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले 14 कर्मचारियों को नोटिस भेजा गया है।

जारी आदेश में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के लिए मतदान दलों का प्रशिक्षण गत दिवस आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान मतदान दल के पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी क्रमांक दो और मतदान अधिकारी क्रमांक तीन सहित कुल 14 कर्मचारी प्रशिक्षण में अनुपस्थित पाए जाने पर नोडल अधिकारी प्रशिक्षण विधानसभा निर्वाचन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संदीप कुमार अग्रवाल ने नोटिस जारी करते हुए दो दिवस के भीतर उपस्थित होकर जवाब देने कहा है।

मिली जानकारी अनुसार, कुल 14 कर्मचारियों में से तीन पीठासीन अधिकारी, चार मतदान अधिकारी क्रमांक दो और सात मतदान अधिकारी क्रमांक तीन शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण एवं वर्गीकरण नियम 1965 के तहत कारण बताओ सूचना जारी करते हुए कर्मचारियों से कहा गया कि निर्वाचन काम के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण में उपस्थित नहीं होना शासकीय कार्यों के प्रति घोर उदासीनता लापरवाही को दर्शाता है। समय सीमा में जवाब नहीं देने और जवाब समाधान कारक नहीं होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्रवाई करने की बात कहते हुए कर्मचारियों को नोटिस जारी किया गया है।

जगराता में बैठे लोगों पर चढ़ाई कार, तीन महिलाएं घायल

एक की हालत नाजुक, रायपुर रेफर

कबीरधाम, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले के पिपरिया थाना के तहत पुलिस चौकी दशरंगपुर क्षेत्र के ग्राम तमरूआ में एक हादसे में तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसमें से एक गंभीर है, जो जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। मिली जानकारी के अनुसार गांव में शुक्रवार की रात को दुर्गा पंडाल के सामने जगराता का आयोजन किया गया था। इसी दौरान गांव का नौसिखिया युवक राजू सिन्हा अपनी कार को रिवर्स कर रहा था।

तभी यह कार जगराता में बैठी महिलाओं के ऊपर चढ़ गई। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई। मौके से कार चालक फरार हो गया। ग्रामीणों ने घायल महिला गीता सिन्हा, कुमारी ललीता व रिती सिन्हा को कवर्धा के अस्पताल में देर रात भर्ती कराया, जहां गीता सिन्हा की हालत गंभीर बनी हुई है। शनिवार तड़के रायपुर रेफर किया गया है। इस मामले में आरोपी कार चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

ईडी की लगातार दूसरे दिन कार्रवाई से मचा हड़कंप

कोरबा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरबा जिले में ईडी की कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी है। दो अलग-अलग जगहों पर ईडी ने दबिश दी है। वहीं ईडी की कार्रवाई से जिले में हड़कंप मचा हुआ है। कटघोरा राईस मिलर्स एसोसिएशन संघ के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल और कोरबा लालू राम कॉलोनी निवासी अमित अग्रवाल के घर पर ईडी ने दबिश दी है। अमित अग्रवाल के पहंदा स्थित राईस मिल में कल ईडी ने छापेमारी की थी। आज सुबह फिर घर पर जांच जारी है।

चीन ने एलएसी पर सालभर में बढ़ाई सैनिकों की तैनाती

पेंटागन की रिपोर्ट में दावा- लद्दाख-डोकलाम के पास सड़कें, हेलीपैड बना रहा ड्रैगन

बीजिंग, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने एलएसी पर सैन्य तैनाती में अब तक कोई कटौती नहीं की है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन बॉर्डर पर लगातार सड़कें, गांव, स्टोरेज फैसेलिटीज, एयरफील्ड और हेलीपैड बना रहा है।

पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में ये भी बताया है कि चीन ने पिछले एक साल में परमाणु हथियारों की संख्या भी बढ़ाई है। उसके पास अब 500 न्यूक्लियर वॉरहेड्स हैं। इससे पहले स्वीडन के थिंक टैंक सिप्री ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि पिछले कुछ सालों में चीन ने अपने परमाणु हथियारों के जखीरे में 60 नए हथियार जोड़े हैं। पेंटागन के मुताबिक, चीन का लक्ष्य 2030 तक एक हजार परमाणु हथियार बनाने का है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर चीनी वेस्टर्न थिएटर कमांड की तैनाती 2023 तक जारी रहेगी। चीन ने पिछले साल एलएसी के पश्चिमी क्षेत्र यानी लद्दाख की तरफ रिजर्व में चार कम्बाइंड-आर्म्स ब्रिगेड (कैब) के साथ शिंजियांग और तिब्बत मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट्स के दो डिवीजन के समर्थन से एक बॉर्डर रेजिमेंट तैनात किया था।

एलएसी के तीनों सेक्टर में चीन ने बढ़ाई सैन्य तैनाती

चीन ने 3 कैब सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के बॉर्डर के पास भी तैनात किए हैं। इसके अलावा इन्हें उत्तराखंड और हिमाचल के पास मौजूद एलएसी भी तैनात किया गया है। पेंटागन ने ये भी बताया है कि चीन ने डोकलाम के पास भी जमीन के नीचे स्टोरेज फैसेलिटीज बनाई हैं। इसके अलावा एलएसी के तीनों सेक्टर में नई सड़कों का भी निर्माण किया गया है। पैंगोंग झील पर एक दूसरा ब्रिज भी बनाया है। चीन ने भूटान के साथ विवादित इलाकों में भी गांव बसाए हैं। पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि चीन का मकसद इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में किसी भी तीसरे पक्ष को रोकने या जरूरत पर उसे हराना है। इसके लिए ही वो लगातार अपनी सैन्य क्षमता बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि चीन जमीन, समुद्र और हवा से वार करने के अलावा न्यूक्लियर, स्पेस, इलेक्ट्रॉनिक और साइबरस्पेस में भी जंग के लिए अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। पेंटागन के मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग का लक्ष्य 2049 तक वर्ल्ड क्लास मिलिट्री बनाना है। चीन के पास पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी नेवी है। इसमें 370 वॉरशिप और सबमरीन शामिल हैं। चीन के पास 140 सर्फेस कॉम्बैटेंट्स हैं। ये नेवल वॉरशिप्स की ही तरह होते हैं। इनमें हथियार और सैनिक तैनात होते हैं।

एलएसी के पार सैन्य अड्डे बना रहा चीन

करीब एक हफ्ते पहले आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन की सेना लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक एलएसी के उस पार गांव बसाने के नाम पर सैन्य अड्डे बना रही है। इन गांवों का इन्फ्रास्ट्रक्चर इस तरह से बनाया जा रहा है कि इनका इस्तेमाल सैन्य अड्डों के रूप में किया जा सके। गांवों में बनाए गए वॉच टावर, बड़े वेयर हाउस और कॉन्क्रीट के ढांचे इसी ओर इशारा करते हैं। एलएसी की रखवाली से जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों ने इस बारे में केंद्र सरकार को विस्तृत जानकारी दी है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी के पास चीन ने 'शियाओकांग' नाम से 628 गांव बसा लिए हैं। शियाओकांग का मतलब चीनी भाषा में 'समृद्ध' होता है। इनमें से ज्यादातर गांव उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश से लगे बॉर्डर के पास हैं। इन गांवों में निगरानी चौकियां, स्टोरेज और हेलीपैड जैसी सुविधाएं बनाई गई हैं।

अक्साई चिन में चीन की सुरंगों के 11 स्ट्रक्चर दिखे

इससे पहले अगस्त में आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन विवादित अक्साई चिन क्षेत्र में सुरंग बना रहा है। मैक्सार की सैटेलाइट तस्वीरों में इसका खुलासा हुआ था। रिपोर्ट में देपसांग से 60 किमी दूर एक नदी घाटी के किनारे पहाड़ी पर सुरंगें होने का दावा था। कहा गया था कि इनका इस्तेमाल सैनिकों और हथियारों को रखने के लिए किया जा सकता है। भारतीय ड्रोन स्टार्ट-अप न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी के सीईओ समीर जोशी ने कहा था- गलवान संघर्ष के बाद से भारतीय सेना ने अपने आक्रामक फायर वैक्टर और खासतौर पर लंबी दूरी की ट्यूब और रॉकेट तोपखाने को बढ़ाया है। पहाड़ियों में कंस्ट्रक्शन बढ़ाने का चीन का फैसला भारत की बढ़ती क्षमता से जुड़ा हुआ है।

इजराइल-यूक्रेन के लिए बाइडन ने अमेरिकी संसद से मांगे 105 अरब डॉलर

बोले- यह समय 'टर्निंग पॉइंट'

वॉशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल और यूक्रेन को आर्थिक मदद देने के लिए कांग्रेस से 105 अरब डॉलर की मदद देने की अपील की है। बाइडन ने ओवल ऑफिस से देश को संबोधित किया और इस दौरान कहा कि यह अमेरिकी इतिहास का 'टर्निंग पॉइंट' का समय है। बाइडन ने कहा कि 'इस रकम से रूस के क्रूर हमले से जूझ रहे यूक्रेन और हमास के बर्बर हमले से जूझ रहे इजराइल को मदद मिलेगी। साथ ही गाजा पट्टी में मानवीय मदद दी जा सकेगी।'

इजराइल यूक्रेन को होगी फंडिंग

यूएस ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट डायरेक्टर शालांदा यंग ने अमेरिकी स्पीकर पैट्रिक मैकहेनरी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उक्त फंड की मांग की गई है। पत्र के अनुसार, इस फंड में से इजराइल को 14.3 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी जाएगी और 61.4 अरब डॉलर यूक्रेन को दिए जाने हैं। साथ ही गाजा पट्टी में राहत सामग्री के लिए भी 9.15 अरब डॉलर, 7.4 अरब डॉलर ताइवान और हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में सुरक्षा के लिए, और 13.6 अरब डॉलर अमेरिका मैक्सिको सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए मांगे गए हैं।

पत्र में यंग ने लिखा कि दुनिया देख रही है और अमेरिकी लोग नेताओं से उम्मीद कर रहे हैं कि वह एकजुट हों और इन मुद्दों पर साथ आएं। वहीं बाइडन की अपील के बाद सीनेट के बहुमत के नेता चक शूमर ने भी इस पैकेज की तारीफ की और कहा कि वह कोशिश करेंगे कि यह पैकेज जल्द पास हो जाए।

हथियारों की सप्लाई में खर्च किया जाएगा अधिकतर फंड

चक शूमर ने कहा कि यह विधेयक बेहद महत्वपूर्ण है और इसके लिए सदन में जारी हंगामे को शांत होने का इंतजार नहीं किया जा सकता। सीनेट के डेमोक्रेट सांसद इस अपील पर तेजी से कदम बढ़ाएंगे और हम उम्मीद कर रहे हैं कि रिपब्लिकन सांसद भी इस विधेयक को जल्द से जल्द पास कराने में मदद करें। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, यूक्रेन को दिए जाने वाले 61 अरब डॉलर में से आधे से ज्यादा रकम हथियार और गोला बारूद मुहैया कराने में इस्तेमाल होगी। वहीं बचे हुए फंड को आर्थिक और लॉजिस्टिक और शरणार्थियों के कल्याण के काम पर खर्च किया जाएगा। इजराइल को दिए जा रहे पूरे फंड का इस्तेमाल रक्षा सौदों पर खर्च किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, 13 अरब डॉलर सीमा सुरक्षा, सीमा पर पेट्रोलिंग को बेहतर करने, इमीग्रेशन जजों और शेल्टर और डिटेंशन सेंटर्स पर खर्च किए जाएंगे। एक अरब डॉलर फेंटानिल तस्करी से निपटने में खर्च किए जाने की योजना है।

कनाडाई डिप्लोमैट्स हटाने पर ट्रूडो बोले- भारत ने नियम तोड़े

इससे लाखों की जिंदगी मुश्किल होगी, अमेरिका ने कहा- विवाद सुलझाने के लिए डिप्लोमैट्स जरूरी

ओटावा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि भारत के फैसले से दोनों देशों में रह रहे लाखों लोगों का जीवन कठिन हो जाएगा। दरअसल, कनाडा की विदेश मंत्री मेलेनी जोली ने पुष्टि की थी कि 41 कनाडाई डिप्लोमैट्स को भारत से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा था कि भारत ने इसके लिए 20 अक्टूबर की डेडलाइन दी थी, जिसके बाद कनाडा को ये कदम उठाना पड़ा। शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम ट्रूडो ने कहा- भारत कूटनीति के मूल सिद्धांत का उल्लंघन करके लाखों लोगों का जीवन मुश्किल में डाल रहा है। मैं उन कनाडाई लोगों के लिए सबसे ज्यादा चिंतित हूं, जिनकी जड़ें भारतीय उपमहाद्वीप से जुड़ी हैं। ट्रूडो ने कहा कि भारत से कुछ कनाडाई डिप्लोमैट्स को निकाले जाने से ट्रैवल और ट्रेड जैसे मामलों में दिक्कतें आएंगी।

ट्रूडो ने कहा कि इससे कनाडा में पढ़ रहे भारतीयों को भी

परेशानी होगी। इसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- हम भारत से कनाडाई डिप्लोमैट्स के जाने से चिंतित हैं। दो देशों के बीच मसले सुलझाने के लिए डिप्लोमैट्स का होना बेहद जरूरी है। अमेरिका ने कहा- हमने भारत से कनाडा के डिप्लोमैट्स को न निकालने की अपील की थी। साथ ही उनसे निज्जर की हत्या की जांच में कनाडा का सहयोग करने को भी कहा था। हम उम्मीद करते हैं कि भारत 1961 के विएना कन्वेंशन का पालन करेगा, जिसमें डिप्लोमैट्स के विशेषाधिकार और इम्यूनिटीज के बारे में बताया गया है। दूसरी तरफ ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का भी इस मामले में बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हम भारत से कनाडाई डिप्लोमैट्स को हटाए जाने के फैसले से सहमत नहीं हैं। राजनयिकों की सुरक्षा के लिए उन्हें दिए जाने वाले विशेषाधिकारों और इम्यूनिटी को एकतरफा हटाना विएना कन्वेंशन के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

गुरुवार को कनाडा की विदेश मंत्री मेलेनी जोली ने घोषणा की थी कि भारत की फैसले के बदले कनाडा कोई जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा क्योंकि वो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना चाहता है। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था- हमने किसी अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं किया है और न ही इसे इस तरह से किया जाना चाहिए।

भारत चाहता है कि नई दिल्ली और ओटावा के बीच डिप्लोमैटिक प्रजेंस एक जैसी रहे। हमारे देश में कनाडाई डिप्लोमैट्स ज्यादा था और वो लगातार अंदरूनी मामलों में दखल दे रहे थे।

हमास लड़ाकों ने ड्रग्स लेकर इजराइल पर हमला किया

मारे गए आतंकियों की जेब से मिली कैप्टागन की गोलियां, इसके असर से बिना रुके लोगों को मारा

यरुशलम, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने के लिए हमास के लड़ाके कैप्टागन नाम की सिंथेटिक ड्रग लेकर आए थे। इजराइल के लोकल टीवी चैनल निर वोरी ने इसका दावा किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मारे गए कई लड़ाकों की जेब से कैप्टागन पिल्स मिली हैं। कैप्टागन को 'गरीबों की कोकीन' भी कहा जाता है। माना जा रहा है कि इस ड्रग का असर होने की वजह से ही लड़ाकों ने बड़े ही आराम से निहत्थे लोगों की जान ली। कैप्टागन की वजह से उन्हें न तो घंटों तक भूख लगी और न ही वे थके। वे बिना रुके अपना काम करते रहे। आतंकी संगठन आईएसआईएस पर भी अपने लड़कों को कैप्टागन की गोलियां खिलाने के आरोप लगते रहे हैं।

1980 में अमेरिका ने कैप्टागन ड्रग पर बैन लगाया था

कैप्टागन एक सिंथेटिक दवा है जो मूल रूप से 1961 में जर्मनी में बनी थी। इसे ध्यान की कमी जैसे मनोविकारों का इलाज करने के लिए बनाया गया था। हालांकि बाद में मिडिल ईस्ट के युवा कैप्टागन पिल का इस्तेमाल पार्टियों में ड्रग्स के तौर पर करने लगे। डीडब्ल्यू की रिपोर्ट के मुताबिक सीरिया की जंग में लड़ाकों ने ताकत बढ़ाने और थकान को कम करने के लिए इस दवा का इस्तेमाल किया। 1980 में अमेरिका समेत कई देशों की सरकारों ने इस दवा को नशीला बताकर प्रतिबंधित कर दिया। 1980 के दशक में इस दवा का निर्माण बंद कर दिया गया। हालांकि, इसका अवैध निर्माण जारी है।

पिछले दशक में सीरिया कैप्टागन का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश बना है। इसी वजह से सीरिया को दुनिया का नार्को स्टेट भी कहा जाता है। ब्रिटिश सरकार के मुताबिक दुनिया की 80 फीसदी कैप्टागन सीरिया में बनती है। 2011 में अरब आंदोलन के दौरान सीरिया में कैप्टागन की लोकप्रियता बुलंदी छूने लगी। बीबीसी जैसे प्रमुख मीडिया संस्थानों की जांच रिपोर्टों ने पाया गया कि कैसे सीरिया का ड्रग उद्योग कैप्टागन के उत्पादन और तस्करी के लिए मदद मुहैया कराता है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सीरिया में कैप्टागन ड्रग्स बनाने की कंपनियां सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के रिश्तेदारों की है। वहीं, बशर अल असद को हिजबुल्लाह का पूरा समर्थन है। जो गाजा में हमास का समर्थन करता है। यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में हाल ही के दिनों में कैप्टागन ड्रग की तस्करी और इस्तेमाल में बढ़ोतरी आई है।

पाकिस्तान में धड़ाधड़ मारे जा रहे भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकी

अब मसूद अजहर का करीबी दाऊद भी लुढ़का

इस्लामाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों के मारे जाने का सिलसिला शुरु हो गया है। पिछले दिनों इस फेहरिस्त में दो नए नाम सामने आए थे, जिनमें से एक शाहिद लतीफ था, जिसे पठानकोट हमले का मास्टर माइंड बताया जाता है। दूसरा आतंकी आईएसआई का एजेंट मुल्ला बाहौर उर्फ होर्मुज है, वह भी पाकिस्तान के भीतर अज्ञात लोगों की गोली का शिकार हो गया था। अब जिस आतंकी के मारे जाने की खबर आ रही है, उसका नाम दाऊद मलिक है, जिसे वैश्विक आतंकी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' के सरगना मसूद अजहर का करीबी बताया जाता है। 'जैश-ए-मोहम्मद' के अलावा दाऊद मलिक, लश्कर-ए-जब्बार और लश्कर-आई-जांगवी से भी जुड़ा हुआ था।

बता दें कि मसूद अजहर, हाफिज सईद, लखवी और दाऊद इब्राहिम आदि को यूएपीए के तहत भारत सरकार ने आतंकी घोषित किया है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक में बच गया था मलिक

दाऊद मलिक को पाकिस्तान के उत्तरी वजीरीस्तान में मारा गया है। वे अज्ञात लोगों की गोली का निशाना बने हैं। सूत्रों का कहना है कि इस साल पाकिस्तान में मौजूद भारत के कई मोस्ट वांटेंड आतंकी मारे जा चुके हैं। इतना ही नहीं, भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों के अजीबो-गरीब तरह से निशाना बनाए जाने का सिलसिला, केवल पाकिस्तान में ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे मुल्कों में भी चल रहा है। पुलवामा हमले के बाद जब भारतीय सेना ने बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की थी तो उस वक्त दाऊद मलिक की वहां पर उपस्थिति बताई जाती है। हालांकि बाद में ऐसी जानकारी सामने आई थी कि उस हमले में दाऊद मलिक बच निकला था।

इजराइल का वॉर प्लान, 3 चरण में होगी जंग

दो फेज में हमास का खात्मा करेंगे फिर गाजा में नई सुरक्षा व्यवस्था बनाएंगे

तेल अवीव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने तेल अवीव में रक्षा समिति की बैठक में गाजा पट्टी में इजराइल के वॉर प्लान के बारे में बताया। उन्होंने कहा-हम सबसे पहले हमास की मिलिट्री के पेबिलिटी और सरकार चलाने की क्षमता को खत्म कर देंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो हमास को जड़ से उखाड़ देंगे। इसके बाद गाजा में एक नई सुरक्षा व्यवस्था बनाएंगे। रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा- जंग 3 चरण में होगी। हम पहले चरण में हैं। इसमें हम हवाई हमलों से हमास के ठिकानों को तबाह कर रहे हैं। जल्द जमीनी हमला करेंगे। पूरी तरह से उनका इंफ्रास्ट्रक्चर तबाह कर देंगे। दूसरे चरण में सैनिक छोटे-छोटे ऑपरेशन जारी रखते हुए हमास के सीक्रेट एजेंट्स को भी खत्म कर देंगे। इसके बाद तीसरे चरण में गाजा में नई सुरक्षा व्यवस्था बनाएं। इसमें इजरायल का कोई रोल नहीं होगा। 14 दिन से जारी इजराइल-हमास जंग के बीच इजराइली सेना ने गाजा में मौजूद

सबसे पुरानी ग्रीक ऑर्थोडॉक्स सेंट पोर्फिरियस चर्च पर हमला किया है। इसमें अब तक करीब 8 लोग घायल हो गए हैं। वहीं कई शव अब भी मलबे में फंसे हुए हैं, जिससे मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। गाजा का ये चर्च करीब 900 साल पुराना था। इसे 1150 के दशक में बनाए गया था। जंग के बीच में इस चर्च के अंदर कई मुस्लिमों और ईसाइयों ने पनाह ले रखी थी। बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने जंग के बीच इजराइली नागरिकों को नई सुविधा दी है। 90 दिन तक इजराइली नागरिक बिना वीजा के अमेरिका जा सकेंगे। पहले यह स्कीम 30 नवंबर को शुरू की जाने वाली थी। 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के मुताबिक- इस कदम से उन इजराइलियों को काफी राहत मिलेगी जो जंग से परेशान होकर अमेरिका जाना चाहते हैं।

पिछले महीने अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी एंड स्टेट डिपार्टमेंट ने 40 देशों के लोगों के लिए इस तरह के वीजा फ्री ट्रैवल को मंजूरी दी थी। इजराइलियों के लिए 30 नवंबर तारीख तय की गई थी। इस तारीख से ये ऑनलाइन अप्लाय कर सकते थे।

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि लाल सागर में तैनात अमेरिकी वॉरशिप यूएसएस कार्नी ने 3 मिसाइलों को रोका है। पेंटागन ने बताया कि यमन से हूती विद्रोहियों ने 3 मिसाइलों और कई ड्रोन लॉन्च किए थे। ये यमन से उत्तर दिशा की तरफ बढ़ रहे थे, जिससे आशंका जताई गई कि हूती विद्रोही इजराइल पर हमला करने की फिराक में थे। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने गुरुवार रात को व्हाइट हाउस से देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा- हमास और पुतिन में कॉमन बात ये है कि वो दोनों अपने पड़ोस में मौजूद लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। बाइडेन ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे हट गया और हमलावर सफल हो गए, तो दूसरे लोग भी आगे चलकर ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष का खतरा बढ़ जाएगा।

इजराइल-फलस्तीन मुद्दे पर मस्जिद में ट्रूडो के खिलाफ लगे 'शेम-शेम' के नारे

मंच पर बोलने तक नहीं दिया

ओटावा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमास के रॉकेट हमलों के बाद से इजराइली सेना की ओर से गाजा में बमबारी जारी है। हवाई हमलों के बाद इजराइली सेना अब जमीनी अभियान की तैयारी में है। इस बीच, दुनियाभर के कई देशों में फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी कड़ी में, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को फलस्तीन समर्थकों के आक्रोश का सामना करना पड़ा है। दरअसल, ट्रूडो हाल ही में टोरंटो की एक मस्जिद में पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने इजराइल-फलस्तीन के मुद्दे पर उनके स्टैंड को लेकर 'शर्म करो-शर्म करो' के नारे लगाए। इसके बाद प्रधानमंत्री प्रदर्शनकारियों से दूरी बनाते हुए वहां से निकल पड़े। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। समाचार पत्र 'द टोरंटो सन' के मुताबिक, ट्रूडो शुक्रवार को टोरंटो के एटोबिकोक इलाके में एक मस्जिद में पहुंचे।

किसी भी विवाद को शांतिपूर्वक तरीके से नहीं सुलझा पा रहा संगठन

भारत की स्थायी प्रतिनिधि ने यूएनएससी को घेरा

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की ओपन डिबेट चल रही है। इस दौरान संवाद के माध्यम से शांति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें विवादों की रोकथाम और शांतिपूर्ण समाधान के लिए क्षेत्रीय, उपक्षेत्रीय और द्विपक्षीय व्यवस्थाओं के योगदान पर चर्चा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान पर जमकर हमला किया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र कोई भी विवाद शांतिपूर्वक सुलझा नहीं पा रहा है। भारत की स्थायी प्रतिनिधि कंबोज ने कहा, 'मैं यह कहने के लिए बाध्य हूं कि पाकिस्तान एक बार फिर सुरक्षा परिषद के अगस्त फोरम का दुरुपयोग करने पर उतर आया है। उनकी टिप्पणियां निराधार हैं और इसलिए उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न अंग हैं।' रुचिरा कंबोज ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है। हमारे लिए बहुपक्षीय संस्थानों में विश्वास का पुनर्निर्माण कैसे किया जाए, इस पर ईमानदार बातचीत करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर किसी भी विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करने का आह्वान करता है। हमने पहले भी कई उदाहरण देखे हैं, जहां द्विपक्षीय चर्चाएं अधिक प्रभावी रही हैं। भारत की स्थायी प्रतिनिधि कंबोज ने कहा कि बातचीत से किसी भी समाधान का हल खोजा जा सकता है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय व उप-क्षेत्रीय संगठनों का समर्थन करते हैं। शांति लाने के लिए इन संगठनों को क्षेत्रीय ताकतों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करने के लिए पुर्नविन्यास करने की आवश्यकता है।

नवाज शरीफ का 'वनवास' खत्म

चार साल बाद लौटे पाकिस्तान, इमरान खान की भविष्यवाणी सच साबित हुई!

इस्लामाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ चार साल बाद आज अपने देश लौट गए हैं। चार साल तक विदेश में रहने के बाद शरीफ शनिवार दोपहर इस्लामाबाद पहुंचे हैं। नवाज शरीफ इस्लामाबाद लौटे तो उनके स्वागत के लिए पूर्व कानून मंत्री आजम तरार और पीएमएल-एन के कई बड़े नेता मौजूद रहे। इस्लामाबाद से आज ही नवाज शरीफ लाहौर जाएंगे। यहां मीनार-ए-पाकिस्तान पर शाम 5 बजे नवाज शरीफ एक जनसभा को संबोधित करेंगे। नवाज शरीफ को 2018 में अदालत ने चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार दिया था। 2019 में अदालत ने उनको जेल से ही इलाज के लिए विदेश की मंजूरी दी थी। इसके बाद गिरफ्तारी के डर से शरीफ पाकिस्तान से बाहर थे। कोर्ट से गिरफ्तारी पर राहत मिलने के बाद वो वापस लौटे हैं।

पाकिस्तान के लिए उड़ान भरने से पहले दुबई हवाई अड्डे पर शरीफ ने अपने भविष्य के सवाल पर पत्रकारों से कहा कि वह सब कुछ अल्लाह पर छोड़कर पाकिस्तान जा रहे हैं। शरीफ ने पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुल्क के हालात 2017 की तुलना में कहीं अधिक बिगड़ गए हैं। यह सब देखकर मुझे दुख होता है कि हमारा देश आगे बढ़ने के बजाय पीछे चला गया है। पाकिस्तान में लोग समस्या से जूझ रहे हैं। यह देखना पीड़ादायक है लेकिन उम्मीद है कि हम हालात सुधार सकते हैं।

बीजेपी की 83 उम्मीदवारों की सूची जारी

वसुंधरा पांचवीं बार झालरापाटन से मैदान में

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा अब तक 124 नामों का एलान कर चुकी है। दूसरी सूची में पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर मौजूदा नेता प्रतिपक्ष, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राजघरानों से ताल्लुक रखने वाले नेताओं के नाम शामिल हैं। देखें पूरी सूची...

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 83 उम्मीदवारों की सूची शनिवार को जारी कर दी। एक दिन पहले ही दिल्ली में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई थी, जिसमें इन नामों पर अंतिम मुहर लगी थी। पहली सूची में भाजपा ने 41 उम्मीदवार घोषित किए थे। भाजपा अब तक 124 नामों का एलान कर चुकी है, जबकि 76 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा होना बाकी है।

वसुंधरा राजे झालरापाटन | राजेंद्र राठौड़ तारानगर | विश्वराजसिंह नाथद्वारा | नरपत राजवी चित्तौड़गढ़

वसुंधरा झालरापाटन से मैदान में

चुनाव की सरगर्मी जब से शुरू हुई, तब से सबसे बड़ा सवाल यही था कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की क्या भूमिका होगी और क्या वे विधानसभा चुनाव लड़ेंगी? भाजपा की दूसरी सूची में सबसे बड़ा नाम वसुंधरा राजे का ही है। वे झालावाड़ की झालरापाटन विधानसभा सीट से पांचवीं बार चुनाव लड़ेंगी।

नेता प्रतिपक्ष की सीट बदली, पूनिया को आमेर से टिकट

नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की सीट बदल दी गई है। वे इस बार चुरू जिले की तारानगर से चुनाव लड़ेंगे। पिछली बार वे चुरू से जीते थे। चुरू से उनकी जगह हरलाल सहारण को टिकट दिया गया है। आमेर से भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को टिकट दिया गया है।

राजवी की सीट बदली, कांग्रेस से आई ज्योति मिर्धा

नागौर से उम्मीदवार

कांग्रेस से भाजपा में आईं पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा को नागौर से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी को चित्तौड़गढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है। वे पिछली बार जयपुर की विद्याधर नगर सीट से चुनाव लड़े थे, जहां से इस बार भाजपा ने सांसद और जयपुर के पूर्व शाही घराने से ताल्लुक रखने वालीं दीया कुमारी को टिकट दिया है। राजसमंद से दीप्ति माहेश्वरी को टिकट दिया गया है। वे दिवंगत भाजपा नेता रहीं किरण माहेश्वरी की बेटी हैं। यहां हुए उपचुनाव में दीप्ति ही निर्वाचित हुई थीं।

पूर्व राजघराने से जुड़े मेवाड़ और सिद्धि कुमारी यहां से लड़ेंगे चुनाव

नाथरद्वारा से कुंवर विश्वराज सिंह मेवाड़ को टिकट दिया गया है। मेवाड़ के पूर्व शाही घराने से ताल्लुक रखने वाली विश्वराज कुछ दिन पहले भाजपा में शामिल हुए थे। यहां से विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी कांग्रेस के मौजूदा विधायक हैं। कांग्रेस ने दोबारा जोशी को ही यहां से मैदान में उतारा है।

बीकानेर के पूर्व राजघराने से संबंध रखने वालीं सिद्धि कुमारी को बीकानेर पूर्व से फिर से चुनाव लड़ेंगी। पिछली बार वे इस सीट से जीती थीं।

वसुंधरा के इन समर्थकों को भी मिला टिकट

वसुंधरा के समर्थकों को भी भाजपा की दूसरी सूची में मौका मिला है। प्रताप सिंह सिंघवी को छाबड़ा सीट से फिर से टिकट मिला है। वे यहीं से मौजूदा विधायक हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कालीचरण सराफ को भी मालवीय नगर से फिर से टिकट मिला है।

कांग्रेस की 33 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

पायलट टोंक, गहलोत सरदारपुरा से लड़ेंगे

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी गई। पहली लिस्ट में पार्टी ने 33 उम्मीदारों के नामों का एलान किया है। कांग्रेस की पहली सूची में अशोक गहलोत के साथ ही सचिन पायलट, दिव्या मदेरणा, गोविंद सिंह डोटासरा, डॉ. अर्चना शर्मा, ममता भूपेश के साथ ही अशोक चांदना का नाम भी शामिल है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरदारपुरा से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, सचिन पायलट टोंक से, ममता भूपेश सिकराई (अजा) से, दिव्या मदेरणा ओसियां से चुनाव मैदान में उतारी गई हैं। पहली सूची में सीपी जोशी का नाम भी शामिल है, जिनके नाम को लेकर आशंकाएं जताई जा रही थी।

अशोक गहलोत सरदारपुरा | सचिन पायलट टोंक | डॉ. सीपी जोशी नाथद्वारा | हरीश चौधरी बायतू

2020 में बागी हुए विधायकों को भी टिकट

2020 में सचिन पायलट के साथ बगावत करने वाले कई विधायकों को भी कांग्रेस की पहली सूची में टिकट मिला है। विराटनगर सीट इंद्राज गुर्जर को फिर से टिकट मिल गया है। इसी तरह लाडनू सीट से मुकेश भाकर फिर से टिकट पाने में सफल रहे हैं। वहीं, वल्लभनगर से विधायक गजेंद्र सिंह शक्तावत का टिकट जरूर कट गया है, लेकिन उनकी जगह उनकी पत्नी प्रीति को टिकट दिया गया है। इसी तरह परबतसर से विधायक रामनिवास गावड़िया भी फिर से टिकट पा गए हैं।

सचिन पायलट को खुली चुनौती देने वाले चांदना को भी टिकट

सचिन पायलट का साथ देने वालों को टिकट मिला है, साथ ही उनको चुनौती देने वाले अशोक चांदना को भी पार्टी ने टिकट दिया है। राजस्थान के सियासी हलके में अक्सर कहा जाता है कि सचिन पायलट के सामने गुर्जर नेता के रूप में अशोक गहलोत चांदना को आगे बढ़ाते रहे हैं। पायलट और चांदना के बीच 2022 में तल्खी तब सामने आई थी जब पुष्कर में कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना पर जूते-चप्पल फेंकने की घटना हुई थी। तब चंदाना ने ट्वीट कर पायलट को खुली चुनौती दी थी। चांदाना ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा " मुझ पर जूता फेंकवाकर सचिन पायलट यदि मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं तो जल्दी से बन जाए, क्योंकि आज मेरा लड़ने का मन नहीं है। जिस दिन मैं लड़ने पर आ गया तो फिर एक ही बचेगा और यह मैं चाहता नहीं हूं।₹

सीएम गहलोत ने दौसा में सभा में किया प्रत्याशियों का एलान

आज शुक्रवार को प्रियंका गांधी की जनसभा में सीएम अशोक गहलोत ने इशारों ही इशारों में दौसा जिले की पांच विधानसभा के टिकट बांट दिए। जिनमें चार कांग्रेस के वर्तमान विधायकों और पांचवां टिकट महवा विधानसभा से निर्दलीय विधायक ओमप्रकाश हुडला को देने की बात कही। भाषण के आखिर में गहलोत ने कहा- आप लोग दौसा से हमारे ममता भूपेश, मुरारी मीणा, गजराज खटाना और मुरारी लाल मीणा को जिताकर भेजो।

राजस्थान का चुनावी कार्यक्रम

30 अक्तूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। छह नवंबर तक नामांकन किया जा सकता है। सात नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नौ नवंबर नाम वापसी की आखिरी तारीख है। 25 नवंबर को मतदान होगा, जबकि नतीजे तीन दिसंबर को सामने आएंगे।

गुप्ता को उदयपुर से बीजेपी प्रत्याशी नहीं बनाने का फैसला

स्वयं गुप्ता ने कहा पार्टी के फैसले का करता हूं पूरा सम्मान

बोले जनता के लिए संभव नहीं असंभव प्रयास करुंगा

उदयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर शहर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के एक दावेदार नगर परिषद डूंगरपुर के पूर्व सभापति एवं स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर रहे केके गुप्ता को पार्टी ने कहा कि अभी उनको उदयपुर का प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा। गुप्ता ने आज ही अपने समर्थकों व जनता के बीच इस आशय का संदेश जारी किया है।

गुप्ता ने अपने संदेश में कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाने का निर्णय किया है। मैं उसका पूरी तरह से सम्मान करता हूं मेरे काम एवं प्रयास में कहीं न कहीं कमी रही है परंतु लाखों लोगों ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जो सहयोग किया है उसका सदैव ऋणी रहूंगा।

गुप्ता ने विश्वास दिलाते हुए कहा कि मैं जनता के विश्वास की कसौटी में खरा उतरूंगा तथा जो उम्मीदें मुझ से रखी है उन्हें पूरा करने के लिए हर संभव ही नहीं असंभव प्रयास करूंगा

कटारिया के असम जाते ही गुप्ता ने भी दावेदारी की

उदयपुर शहर के विधायक व विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाने के बाद केके गुप्ता ने उदयपुर से दावेदारी की। वे उदयपुर में ही रहने लगे।

गुप्ता ने लम्बा अभियान चलाया और जनता से उदयपुर में जुड़ गए थे। उनकी दावेदारी को लेकर वे पार्टी के दिल्ली और जयपुर के नेताओं से भी सम्पर्क में थे। गुप्ता केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के क्षेत्र में भी स्वच्छता को लेकर काम कर रहे है, शाह ने गुप्ता के स्वच्छता के क्षेत्र में चलाए जा रहे कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी शेयर किया था।

मेरा नाम था लेकिन पार्टी का फैसला सर्वोपरि

भास्कर से बातचीत में केके गुप्ता ने कहा कि जो सूची दिल्ली में तैयार हुई उसमें मेरा नाम था लेकिन पार्टी ने जो भी मुझे निर्देश दिए है वह मेरे लिए सर्वोपरि है।

प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर सीपी जोशी का बयान

प्रियंका का दौरा पीड़ित जनता के घावों पर नमक छिड़कने वाला, चढ़ावे को लेकर भी दिया बेतुका बयान

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रियंका गांधी वाड्रा के राजस्थान दौरे को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने बयान जारी करके कहा है कि प्रियंका वाड्रा का दौरा प्रदेश की पीड़ित जनता के घावों पर नमक छिड़कने वाला रहा हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों से दुष्कर्म से पीड़ित महिलाएं और बच्चियां न्याय की पुकार कर कर रही हैं। आखिर उन्हें कब न्याय मिलेगा। पूरे पांच साल में क्यों प्रियंका गांधी या गांधी परिवार का कोई सदस्य उनका हाल जानने नहीं आया।

प्रियंका ने भक्त और भगवान का अपमान किया

सीपी जोशी ने प्रियंका गांधी वाड्रा के देवनारायण भगवान मंदिर में चढ़ावे को लेकर दिए गए बयान को बेतूका बताया हैं। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने भक्त और भगवान दोनो का ही अपमान किया है। इस प्रकार की बात करना तुष्टिकरण की राजनीति का ही एक हिस्सा है। कांग्रेस हमेशा से ही ऐसा करती आई है।

उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी मोदी सरकार द्वारा बड़ी-बड़ी इमारतें बनाने और विकास के कार्यों पर टिप्पणी करती हैं। बड़ी इमारतें बनाने से तो देश का विकास ही हुआ है। कांग्रेस विकास नही पर पाई। इसलिए इनके पेट में दर्द हो रहा है। राजस्थान को मोदी की गारंटी और डबल इंजन सरकार की जरूरत है।

प्रियंका के परिवार ने राजस्थान में किसानों की जमीनें हड़पी- शहजाद पूनावाला

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आज कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी अपने सियासी पर्यटन पर राजस्थान आई थी और यह कोई नई बात नहीं है। अपने परिवार सहित रणथंबौर तो वे अक्सर आती रहती हैं। बस उन्हे दुष्कर्म पीड़ित महिलाएं और गैंगरेप की शिकार नाबालिग नजर नहीं आती।

आज भी प्रियंका गांधी बिना तथ्यों के डिजाइन बॉक्स द्वारा पकड़ाई पर्ची को पढ़कर अपना भाषण पूरा करके चली गई। अच्छा होता प्रियंका गांधी प्रदेश की महिलाओं, युवाओं और किसानों की भी सुध लेती। राजस्थान में तो प्रियंका गांधी खुद भ्रष्टाचार की स्टेक होल्डर हैं। उनके परिवार ने बीकानेर में किसानों की जमीनें हड़पने का काम किया जिसका मामला कोर्ट में चल रहा है।

प्रियंका बोलीं- प्रधानमंत्री के लिफाफे में 21 रुपए निकले

सिकराय की सभा में प्रियंका गांधी ने कहा- मैंने टीवी पर देखा, पता नहीं सच है कि नहीं, देवनारायण जी के मंदिर में कुछ समय पहले प्रधानमंत्री गए थे और एक लिफाफा डाल आए।

मैंने टीवी पर देखा कि 6 महीने बाद प्रधानमंत्री जी की ओर से दिया लिफाफा खोला गया, जनता सोच रही थी कि भगवान जाने क्या होगा इस लिफाफे में? देश के इतने बड़े नेता आए थे, वह लिफाफा डालकर गए थे।

लिफाफा खोला तो उसमें 21 रुपए निकले। अब आप मुझे बताइए एक तरह से देश में यही हो रहा है।

बड़ी-बड़ी घोषणाएं हो रही हैं, मंच पर खड़े होकर कैसे-कैसे लिफाफे दिखाए जा रहे हैं। जब आप उन लिफाफों को खोलते हैं, जब चुनाव खत्म हो जाता है और बारी आती है कि काम करके दिखाओ तो कुछ नहीं होता। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना (ईआरसीपी) का जुमला भी आपको इसी तरह दिया गया था।

गाय को 30 फीट खींचकर ले गया तेंदुआ

ग्रामीणों ने पगमार्क और शिकार के साथ संघर्ष के निशान दिखाए; कहा-पिंजरा लगाए वन विभाग

उदयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर शहर के बड़गांव के पास बीती रात एक तेंदुए की दस्तक से ग्रामीण भयभीत हो गए। आरामशीन के पास तेंदुए ने एक बाड़े में बंधी गाय पर हमला कर शिकार कर लिया। बाद में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम न्यू महा लक्ष्मी नगर, बडगांव पहुंची।

वहां किसान सकुड़ा गमेती के बाड़े में पहुंच गाय का शिकार करने की पूरी घटना का मौका पर्चा बनाया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनसे पिंजरा लगाने की मांग की। बड़गांव के टीटू सुथार ने बताया कि तेंदूए ने खुंटे बंधी गाय पर हमला कर 30 फीट तक खींच कर ले गया और फिर शिकार किया। सुथार बताते हैं कि मौके पर जो निशान थे वह वन विभाग के स्टाफ को बताए।

बड़गांव के पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास ने कहा कि बड़गांव में आबादी क्षेत्र मे तेंदुए के बढ़ते मूवमेंट की वजह से दहशत का माहौल है।

दो ट्रेलर में टक्कर के बाद लगी आग

दोनों ड्राइवर ने उतरकर बचाई जान, 3 दमकल ने बुझाया

सीकर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो ट्रेलर में आमने-सामने की टक्कर में आग लग गई। आधे घंटे से ज्यादा की मशक्कत के बाद तीन दमकल की सहायता से आग को बुझाया गया। हादसा सीकर के धोद थाना इलाके में शनिवार सुबह का है। एएसआई मूलाराम और हेड कॉन्स्टेबल टोडरमल ने बताया कि घटना लोसल रोड पर बोसाना गांव से 500 मीटर दूर लोसल की तरफ की है। एक खाली ट्रेलर धोद से लोसल की तरफ जा रहा था। वहीं लोसल की तरफ से धोद आ रहे ट्रक में सीमेंट के कट्टे भरे थे। खाली ट्रेलर को धोद निवासी मुकेश पारीक चला रहा था।

आनंदपाल और लॉरेंस गैंग का सहयोगी रहा आनंद शांडिल्य गिरफ्तार

जयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को देखते हुए चुनाव आयोग ने आदतन अपराधियों को राज पासा में गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। जयपुर डीएम के आदेश पर कल आदर्श नगर थाना पुलिस ने हार्ड कोर आदतन अपराधी आनंद शांडिल्य (51) पुत्र विजय कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शांडिल्य के खिलाफ दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे उसका चुनाव के दौरान जेल से बाहर रहना सही नहीं हैं।

डीसीपी ईस्ट ज्ञानचंद यादव ने बताया- आगामी चुनावों को देखते हुए जिला जयपुर पूर्व में हार्ड कोर, आदतन अपराधियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश मिलने पर आनंद शांडिल्य को गिरफ्तार किया गया। सीआई आदर्श नगर कमल नयन और उनकी टीम ने आन्नद शांडिल्य को तिलक नगर में पानी की टंकी के पास किंग्स लैंडिंग अपार्टमेंट के फ्लैट से गिरफ्तार किया है।

शांडिल्य के आपराधिक रिकॉर्ड व उसके खिलाफ पूर्व में की गई कार्रवाई के रिकॉर्ड को क्लब किया गया है। रिकॉर्ड के आधार पर आनंद शांडिल्य के खिलाफ समाज विरोधी क्रिया कलाप अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए जिला मजिस्ट्रेट जयपुर को कहा गया है।

आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल का रिछपाल मिर्धा पर तंज

बोले- वे किसान राजनीति के दुश्मन कभी मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया

झुंझुनूं, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल व पूर्व विधायक रिछपाल के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। अब हनुमान बेनीवाल ने रिछपाल मिर्धा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह लोग नागौर, मारवाड़ और किसान राजनीति के दुश्मन हैं।

प्रदेश में कभी भी किसान को मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया। मैंने ही उनके बेटे को चुनाव जिताया था। बाप और बेटे दोनों मेरे पास आए थे। उनके बेटे के सामने प्रत्याशी नहीं उतारा था। आज उनको बातें आ रही हैं। हनुमान बेनीवाल ने यह बात झुंझुनूं में संकल्प यात्रा के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि रिछपाल मिर्धा 5वीं पास हैं। दिन में कुछ बोलते हैं, शाम को कुछ और। इन लोगों ने मेरे परिवार को बर्बाद करने में कोई कमी नही छोड़ी है। 302 के मामले में इन्होंने मुझे फंसाने की तैयारी कर ली थी। ये तो मेरी किस्मत थी कि मैं बच गया।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस और भाजपा को छोड़कर अन्य दल से गठबंधन की तैयारी कर रही है। अगर गठबंधन हो गया तो ठीक, नहीं तो 200 सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। बेनीवाल ने कहा कि इस चुनाव में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, किसानों की कर्ज माफी मुख्य मुद्दा रहेगा। प्रदेश में बदलाव लाएंगे। इससे पहले यात्रा के झुंझुनू पहुंचने पर आरएलपी प्रमुख एवं सांसद हनुमान बेनीवाल का पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सांसद हनुमान बेनीवाल ने झुंझुनू में रोड शो किया।

खूबसूरत मॉडल के फोटो दिखाकर 800 लोगों से लूट

वक्त बिताने के लिए ऑनलाइन बुकिंग, 5 करोड़ ठगे; जयपुर के दो दोस्त मास्टरमाइंड

उदयपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कॉल गर्ल के लालच में 6 महीने में लगभग 800 लोगों से 5 करोड़ ठगने वाली गैंग का खुलासा हुआ है। गैंग के मास्टरमाइंड ने ऐप बना रखा था, उस पर खूबसूरत लड़कियों के प्रोफाइल लगाकर लोगों को ऑनलाइन कॉल गर्ल बुक करने का झांसा देता था। जैसे ही कोई इनसे संपर्क करता, उसे सुनसान इलाके में लड़की डिलीवर करने के बहाने बुलाते, वहां हथियार दिखाकर उसे लूट लेते थे। हैरान करने वाली बात ये है कि लूट के शिकार एक भी पीड़ित ने बदनामी के डर से पुलिस थाने में केस दर्ज नहीं करवाई। पुलिस बोगस ग्राहकर बनकर गई और कॉल गर्ल के जरिए ठगी करने वाले मास्टरमाइंड और उसकी गैंग तक पहुंची। ये गैंग एक शहर में 3 से 4 महीने ही रुकती। पुलिस उन तक पहुंचे उससे पहले ही ये अपनी लोकेशन बदल कर नए शहर में चले जाते थे। मास्टरमाइंड जयपुर से ही पूरी गैंग को ऑपरेट कर रहा था। उदयपुर के प्रतापनगर थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि सूचना मिली कि शहर में ऐसी गैंग एक्टिव है जो लोगों को खूबसूरत लड़कियों की तस्वीरें व्हॉट्सऐप पर भेजती है। कॉल गर्ल बुक करने के झांसे में लेकर लोगों को सुनसान जगह बुलाकर लूटती है। सूचना मिलने के बाद 8 अगस्त को इस गैंग के जयपुर निवासी प्रीतम सिंह, मनीष चौधरी, अशोक सेन, सुबराती खान और दीपक मीणा को गिरफ्तार किया था। जिन्होंने पूछताछ में बताया कि घटनाओं का मास्टमाइंड जयपुर का राकेश मीणा है। करीब दो महीने बाद उदयपुर पुलिस ने जाल बिछाकर 18 अक्टूबर को मौजमाबाद, दूदू हाल चित्रकूट जयपुर निवासी राकेश कुमार मीणा को गिरफ्तार कर लिया। जांच अधिकारी लाल सिंह के अनुसार, पूछताछ में राकेश ने बताया उसने अपने दोस्त अंकित के साथ मिलकर कॉल गर्ल सप्लाई के लिए बनी वेबसाइट के जरिए पूरी ठगी को अंजाम देता था। दोनों को जिस शहर मे ठगी करनी होती थी, वहां इस वेबसाइट का एक पेज बना लेते थे, जिसमें राजस्थान के किसी भी जिले में कॉल गर्ल उपलब्ध कराने की इन्फॉर्मेशन दी जाती थी। इस वेबसाइट को राजस्थान में बैठा कोई भी व्यक्ति ओपन करता तो इसमें कॉल गर्ल इन उदयपुर, कॉल गर्ल इन जयपुर लिखा आता था।

400 साल में पहली बार बदला पुष्कर मेले का शेड्यूल

पुष्कर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के चलते अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर पशु मेले का शेड्यूल 400 साल के इतिहास में पहली बार बदला गया है। इस बार पुष्कर पशु मेला 14 नवंबर से शुरू होकर 20 नवंबर अष्टमी को सात दिन में समाप्त हो जाएगा। पहले 14 नवम्बर से शुरू होकर 29 नवम्बर तक चलना था। मामले की जानकारी श्री पुष्कर पशु मेले की संभावित कार्यक्रमों की सूची जारी होने के बाद मिली।

पशुपालन विभाग ने श्रीपुष्कर पशु मेले में 14 से 20 नवंबर के बीच होने वाले कार्यक्रमों की संभावित सूची जारी कर दी है।

14 नवंबर को कार्तिक शुक्ल एकम के दिन झंडा चौकी कार्यक्रम। 15 नवंबर को स्थापना कार्यक्रम होगा । 16 नवंबर को ध्वजारोहण किया जाएगा । 17 नवंबर को सफेद चिट्ठी। 18 नवंबर को रवन्ना कटना शुरू होगा। कार्तिक शुक्ल तृतीया को गीर प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा।।

पशुपालकों के लिए दुग्ध प्रतियोगिता 16 से 18 नवंबर तक आयोजित होगी। सबसे ज्यादा दूध देने वाली गाय व भैंस को चयनित कर पुरस्कृत किया जाएगा। कार्तिक शुक्ल तृतीया से कार्तिक शुक्ल अष्टमी तक प्रतियोगिताओं के आयोजन होंगे ।

8 लोग डूबे, हाथ से बचाने का इशारा किया

कार सवार ने अपने पैर और रस्सी से 6 लोगों को बाहर निकाला, 2 बहे

कोटा, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। नहर में तीये के लिए क्रिया-कर्म करने गए एक ही परिवार के 8 लोग डूब गए। जब परिवार नहर में बहने लगा तो एक ने हाथ से बचाने का इशारा किया। इस पर एक कार ड्राइवर ने डूबते परिवार को देख राहगीरों को बुलाया और परिवार के 6 लोगों को बाहर निकाला।

घटना कोटा शहर के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में नाग-नागिन मंदिर के पास शनिवार सुबह 9 बजे की है। कार ड्राइवर ने अपना पैर नहर में डाल एक युवक की जान भी बचाई। घटना के बाद SDRF की टीम मौके पर पहुंची और नहर में बहे 2 युवकों की तलाश कर रही है। केशवपुर निवासी मनोज कुमार ने बताया कि उनके भांजा विवेक (15) के दादी की मौत हो गई थी। शनिवार को तीये की रस्म के बाद परिवार के सदस्य राख विसर्जित करने नहर पर आए थे। मनोज के साथ उनका भाई राजेश, जीजा शंभु उनका भाई रामभरोसे और रिश्तेदार मुकेश और तीनों भांजे प्रभात (17), कुणाल (20) और विवेक भी थे। इसी रस्म के दौरान शंभु के बेटे प्रभात का पैर नहर में फिसल गया और वह डूबने लगा। इसे देख परिवार के बाकी लोग भी उन्हें बचाने के लिए नहर में कूद गए और डूबने लगे।

इसी घटना के दौरान कार सवार ऋषभ सेन इसी नहर के पास से निकल रहे थे। ऋषभ ने बताया कि नहर से एक डूब रहे युवक ने हाथ से इशारा किया। जब मैं कार से उतर नहर के पास गया तो देखा कि करीब 7 से 8 लोग डूब रहे हैं। इनमें 2 लोग आगे बह गए थे और बाकी लोग हाथ बाहर निकाल बचाने का इशारा कर रहे थे।

इस पर मौके पर मौजूद लोगों को शामिल किया और रस्सी को नहर में फेंका। इस बीच शंभु और राजेश को जैसे-तैसे कर किनारे तक लाया।

श्री गुरु जम्भेश्वर भगवान मंदिर में कलश स्थापना समारोह आयोजित

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विश्नोई महासभा हैदराबाद द्वारा दक्षिण भारत में प्रथम श्री गुरु जम्भेश्वर भगवान के मंदिर का भव्य कलश स्थापना समारोह स्वामी भागीरथदास जी आचार्य के पावन सान्निध्य, अभावि महासभा राष्ट्रीय प्रधान देवेंद्र बूड़िया की अध्यक्षता एवं सुखराम बिश्नोई, राज्य मंत्री राजस्थान सरकार के मुख्य आतिथ्य में समाज के गणमान्य जन प्रतिनिधियों, उच्च अधिकारियों एवं समाजसेवियों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। राष्ट्रीय प्रधान बूड़िया साहब ने समाज को दिए संबोधन मे जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त शिक्षा एवं नए हुनरमंद व्यक्ति को व्यवसाय में सहयोग देकर समाज की उन्नति में योगदान देने का अनुरोध किया उन्होंने अपनी तरफ से 5 लाख रुपए सहयोग राशि की घोषणा भी की।

अभावि महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पतराम विश्नोई, सचिव जयकिशन विश्नोई, पूनमाराम विश्नोई, लादूराम भादू , भजनलाल लोल, किशन कुराड़ा, एडीएम ओमप्रकाश, भीख सरपंच, घेवर सरपंच, गोरखारामजी सरपंच, रामरख, बाबूलाल, प्रो. भगवानाराम, भगवानाराम डारा मुंबई, पार्षद बीरबल पूनिया एवं अन्य बुद्धिजीवीयों ने अपने विचार रखे। राजस्थान एवं अन्य शहरों से पधारे विशिष्ट अतिथियों जिला का साफा पट्टू एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मंदिर में चढ़ावे के लाभार्थियों में स्व. प्रह्लाद जाणी परिवार द्वारा एक करोड़ इक्कीस लाख रुपए में शिखर का चढ़ावा, विरधाराम ढाका द्वारा 25 लाख रुपए ध्वजा का चढावा, तस्वीर का चढ़ावा 11 लाख रुपए बाबूलाल गोदारा, अखंड ज्योति का चढावा 11 लाख रुपए में मोहनलाल एवं रमेश खिलेरी, आरती का चढ़ावा 6 लाख रुपए में रघुनाथ जाणी, 5 लाख 50 हजार रुपए में जल कलश का चढ़ावा भागिरथ कुराड़ा, 3 लाख रुपए में तोरण हनुमान गोदारा, 3 लाख में घंटी का चढ़ावा शैतान सिंह ढाका, 3 लाख रुपए में नगाड़ा का चढ़ावा ललित खिलेरी के नाम रहा।

अध्यक्ष सोहनलाल जाणी ने हैदराबाद के इस ऐतिहासिक समारोह में पधारे मेहमानों को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बोला ने मंच का संचालन एवं कोषाध्यक्ष रूगनाथ जाणी ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। सचिव मुल्तानजी लेगा, सहसचिव बाबूलाल साहू, सदस्य विरधाराम ढाका एवं भागीरथ गोदारा ने सहयोग दिया।

चार ने आंध्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

विजयवाड़ा, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के नवनियुक्त न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण समारोह आज यहां तुम्मलापल्ली कलाक्षेत्रम में आयोजित किया गया। राज्यपाल न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर ने नये न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, एपी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश धीरज सिंह ठाकुर, गृह मंत्री तनेती वनिता, मंत्री अंबाती रामबाबू, विधायक वेल्लमपल्ली श्रीनिवास, मल्लाडी विष्णु और उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीश उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति हरिनाथ नुन्नापल्ली, न्यायमूर्ति किरणमयी मंडावा, न्यायमूर्ति सुमति जगदम और न्यायमूर्ति न्यापति विजय ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अधिवक्ताओं के कोटे से चार न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की हालिया सिफारिशों पर अपनी सहमति दे दी है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 18 अक्टूबर को इनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया था। वर्तमान में, एपी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के कुल 37 पदों में से 27 कार्यरत हैं, जबकि उनमें से दो को अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर दिया गया है, न्यायमूर्ति नरेंद्र कर्नाटक राज्य से स्थानांतरण पर एपी उच्च न्यायालय में आ रहे हैं। चार नवनियुक्त न्यायाधीशों के साथ, एपी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 30 हो गई है।

इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार

वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका ने 229 रन से हराया, क्लासन की सेंचुरी, कूट्जी को 3 विकेट

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड को वनडे में उनकी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। टीम को वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका ने 229 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। मुंबई के वानखेड़े मैदान पर पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 399 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम 22 ओवर में 170 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

साउथ अफ्रीका से पहली पारी में हेनरिक क्लासन ने 109 रन बनाए, उन्होंने 61 बॉल पर सेंचुरी लगाई। टीम से 3 खिलाड़ियों ने फिफ्टी भी लगाई। गेंदबाजों में जेराल्ड कूट्जी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका से जेराल्ड कूट्जी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। लुंगी एनगिडी और मार्को यानसन को 2-2 विकेट मिले। जबकि कगिसो रबाडा को एक विकेट मिला। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर 15, डेविड विली 12, आदिल रशीद 10 और हैरी ब्रूक भी 17 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए।

400 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम ने शुरूआती 10 ओवर में ही 4 विकेट गंवा दिए। जॉनी बेयरस्टो 10, डेविड मलान 6, जो रूट 2 और बेन स्टोक्स 5 ही रन बनाकर आउट हुए। टीम 10 ओवर में 67 रन बनाए, लेकिन 4 विकेट भी गंवा दिए।

साउथ अफ्रीका के लिए नंबर-5 पर बैटिंग करने आए हेनरिक क्लासन ने बेहतरीन बैटिंग की। उन्होंने सेट होने के बाद बड़े-बड़े शॉट्स लगाए और महज 61 बॉल पर अपना शतक पूरा कर लिया। वह 67 बॉल पर 109 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी में उन्होंने 4 छक्के और 12 चौके लगाए।

37वें ओवर में 5 विकेट गिर जाने के बाद मार्को यानसन बैटिंग करने आए। उन्होंने भी सेट होने के बाद तेजी से रन बनाए। 35 बॉल पर फिफ्टी पूरी करने के बाद उन्होंने 42 बॉल पर 75 रन की नॉटआउट पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 3 चौकों के साथ 6 छक्के लगाए। हेनरिक क्लासन के साथ उन्होंने 77 बॉल पर ही 151 रन की पार्टनरशिप भी की।

साउथ अफ्रीका से क्लासन ने सेंचुरी लगाई। वहीं 3 प्लेयर्स ने फिफ्टी लगाई। रीजा हेंड्रिक्स ने 85, मार्को यानसन ने 75, रासी वान डर डसन ने 60 और ऐडन मार्करम ने 42 रन बनाए। इंग्लैंड से रीस टॉप्ली ने 3 विकेट लिए। वहीं आदिल रशीद और गस एटकिंसन को 2-2 विकेट मिले।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास सबसे जरूरी : साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञा

त्रिदिवसीय बाल संस्कार निर्माण शिविर 'अरुणोदय' का समापन

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी के सान्निध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में डीवी कॉलोनी तेरापंथ भवन में त्रिदिवसीय बाल संस्कार निर्माण शिविर का समापन समारोह मनाया गया। अवसर पर मंगल उद्बोधन में साध्वीश्री जी ने कहा- जीवन में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास सबसे जरूरी है। सफलता के शिखर पर आरोहण करने के लिए संकल्पपूर्ण पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। योजनाबद्ध किए गए कार्य की निष्पत्ति होती है। आज हम देख रहे हैं कि इस त्रिदिवसीय शिविर में सबका श्रम, समर्पण और समय का नियोजन बोल रहा है। पूज्य गुरदेव की कृपा और ऊर्जा से यह शिविर उपलब्धियों भरा रहा है। बच्चों ने भक्तामर स्तोत्र, पच्चीस बोल, 24 तीर्थंकरों आदि के रूप अपनी संक्षिप्त झलक प्रस्तुत की। क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलछा ने साध्वी श्री जी के चिंतन के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। तेरापंथ सभा के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में लगभग 60 प्रशिक्षिकायें, किशोर मंडल की टीम जुड़ी है। शिविर की सफल आयोजना से सबका श्रम सार्थक हुआ है। सभाध्यक्ष बाबूलाल बैद ने कहा कि हमने कल्पना नहीं की थी कि यह असाध्य कार्य सिद्ध हो गया, यह सुखद आश्चर्य के साथ प्रसन्नता का भी विषय है।

जीवन विज्ञान के राष्ट्रीय प्रशिक्षक राकेश खटेड़ ने "एक्सेल एवरीव्हेयर " विषय पर अपना वक्तव्य दिया। समापन सत्र में बच्चों ने टैलेंट हंट के तहत मंच पर आकर्षक प्रस्तुतियां दी। ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं ने शिविर में भाग लेने वाले सभी बालक बालिकाओं को भक्तामर, अष्टकम्, पच्चीस बोल कंठस्थ करवाया। कार्यक्रम में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष बाबूलाल बैद, सुशील संचेती, आंचलिक संयोजक सीमा दस्साणी, आंचलिक सहसंयोजक सरोज लोढ़ा, क्षेत्रीय संयोजक संगीता गोलेछा, सहसंयोजक यशोदा कोठारी, सरिता नखत, कविता आच्छा, ज्ञानशाला विभाग संयोजक सुनील बोहरा व अनेक गणमान्य लोग, सभी प्रशिक्षिकाएं आदि उपस्थित थीं।

51वें रामायण मेला के अंतर्गत अयोजित गरबा डांडिया उत्सव में गरबा डांडिया का आनंद उठे हुवे डांडिया प्रेमी तथा विजेताओं को पुरस्कार देते हुए मेला प्रधान संयोजक गोविंद राठी, प्रदर्शनी सोसायटी मंत्री हनमंत राव, गिरधारीलाल डागा, विनय कुमार, अनिल स्वरूप मिश्रा, चरणजीत सिंह, सुमीत राठी, मनोज जायसवाल, श्रीनिवास लोया, घनश्याम तोषनीवाल, पवन मिश्रा, जुगल सोनी एवं अन्य।

केडिया सेजस्थान के साथ ये दिवाली 10 लाख के फायदे वाली

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिवाली पर आम तौर पर हर कस्टमर सेंट्रिक ब्रांड कोई न कोई ऑफर जरूर निकालती है। पर आज तक किसी भी ब्रांड ने खासकर रियल एस्टेट केटेगरी में ऐसा ऑफर कभी नहीं आया होगा। केडिया सेजस्थान ने एक बार फिर से ऐतिहासिक ऑफर निकाला है, जहां इस बार दिवाली के पहले घर बुक करवाने वाले कस्टमर्स को दिवाली के अगले ही दिन से होगा पूरे 10 लाख रुपये का फायदा। ये वाकई इतिहास में पहली बार हो रहा है कि किसी रियल एस्टेट प्रोजेक्ट की कीमतों में इतना बड़ा इजाफा आने वाला हो वो भी सिर्फ 25 दिनों के अंदर अंदर। केडिया सेजस्थान की टीम से बात करने पर समझ में आया की इसका सीधा और सरल हिसाब ये है की वादे के मुताबिक़ सजस्थान में हर महीने 5% कीमतें बढ़ने वाली थीं जो की घर की मूल कीमत के हिसाब से 5 लाख रुपये होती हैं।

अगस्त के महीने से हर महीने कीमतें ऐसे 5-5% बढ़ रहीं है। पर दिवाली के मौके को और भी ख़ास बनाने के लिए अक्टूबर के 5% और नवंबर के 5% दोनों को मिलाकर एक साथ 10% प्राइस हाइक का सीधा फायदा अपने कस्टमर्स को देने के लिए केडिया सेजस्थान की टीम ने ये ख़ास ऑफर निकाला है। आम तौर पर रियल एस्टेट की कीमतें बढ़ने में सालों लग जाते हैं लेकिन केडिया सेजस्थान में अगस्त महीने से कीमतें हर महीने 5 -5 प्रतिशत बढ़ते बढ़ते, पजेशन तक 50 लाख तक बढ़ने वालीं हैं।

मनीकोंडा में एक शाम माताजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मनीकोण्डा स्थित श्री बिरपा मलाना टेम्पल में सीरवी समाज नवयुवक मंडल द्वारा एक शाम माताजी के नाम जागरण व रंगारंग डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोहनलाल हाम्बड़, बाबुलाल भायल ने संयुक्तरुप से बताया कि माँ भगवती का पंडाल सजाकर शाम 6 बजे से 8 बजे तक पुरुष व महिलाओं द्वारा रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम एवं रात्रि 8.15 बजे पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर जागरण का आयोजन किया गया। इसमें भंवरलाल सीरवी व मीनल सीरवी ने राजस्थानी अंदाज़ मे भजनों के पुष्प अर्पित किये, जिसका देर रात तक पधारे भक्तों ने नाचते-गागते हुए लाभ लिया। कार्यक्रम में पधारे मुख्यअतिथि विधायक प्रकाश गौड़, अ.भा.सीरवी महासभा सचिव सोहनलाल हाम्बड़, सीरवी समाज कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, मनीकोण्डा वाईस चेयरमैन नरेन्द्र रेड्डी, सीरवी समाज मनीकोण्डा अध्यक्ष बाबुलाल भायल, पत्रकार परबत सोलकी, जेठाराम काग, पधारे अतिथियों का सम्मान किया।

समाज बन्धुओं द्वारा पधारे भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। सम्बोधन भाषण में विधायक प्रकाश गौड़ ने पधारे भक्तों को नवरात्रि की शुभकामनाँए देते हुए गौसेवार्थ दान-पुण्य करने वाले भामासाहों का आभार प्रकट किया।

उस्मानगंज रक्त मैसम्मा मंदिर में आयोजित नवरात्रि समारोह में बतौर अतिथि भाग लेते हुए गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़। इस अवसर पर नागेश, विक्की नरेश गौड़, रमेश आदि ने उनका सम्मान किया।

धम्माईगुडा स्थित भवानी फंक्शन हॉल में श्री राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा नवरात्रि महोत्सव पर आयोजित पूजा-अर्चना, रंगारंग गरबा-डंडिया नृत्य व भोजन-प्रसादी कार्यक्रम लाभ लेते हुए अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, भोजन-प्रसादी लाभार्थी रुपाराम सैंणचा गादाणा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

आप और हम की आम सभा आज

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी व हरियाणा समाज का सशक्त संगठन 'आप और हम' की आम सभा रविवार सायं 4 बजे आबिड्स स्थित राजस्थानी स्नातक भवन सभाग्रह में आयोजित की जायेगी। उपरोक्त जानकारी देते हुए संस्था के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने आगे बताया कि इस सभा में पदाधिकारियों कार्यकारिणी मण्डल तथा प्रधान संयोजक के साथ समय समय पर होने वाली कार्यक्रमों के संयोजक के संयोजक मण्डल की भी घोषणा की जायेगी। गठन के पश्चात पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों को पदभार सोपते हुये शपथ दिलवाई जायेगी। तत्पश्चात आगामी कार्यक्रम विशेष रूप से शरद पूर्णिमा एवं दिपावली मेले के वृहद आयोजन पर विचार-विमर्श कर स्थान व तिथि पर निर्णय लिया जायेगा। सभी सदस्यों व सहयोगियों से निवेदन किया गया कि वे समय पर पधारकर सभा को सफल बनायें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह

महबूबनगर, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय महबूबनगर में हिंदी दिवस पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र प्रमुख आर. सत्यनारायण, उप क्षेत्र प्रमुख डी. वेंकेटेश्वरूलू द्वारा विजेता स्टाफ सदस्यों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंतर शाखा राजभाषा शील्ड एवम व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की।

बोइनपल्ली बापूजी नगर, भावना कॉलोनी में स्थापित दुर्गा माता के पंडाल में पूजा-अर्चना करने पहुंची पूर्व विधायक सायन्ना की बेटी जी. लास्या नंदिता। उपस्थित हैं पूर्व बोर्ड सदस्या पांझु यादव, ए. गौतम जैन, निवेदिता व अन्य।

कीज़ हाईस्कूल सिकंदराबाद में बतुकम्मा महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाषा एवं संस्कृति विभाग, तेलंगाना सरकार, बंगीय सांस्कृतिक संघ और लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 320 बी ने संयुक्त रूप से कीज़ हाईस्कूल, सिकंदराबाद में बतुकम्मा महोत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर लॉयन सुनील कुमार, लॉयन रेसु मल्लारेड्डी गवर्नर, लॉयन दीपक भट्टाचार्जी, लॉयन दुर्गा वाणी सुरभि, लॉयन डॉ. मधुमिता भट्टाचार्जी ने कीज़हाई स्कूल, सिकंदराबाद में बतुकम्मा महोत्सव का उद्घाटन किया। भारी संख्या में महिलाओं ने बतुकम्मा खेला।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

आंकड़ों में वर्ल्ड कप 2023: रिजवान फिर बने टॉप स्कोरर

टॉप-3 बॉलर में शाहीन-बुमराह शामिल; ऑस्ट्रेलिया नंबर-4 पर पहुंचा

खेल डेस्क, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 62 रन से हरा दिया।

टूर्नामेंट में टीम ने दूसरी जीत दर्ज की, इससे पहले उन्होंने श्रीलंका को भी हराया था। 2 जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया पॉइंट्स टेबल में नंबर-4 पर पहुंच गया, वहीं पाकिस्तान नंबर-5 पर खिसक गया है। उनके भी 4 मैचों में 2 जीत से 4 ही पॉइंट्स हैं।

बेंगलुरु में 46 रन बनाने वाले पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर बन गए हैं। उनके 4 मैचों में 294 रन हो गए। भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर अब भी टॉप पर हैं, उनके नाम 11 विकेट हैं।

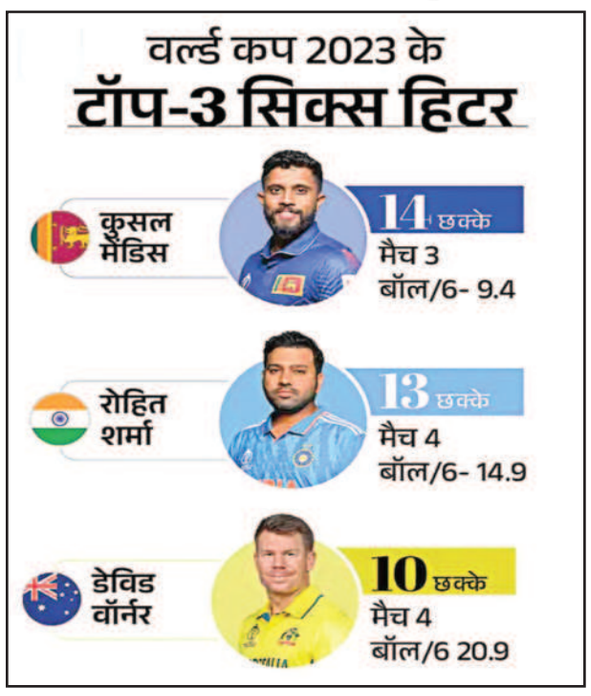

पीवी सिंधु डेनमार्क ओपन सेमीफाइनल में कैरोलिना मारिन से हार गई

ओडेंसे, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और वह एक घंटे और 13 मिनट तक चले करीबी मुकाबले में स्पेन की कैरोलिना मारिन से हार गईं।सिंधु ने कड़ा संघर्ष किया लेकिन अंततः ओलंपिक चैंपियन मारिन से 18-21, 21-19, 7-21 के अंतिम स्कोर के साथ हार गईं। यह मुकाबला असाधारण बैडमिंटन कौशल का प्रदर्शन करने वाले दो विशिष्ट खिलाड़ियों के बीच एक रोमांचक लड़ाई थी।दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग पर शानदार जीत के बाद सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली थी।डेनमार्क ओपन सुपर 750 में सिंधु का प्रदर्शन उनके प्रभावशाली करियर में एक और उपलब्धि थी, क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना जारी रखती हैं। वह बैडमिंटन सर्किट पर अपनी निरंतरता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए पिछले सप्ताह फिनलैंड में आयोजित आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक भी पहुंची थी।

भारत-न्यूजीलैंड धर्मशाला मैच में खलल डाल सकता है मौसम

शिमला, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में इस बार सर्दियों का आगाज़ आम वर्षों के मुकाबले जल्दी हुआ है. अक्टूबर माह में ही प्रदेश के कई इलाकों में बर्फबारी दर्ज की जा चुकी है. वही आगामी दिनों में एक बार फिर मौसम के खराब रहने की संभावना है.

प्रदेश के अंदर आगामी 22 और 23 अक्टूबर को एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है जिसके चलते प्रदेश के अंदर बरसात और बर्फबारी भी देखने को मिल सकती है. इसके अलावा मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से 27 अक्टूबर से एक बार फिर मौसम के खराब रहने की संभावना जताई गई है. इसके अलावा खराब मौसम 22 अक्टूबर को धर्मशाला में होने वाले भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच के दौरान भी खलल डाल सकता है.

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि आगमी 22 और 23 अक्टूबर को पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश में फिर से सक्रिय हो सकता है जिसके चलते प्रदेश के ऊपरी इलाकों में बारिश और बर्फबारी देखने को मिल सकती है. वही 22 अक्टूबर को धर्मशाला के मैदान में न्यूजीलैंड और भारत के बीच क्रिकेट वर्ल्ड कप का मैच होना है और खराब मौसम इस मैच का मजा भी खराब कर सकता है.

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि इस दौरान शाम और रात के समय बारिश होने की संभावना है. 22 अक्टूबर को शाम के वक्त 40% बारिश की उम्मीद है ऐसे में कुछ देर के लिए हल्की बारिश दर्ज की जा सकती है हालांकि ज्यादा देर तक बारिश होने जैसी कोई बात नहीं है.

वहीं हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान में पहले ही भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। जिला लाहौल स्पीति के केलांग में तापमान शून्य से नीचे माइनस दो डिग्री पर पहुंच गया है. इसके अलावा लगभग 19 वर्षों के रिकॉर्ड टूटा और जिला शिमला में भी अक्टूबर महीने में बर्फ हरिदास की गई. मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि साल 2004 के बाद जिला शिमला में बर्फबारी दर्ज की गई है और नारकंडा जैसे स्थानों पर बर्फबारी हुई. आगामी दिनों के लिए मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से मौसम की भविष्यवाणी है कि 27 तारीख के बाद एक बार फिर पश्चिमी विकसित की सक्रिय होने की संभावना है

लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस के बॉलिंग कोच बने: शेन बॉन्ड की जगह लेंगे

मुंबई, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग की टीम मुंबई इंडियंस ने श्रीलंका के पूर्व दिग्गज लसिथ मलिंगा को तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। टीम ने ट्वीट कर इनकी घोषणा की। मलिंगा न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड की जगह लेंगे। मलिंगा अगले सीजन से पहले मार्क बाउचर की अगुवाई वाली कोचिंग दल से जुड़ेंगे।

एमआई ने मलिंगा के जरिए कहा, 'मुंबई इंडियंस का बॉलिंग कोच बनना मेरे लिए गर्व की बात है और एमआई न्यूयॉर्क और एमआई केप टाउन के बाद वन फैमिली में मेरा सफर जारी रहा। मैं मार्क बाउचर, पोलार्ड, रोहित और पूरी टीम के साथ नजदीक से काम करने के लिए उत्साहित हूं, खासकर बॉलिंग यूनिट के साथ, जिनका रुख मुझे पिछले सीजन पसंद आया था।'

मलिंगा ने मुंबई इंडियंस के लिए 122 मैच खेले

2009 से 2019 के बीच मलिंगा ने मुंबई इंडियंस के लिए 122 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 170 विकेट लिए हैं। मलिंगा अभी भी आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले छठे गेंदबाज बने हुए हैं।

राजस्थान रॉयल्स के बॉलिंग कोच थे

मलिंगा इससे पहले आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स टीम के फास्ट बॉलिंग कोच थे। उन्होंने 2022 में ही RR टीम को ज्वाइन किया था। आईपीएल 2024 ऑक्शन से पहले उन्होंने आरआर का साथ छोड़ दिया है।

ब्लैक में बिक रहा भारत-न्यूजीलैंड मैच का टिकट

10 हजार से लेकर 75 हजार तक बेच रहे एक गिरफ्तार, फोन-कैश बरामद

धर्मशाला, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल के धर्मशाला में 22 अक्टूबर को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप मैच से दो दिन पहले प्रदेश सीआईडी ने टिकटों की कालाबाजारी करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है। सीआईडी ने आरोपी को आगामी जांच के लिए पुलिस स्टेशन धर्मशाला को सौंप दिया है।

मैच के नहीं मिल रहे टिकट

लाखों क्रिकेट प्रेमी वर्ल्ड कप के इन मैचों को स्टेडियम में जाकर देखना चाहते हैं, लेकिन हजारों रुपए खर्च करने के बाद भी उन्हें टिकट्स नहीं मिल रहे हैं।

खासकर भारत और न्यूजीलैंड के मैच की, लेकिन टिकट ब्लैक करने वाले उनकी इसी मजबूरी और क्रिकेट के प्रति उनकी दीवानगी का जमकर फायदा उठा रहे हैं।

ऐसे ही 10 हजार से लेकर 75 हजार रुपए तक टिकट्स ब्लैक में ऑनलाइन बेची जा रही हैं।

बुक माय शो है टिकटिंग पार्टनर

शायद ही कोई ऐसा क्रिकेट प्रेमी हो, जो इस मैच को स्टेडियम में जाकर न देखना चाहे। लेकिन अब क्रिकेट फैन्स दुखी हैं, क्योंकि वो वर्ल्ड कप के मैचों के टिकट्स बुक ही नहीं कर पा रहे हैं।

दरअसल आईसीसी ने वर्ल्ड कप 2023 के लिए बुक माय शो को अपना टिकटिंग पार्टनर बनाया है और आधिकारिक रूप से इस प्लेटफॉर्म के जरिए ही आप टिकट्स बुक कर सकते हैं।

झज्जर-पंचकुला में बनेगी दो निशानेबाजी रेंज

फरीदाबाद में तीरंदाजी अभ्यास केंद्र

चंडीगढ़, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्वर्ण पदक जीतने वाले को तीन करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को डेढ़ करोड़ और कांस्य जीतने वाले को 75 लाख रुपये मिले। इसके साथ ही उन्हें नौकरी की पेशकश का पत्र भी मिला।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एलान किया कि झज्जर और पंचकूला में दो निशानेबाजी रेंज और यमुनानगर तथा फरीदाबाद में दो तीरंदाजी अभ्यास केंद्र स्थापित किए जाएंगे। हांगझोउ एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए खट्टर ने यह बात कही। करनाल में आयोजित समारोह में पदक विजेताओं और प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिए गए। स्वर्ण पदक जीतने वाले को तीन करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को डेढ़ करोड़ और कांस्य जीतने वाले को 75 लाख रुपये मिले। इसके साथ ही उन्हें नौकरी की पेशकश का पत्र भी मिला।

भारतीय दल पर कोराना का साया

एक भारतीय खिलाड़ी संक्रमित, खेल गांव में क्वारंटीन किया गया

हांगझोऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। 22 अक्तूबर से शुरू हो रहे पैरा एशियाई खेलों में शिरकत करने 303 खिलाड़ी और 143 प्रशिक्षकों, सपोर्ट स्टाफ का भारतीय दल टुकड़ों में हांगझोऊ पहुंचा है। संक्रमित पाई गई महिला खिलाड़ी कुछ दिन पूर्व हांगझोऊ पहुंच गई थी, जहां उसे सर्दी, जुकाम होने वाले कोरोना का एंटीजन टेस्ट कराना पड़ा, जिसमें उसके संक्रमण पाया गया

पैरा एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए हांगझोऊ पहुंचे भारतीय दल पर कोरोना का साया पड़ गया है। भारतीय दल की एक महिला खिलाड़ी कोरोना संक्रमित पाई गई है। इस खिलाड़ी को खेल गांव में ही क्वारंटीन कर दिया गया है। साथ ही आयोजकों ने भारतीय दल को तत्काल कोरोना संबंधित सावधानियां अपनाने की सलाह दी। इसके बाद भारतीय दल के डॉक्टर की ओर से संक्रमण से बचाव के सभी को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए।

निगेटिव रिपोर्ट पर निर्भर करेगा खेलों में भाग लेना

22 अक्तूबर से शुरू हो रहे पैरा एशियाई खेलों में शिरकत करने 303 खिलाड़ी और 143 प्रशिक्षकों, सपोर्ट स्टाफ का भारतीय दल टुकड़ों में हांगझोऊ पहुंचा है। संक्रमित पाई गई महिला खिलाड़ी कुछ दिन पूर्व हांगझोऊ पहुंच गई थी, जहां उसे सर्दी, जुकाम होने वाले कोरोना का एंटीजन टेस्ट कराना पड़ा, जिसमें उसके संक्रमण पाया गया। इस महिला खिलाड़ी का खेलों में भाग लेना उसकी निगेटिव रिपोर्ट पर निर्भर करेगा।

टीम डॉक्टर ने दल को बचाव के निर्देश जारी किए

टीम डॉक्टर अरुण मैथ्यु ने भारतीय दल को संक्रमित केस की जानकारी देते हुए निर्देश दिए कि हमें इसे फैलने से बचाने के लिए तत्काल कड़े कदम उठाने होंगे। उन्होंने छह फुट की दूरी, नियमित अंतराल पर हाथ धोने के अलावा बाहर निकलने पर मास्क पहनने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संक्रमण के लक्षण होने पर खुद को एकांतवास में डालकर खेल गांव की पॉली क्लीनिक में टेस्ट कराने के निर्देश दिए हैं।

श्रीलंका की वर्ल्ड कप में पहली जीत

नीदरलैंड को 6 विकेट से हराया

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंका ने वर्ल्ड कप 2023 में पहली जीत हासिल की। टीम ने नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 6 विकेट से हराया। टीम को पहले तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम 49.4 ओवर में 262 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में श्रीलंका ने 48.2 ओवर में 5 विकेट खो कर 263 रन बना कर टारगेट चेज कर लिया। पथुम निसांका ने 54 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, आखिरी में सदीरा समरविक्रमा ने 91 रन बना कर टीम को मैच जिताया।

104 रन के स्कोर पर श्रीलंका ने 3 विकेट गंवा दिए। यहां से चरिथ असलंका और सदीरा समरविक्रमा ने टीम को संभाला। दोनों ने 99 बॉल पर 77 रन की पार्टनरशिप की और श्रीलंका का स्कोर 180 के पार पहुंचा दिया। इसी बीच सदीरा समरविक्रमा ने अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। असलंका 44 रन बनाकर बोल्ड हुए और दोनों के बीच साझेदारी टूटी।

श्रीलंका के ओपनर पथुम निसांका 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सदीरा समरविक्रमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 बॉल पर ही 52 रन की पार्टनरशिप भी की। निसांका लगातार तीसरे मैच में फिफ्टी लगाकर आउट हुए। नीदरलैंड से पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के खिलाफ भी फिफ्टी लगाई थी। 263 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम ने पांचवें ही ओवर में पहला विकेट गंवा दिए। आर्यन दत्त ने कुसल परेरा को कैच आउट करा दिया। 10वें ओवर में आर्यन ने फिर श्रीलंका को झटका दिया और कुसल मेंडिस को कैच आउट करा दिया। हालांकि टीम ने 10 ओवर में 2 विकेट खोकर भी 56 रन बना लिए। पहला (कुसल परेरा- 5 रन): 5वें ओवर की तीसरी बॉल आर्यन दत्त ने ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। परेरा बैकवर्ड पॉइंट पर कैच हो गए। दूसरा (कुसल मेंडिस- 11 रन): 10वें ओवर की तीसरी बॉल आर्यन दत्त ने गुड लेंथ पर फ्लाइटेड फेंकी। कुसल मेंडिस ने स्लॉग स्वीप खेला, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। मेंडिस शॉर्ट फाइन लेग पर कैच हो गए। तीसरा (पथुम निसांका- 54 रन): 17वें ओवर की पहली बॉल पॉल वान मीकरन ने ऑफ स्टंप पर शॉर्ट ऑफ गुड लेंथ फेंकी। निसांका थर्ड मैन पर सिंगल लेने गए, लेकिन विकेटकीपर के हाथों कैच हो गए। चौथा (चरिथ असलंका - 44 रन): 33वें ओवर में आर्यन दत्त की बॉल पर स्लॉग स्वीप लगाया और बोल्ड हो गए।

नौसेर पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा बायर्न म्यूनिख

सोशल मीडिया पर फिलिस्तीनियों का किया था समर्थन

म्यूनिख, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। नौसेर क्लब टीम के लिए बायर्न म्यूनिख की ओर से भी खेलते हैं। बायर्न के मुख्य कार्यकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसन ने कहा कि नौसेर ने हमें आश्वासन दिया है कि वह एक शांतिप्रिय व्यक्ति हैं और आतंक व युद्ध के खिलाफ हैं।

जर्मनी के फुटबाल क्लब बायर्न म्यूनिख ने फैसला किया है कि वह मोरक्को के फुटबालर नौसेर मजराउई पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा जिन्होंने सोशल मीडिया पर फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन व्यक्त किया था। नौसेर क्लब टीम के लिए बायर्न म्यूनिख की ओर से भी खेलते हैं। बायर्न के मुख्य कार्यकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसन ने कहा कि नौसेर ने हमें आश्वासन दिया है कि वह एक शांतिप्रिय व्यक्ति हैं और आतंक व युद्ध के खिलाफ हैं और उनका इरादा कभी भी अपने पोस्ट से किसी को कोई दुख पहुंचाने का नहीं था। हमारा क्लब इस्राइल पर हमास के हमले की निंदा करता है।

विराट कोहली वाइड बॉल विवाद पर वसीम अकरम का करारा जवाब

लोगों को दे डाली ये सलाह

पुणे, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत बनाम बांग्लादेश मैच में अंपायर द्वारा वाइड बॉल न देने पर अब पाकिस्तानी पूर्व दिग्गज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

वनडे विश्व कप 2023 के अपने चौथे मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को करारी शिकस्त दी थी। इस मैच में कई ऐसी घटनाएं हुई जिनको भुलापाना काफी मुश्किल है और इनको सोचकर अभी तक हर कोई हैरान है। इस मैच का जो वाकया अभी तक चर्चा का विषय बना हुआ है वो अंपायर का वाइड बोल न देना है। इसको लेकर क्रिकेट एक्सपर्ट्स से लेकर कई पूर्व खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी हैं। अब ऐसे में पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज वसीम अकरम कहा पीछे रहने वाले थे। अब इस मामले को लेकर वसीम अकरम ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। वसीम अकरम ने पाकिस्तानी चैनल ए स्पोर्ट्स पर कहा कि, "ऐसा लगता है कि ये अंपायर द्वारा की गई वास्तविक गलतियों में से एक है। यह निश्चित रूप से एक वाइड गेंद थी। पर यह उन लोगों के लिए है जिनके पास करने के लिए कुछ नहीं है, जो इस बकवास पर रहते हैं। इसको छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। आगे विराट कोहली को लेकर अकरम ने कहा कि, विराट कोहली की फिटनेस दर्शाती है कि वो कितना लंबा खेल

सकते हैं। विराट इस मैच में बल्लेबाजी को इंजॉय कर रहे थे और गेंदबाजों के साथ खिलवाड़ कर रहे थे।" बता दें, ये सब उस मैच के 42वें ओवर में देखने को मिला था। जब विराट कोहली 97 रन बनाकर खेल रहे थे। उनके लिए एक-एक रन के लिए जद्दोजहद चल रही थी। इतने में 42वां ओवर डालने आए नसूम अहमद ने चतुराई दिखाने की कोशिश की और पहली बॉल वाइड फेंक दी, लेकिन अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने इसे वाइड नहीं दिया। अंपायर के इस फैसले थे हर कोई हैरान था। अगर अंपायर वाइड दे देते तो टीम इंडिया के खाते में भले ही एक रन जुड़ जाता, लेकिन कोहली का शतक लगा पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता। हालांकि, अपने इस फैसले के बाद अंपायर भी थोड़े मुस्कुराते हुए नजर आए थे। बता दें, ये विराट कोहली का वनडे इंटरनेशनल में 48वां शतक था और अब सचिन के 49 शतक के रिकॉर्ड से महज एक शतक पीछे हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं से दूर रहें लोग : मुख्य सचिव

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर स्वैच्छिक प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है, जो पर्यावरण के लिए खतरा बन गया है। उन्होंने एकल-उपयोग प्लास्टिक की वस्तुओं के बजाय स्टील और चीनी मिट्टी की वस्तुओं के उपयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने पर आज डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में सरकार के सलाहकार और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष राजीव शर्मा, विभिन्न विभागों के विशेष मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिवों ने भाग लिया, चूंकि सरकार ने प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध पर पहले ही कई आदेश जारी किए हैं, इसलिए अधिकारियों को एक उदाहरण स्थापित करने की सलाह दी गई। सचिवालय में स्वेच्छा से प्लास्टिक प्रतिबंध का पालन करते हुए। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक का केवल नौ प्रतिशत ही पुनर्चक्रित किया जा रहा है और शेष प्लास्टिक कचरा नहरों, तालाबों और नदी के पानी में चला जाता है, जो मानव जाति के लिए एक बड़ा खतरा है। पहले से ही, राज्य की 142 नगर पालिकाओं और निगमों में 17 लाख स्वयं सहायता समूह की महिलाएं नागरिकों को एकल-उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध पर जागरूक कर रही हैं। हर गांव में कूड़े से प्लास्टिक कचरा अलग किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने आह्वान किया कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को सचिवालय में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर स्वेच्छा से प्रतिबन्ध लगाकर इसके विकल्पों का प्रयोग कर उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। पानी की बोतलों, ढक्कनों, प्लेटों, कपों, गिलासों और स्ट्रॉ में प्लास्टिक का उपयोग हो रहा है और इनकी जगह स्टील और चीनी मिट्टी की वस्तुओं का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी आदेशों से संभव नहीं हो सकता, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के साथ स्वेच्छा से इसका पालन किया जाना चाहिए।

राजीव शर्मा ने प्रदेश को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त राज्य बनाने के लिए सामाजिक जिम्मेदारी के साथ व्यक्तिगत रूप से कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक पर प्रतिबंध के लिए जिला स्तर पर समितियां हैं और व्यापक स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए।

बाद में, शांति कुमारी ने प्लास्टिक के सामानों के स्थान पर उपयोग की जाने वाली वैकल्पिक सामग्रियों पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्य सचिव एवं सरकार के सलाहकार राजीव शर्मा ने प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने और पृथ्वी को बचाने के नारे के साथ तैयार किये गये पोस्टर का अनावरण किया।

सोनिया गांधी के कारण तेलंगाना के सैकड़ों युवाओं की मौत हुई : एमएलसी कविता

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इटली की रानी करार देते हुए, जिन्होंने 2009 में अलग तेलंगाना राज्य के अनुदान में देरी करके सैकड़ों युवाओं की मौत का कारण बनी, एमएलसी कल्वाकुंटला कविता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी कभी भी तेलंगाना राज्य के हितों के लिए काम नहीं किया। शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, एमएलसी कविता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने अलग तेलंगाना राज्य को आसानी से मंजूरी नहीं दी और फिर जोरदार दबाव के कारण केंद्र सरकार को तेलंगाना राज्य के निर्माण के लिए अपनी मंजूरी देने के लिए मजबूर होना पड़ा। बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) पार्टी का संघर्ष, जिसका नेतृत्व उसके अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों को तेलंगाना के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उन्होंने संसद में तेलंगाना के मुद्दों को न तो उठाया और न ही समर्थन किया। कविता ने बताया कि यह बहुत हास्यास्पद है कि राहुल गांधी कहते हैं कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव बीसी जनगणना के खिलाफ हैं। बीआरएस विधानसभा में प्रस्ताव पारित करने वाली एकमात्र पार्टी है और उसने बीसी जनगणना की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। चुनाव के रूप में तेलंगाना में आ रहे हैं, कांग्रेस पार्टी ने अचानक बीसी जनगणना का मुद्दा उठाया है और नाटक कर रही है।

उन्होंने बथुकम्मा उत्सव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी की भी आलोचना की और कहा कि उन्होंने तेलंगाना की पूरी महिलाओं का अपमान किया है। एमएलसी कविता ने बताया कि निज़ाम शुगर फैक्ट्री को बंद करने के लिए कांग्रेस पार्टी को भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि तत्कालीन आंध्र प्रदेश में टीडीपी सरकार के कार्यकाल के दौरान फैक्ट्री बंद होने पर पार्टी ने कोई आपत्ति नहीं जताई थी।

वेंकट रेड्डी ने बीआरएस पार्टी पर जमकर निशाना साधा

नलगोंडा, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। कांग्रेस सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी शासन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस, बीजेपी और एमआईएम आगामी चुनावों में कांग्रेस पार्टी को हराने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेताओं को गांधी परिवार की आलोचना करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उन्होंने नलगोंडा शहर में घर-घर जाकर चुनाव प्रचार के दौरान ये टिप्पणी की। उन्होंने प्रचार के दौरान विभिन्न दलों से कांग्रेस में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं का भी दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, कोमाटिरेड्डी ने गोद लेने के नाम पर नलगोंडा निर्वाचन क्षेत्र को धोखा देने के लिए सीएम केसीआर की आलोचना की। उन्होंने बीआरएस मंत्रियों और विधायकों को अकेले लोगों के पास जाने की चुनौती दी क्योंकि राज्य में हालात आपातकाल से भी बदतर हैं। यह कहते हुए कि कांग्रेस पार्टी बीआरएस, बीजेपी और एमआईएम के गठबंधन के साथ लड़ रही है, वेंकट रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी पार्टी के नेता राहुल गांधी की यात्रा की सफलता के बाद उत्तरी तेलंगाना में भी लोकप्रियता हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी नेता प्रियंका गांधी के 30 अक्टूबर को नलगोंडा आने की संभावना है। कोमाटिरेड्डी ने कहा कि बीआरएस पार्टी का दिमाग कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र से खाली हो गया है और कहा कि कांग्रेस पार्टी को राज्य में 100 विधानसभा सीटें मिलना निश्चित है। उन्होंने यह भी कहा कि टिकट नहीं पाने वाले नेताओं द्वारा पार्टी के खिलाफ की गई आलोचना पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है।

निज़ामाबाद में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने कहा कि पुलिस बल देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सबसे कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। शनिवार को यहां पुलिस परेड ग्राउंड में पुलिस स्मृति दिवस समारोह में भाग लेते हुए, कलेक्टर ने "पुलिस शहीदों" को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कर्तव्य के दौरान अपने प्राण न्यौछावर कर दिए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के अथक प्रयासों के कारण देश के लोग शांति से रह रहे हैं। उन्होंने कहा, "सरकार के कल्याण और विकास कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन में पुलिस महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

निज़ामाबाद के पुलिस आयुक्त कलमेश्वर शिंगेनवार ने बताया कि निज़ामाबाद, आर्मूर और बोधन डिवीजनों में 1986 से अब तक 19 पुलिस कर्मियों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान दे दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वे लंबे समय तक काम करते हैं और उनकी ड्यूटी का उन पर और उनके परिवारों पर क्या प्रभाव पड़ता है, उसे पहचानने की जरूरत है।

सद्दुला बतुकम्मा आज, यातायात में फेरबदल

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 22 अक्टूबर को लुंबिनी पार्क और अपर टैंकबंड पर मनाए जाने वाले "सद्दुला बथुकम्मा" के संबंध में कल दोपहर 2 बजे से रात्रि 11 बजे के बीच लुंबिनी पार्क और अपर टैंकबंड के आसपास यातायात भीड़ होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित स्थानों पर या तो यातायात रोका जायेगा या डायवर्ट किया जायेगा। स्थानीय स्थिति के अनुसार आवश्यकता पड़ने पर यातायात में परिवर्तन और प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

जी.सुधीर बाबू, आईपीएस, अतिरिक्त। पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद ने कहा कि तेलुगु थल्ली जंक्शन और कर्बला मैदान से टैंक बांध की ओर आने वाले सामान्य यातायात को 22 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से रात्रि 11 बजे तक अनुमति नहीं दी जाएगी। इकबाल मीनार से आने वाले यातायात को ऊपरी टैंक बांध की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे तेलुगु थल्ली फ्लाईओवर-कट्टामैसम्मा-डीबीआर-इंदिरा पार्क-गांधीनगर-आरटीसी चौराहे की ओर मोड़ दिया जाएगा। वि.वि. से आने वाला यातायात. एनटीआर मार्ग की ओर जाने वाली प्रतिमा को इंदिरा गांधी

टैंकबंड पर आयोजित बतुकम्मा कार्यक्रम में भाग लेती हुईं महिलाएं।

प्रतिमा (नेकलेस रोटरी) से प्रसाद के आईमैक्स और मिंट लेन की ओर मोड़ दिया जाएगा।

नल्लागुट्टा जंक्शन से बुद्ध भवन की ओर यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी और नल्लागुट्टा चौराहे से रानीगंज और नेकलेस रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। लिबर्टी से ऊपरी टैंक बांध की ओर आने वाले यातायात को अंबेडकर प्रतिमा पर तेलुगू थाली जंक्शन से तेलुगू थाली फ्लाईओवर पर इकबाल मीनार 'यू' मोड़ की ओर मोड़ दिया जाएगा। सिकंदराबाद से ऊपरी टैंक बांध की ओर आने वाले यातायात को कर्बला मैदान से बाइबिल हाउस-जब्बार कांप्लेक्स-कवाडीगुडा-लोअर टैंक बांध-कट्टामैसम्मा और तेलुगु थल्ली फ्लाईओवर की ओर मोड़ दिया जाएगा। मुशीरबाद और कावाडीगुडा से चिल्ड्रन पार्क-अपर टैंक बांध की ओर आने वाले यातायात को अनुमति नहीं दी जाएगी और डीबीआर मिल्स पर लोअर टैंकबंद-कट्टामैसम्मा की ओर मोड़ दिया जाएगा।

आरटीसी बसों का डायवर्जन

सिकंदराबाद से एमजीबीएस की ओर आने वाली सभी अंतर-जिला आरटीसी बसों को स्वीकार-उपकार जंक्शन पर दोपहर 2 बजे से वाईडब्ल्यूसीए-संगीत-मेटुगुडा-तरनाका-नल्लाकुंटा-फीवर हॉस्पिटल क्रॉस रोड-बरकतपुरा-पर्यटक होटल-निम्बोली अड्डा-चादरघाट-रंगमहल और एमजीबीएस की ओर मोड़ दिया जाएगा। बजे से 2300 बजे तक. सिटी बसों को दोपहर 2 बजे से रात्रि 11 बजे तक कर्बला मैदान से बाइबिल हाउस-जब्बार कांप्लेक्स-कवाडीगुडा क्रॉस रोड-लोअर टैंक बंड-कट्टामैसम्मा और तेलुगु थाली फ्लाईओवर की ओर मोड़ दिया जाएगा।

नागरिकों से अनुरोध है कि वे उन जंक्शनों का अनुसरण करने से बचें जहां यातायात की भीड़ होने की उम्मीद है, यानी वी.वी. मूर्ति, खैरताबाद, पुराना पीएस सैफाबाद, इकबाल मीनार, तेलुगुतल्ली जंक्शन, नेकलेस रोटरी, लिबर्टी, रवींद्र भारती, अम्बेडकर प्रतिमा, टैंकबंड, कावडीगुडा चौराहा, कट्टामैसम्मा, कर्बला मैदान, रानीगंज, और नल्लागुट्टा शामिल हैं।

अतिरिक्त. पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद जी.सुधीर बाबू, आईपीएस, ने नागरिकों से हैदराबाद यातायात पुलिस के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया।

सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा 55 लाख रुपये से अधिक मूल्य के तस्करी का सोना जब्त

विजयवाड़ा, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीमा शुल्क (निवारक) आयुक्तालय, विजयवाड़ा ने आंध्र प्रदेश में अवैध विदेशी मुद्रा और दुबई और श्रीलंका मूल के सोने की तस्करी के मामले का भंडाफोड़ किया है। 18 अक्टूबर को की गई छापेमारी और उसके बाद की छापेमारी में अधिकारियों ने 55.34 लाख रुपये का तस्करी का सोना और 16.63 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त किए।

कस्टम अधिकारियों के अनुसार, 18 अक्टूबर की तड़के गुंटूर जिले के एनएच-16 में काजा टोल प्लाजा पर, अधिकारियों ने अवैध विदेशी मुद्रा के एक वाहक को रोका, जो विजयवाड़ा से नेल्लोर की बस में यात्रा कर रहा था और लगभग 13.10 लाख रुपये बरामद किए। उसके पास से अवैध विदेशी मुद्रा बरामद हुई। ऐसा प्रतीत होता है कि वाहक विदेशी मुद्रा को ठिकाने लगाने और तस्करी का सोना खरीदने के लिए चेन्नई की यात्रा कर रहा था।

मोत्कुपल्ली ने टैंकबंड पर हंगामा खड़ा किया

एनटीआर घाट के पास कीटनाशक के डिब्बे के साथ देखा गया

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोत्कुपल्ली नरसिम्हुलु ने आज यहां टैंकबंड पर हंगामा खड़ा कर दिया। उसे टैंकबंड में एनटीआर घाट के पास कीटनाशक के डिब्बे के साथ देखा गया था। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, मोत्कुपल्ली ने खेद व्यक्त किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का बचाव करके गलती की है। पहले, मैंने कहा था कि अगर दलित बंधु को लागू नहीं किया गया तो मैं मर जाऊंगा। दलित बंधु को लागू नहीं किया जा रहा है। दलित युवा मुझे संदेश भेजकर मरने के लिए कह रहे हैं। दलित युवा चाहते हैं कि मैं यादगिरिगुट्टा में अपनी बात रखूं। अगर केसीआर दलितों के साथ अन्याय करते हैं, मैं कीटनाशक पी लूंगा और मर जाऊंगा।

उन्होंने कहा कि केसीआर किसी भी तरह से नहीं मरेंगे, अपना वादा पूरा नहीं करने के कारण वह मरने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर के शब्दों का कोई मूल्य नहीं है और कहा कि मुख्यमंत्री धोखाधड़ी करने के लिए पते की परवाह करते हैं। उन्होंने कहा कि वह तब सीएम के पास गए जब केसीआर ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से दलित बंधु योजना के शुभारंभ पर आने के लिए बुलाया और कहा कि उन्होंने यह कहकर केसीआर का समर्थन किया कि दलित बंधु योजना से दलित समुदाय को फायदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि केसीआर ने मदिगा समुदाय को मंत्री पद भी नहीं दिया।

टीडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी पर टिप्पणी करते हुए मोत्कुपल्ली ने कहा कि अगर चंद्रबाबू के जीवन को कोई नुकसान होता है, तो बीजेपी, सीएम वाईएस जगन और केसीआर को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकारें चंद्रबाबू के खिलाफ साजिश रच रही हैं और कहा कि वे चंद्रबाबू को मारने की कोशिश कर रहे हैं। नरसिम्हुलु ने दावा किया कि चंद्रबाबू को जमानत मिलने से रोका जा रहा है और कहा कि चंद्रबाबू के परिवार को जेल में डालने की साजिश की जा रही है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि आने वाले चुनावों में जगन को आंध्र प्रदेश में जमानत भी नहीं मिलेगी। चंद्रबाबू की गिरफ्तारी से लोग केसीआर से नाराज हैं। चंद्रबाबू के खिलाफ साजिश के विरोध में मैंने ग्रेटर हैदराबाद की सीमा में दशहरा नहीं मनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा क्योंकि सोनिया गांधी ने तेलंगाना दिया और कहा कि तेलंगाना के लोगों को कांग्रेस पार्टी को एक मौका देना चाहिए, साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को वोट देने का फैसला किया है।

यह कहते हुए कि रेवंत रेड्डी हर किसी के घर जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि टीपीसीसी प्रमुख उनके घर नहीं आ रहे हैं, क्योंकि वह दलित हैं। उन्होंने साफ किया कि अगर दलित वोट नहीं मिलेगा तो कोई भी पार्टी सत्ता में नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि अगर तुंगतुर्ती सीट उन्हें नहीं दी गई तो यह कांग्रेस पार्टी के लिए नुकसान होगा और अगर कमजोर उम्मीदवार खड़ा किया गया तो यह सीट बीआरएस पार्टी जीतेगी।

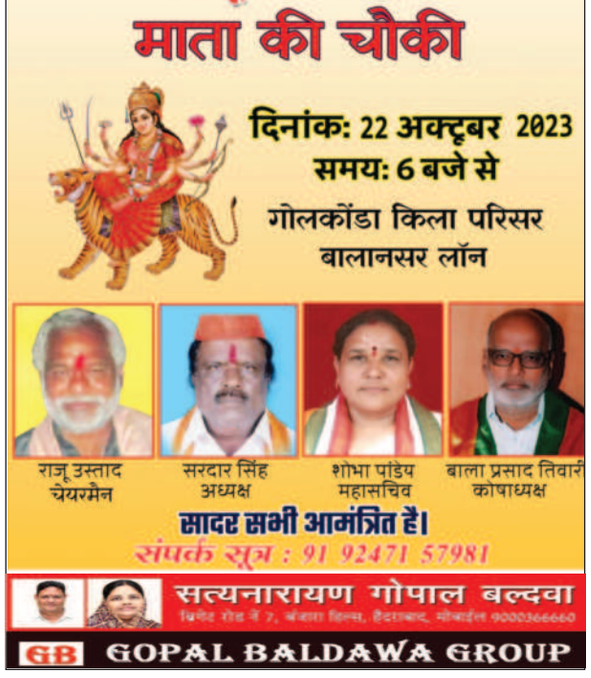

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.